FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
twitter.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in

www.focusnews.in
+focusnewsin

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। शुक्रवार 26 अप्रैल 2024। तृतीया, माघ मास, शुक्ल पक्ष। 2080 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 11। अंक : 284

हरियाणा के गांव में खुदाई में 400 साल पुरानी मूर्तियां मिलीं

मानेसर के निकट बाघनकी गांव में निर्माण परियोजना के लिए खुदाई के दौरान करीब चार सौ साल पुरानी धातु की तीन मूर्तियां मिली हैं।

आईएसएल सेमीफाइनल : मुंबई सिटी एफसी ने एफसी गोवा के जबड़े से जीत छीनी

मुंबई सिटी एफसी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद आखिरी सात मिनटों मे तीन गोल कर इंडियन सुपर लीग फुटबॉल के पहले चरण के सेमीफा. इनल मैच में बुधवार को यहां एफसी गोवा को 3–2 से शिकस्त दी।

आम चुनाव के दूसरे चरण की आठ लोकसभा सीटों के लिए उप्र में चुनाव प्रचार समाप्त

उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम छह बजे समाप्त हो गया।

गर्मी के दिनों में घर के नलों से निकल रहा गर्म पानी? छत पर रखी पानी की टंकी को ठंडा रखने के लिए करें ये उपाय

गर्मियों का मौसम आते ही पानी की टंकी का पानी गर्म हो जाना एक आम समस्या है. ऐसे में दोपहर के समय में नहाने या हाथ पैर धोने के लिए पानी को बाल्टी में निकाल कर कई घंटे छोड़ना पड़ जाता है.

जंगल की सैर पर निकलीं करीना कपूर, हिरण देख बेकाबू हुए लाडले तैमूर

करीना कपूर खान बॉलीवुड में जिस कदर छाई रहती हैं, ठीक उसी अंदाज में उनका जलवा सोशल मीडिया पर भी देखने को मिलता है।

इस आम चुनाव में बदलाव की 'खामोश लहर' चल रही है : सचिन पायलट

कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि इस आम चुनाव में लोगों में परिवर्तन की टीस दिख रही है और बदलाव की 'खामोश लहर' चल रही है।

भारत का औषधि निर्यात 2023–24 में 10 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब डॉलर पर

देश का औषधि निर्यात वित्त वर्ष 2023–24 में सालाना आधार पर 9.67 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022–23 में निर्यात 25.4 अरब डॉलर था।

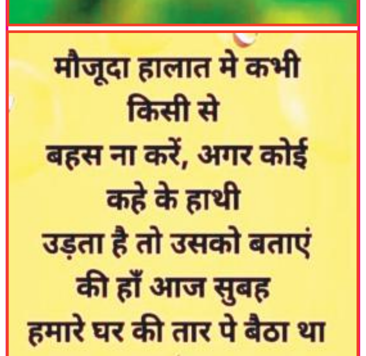

हमने जवानों से कहा अगर एक गोला फेंकते हैं तो 10 तोपें चल जानी चाहिए, मुरैना में बोले मोदी

। कृष्णा अग्रवाल ।

मुरैना। फोकस न्यूज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के मुरैना में विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बीजेपी के लिए देश से बड़ा और कुछ नहीं है जबकि कांग्रेस के लिए अपना परिवार ही सबकुछ है. पीएम ने कहा कि मुरैना ने हमेशा उन्हीं का साथ दिया है, जिनके लिए राष्ट्र प्रथम है.आप सबका उत्साह देखकर मैं कह सकता हूं कि मुरैना आज भी न अपने संकल्प से डिगा है और न ही कभी डिगेगा. पीएम ने कहा, 'आजादी के समय कांग्रेस ने धर्म के नाम पर देश का विभाजन स्वीकार किया था. माँ भारती के हाथों की जंजीरें काटने के बजाय कांग्रेस ने माँ भारती की भुजाएं ही काट दी. देश के टुकड़े कर दिए थे लेकिन कांग्रेस सुधरने को तैयार नहीं है. कांग्रेस को लगता है, यही उसके फायदे के लिए सरल रास्ता है. आज एक बार फिर कांग्रेस कुर्सी के लिए छटपटा रही है. अब कुर्सी पाने कि लिए भाँति–भाँति के खेल खेल रही है कांग्रेस की पॉलिसी है, जो देश के लिए सबसे ज्यादा योगदान, मेहनत और समर्पण करे, उसे सबसे पीछे रखो... कांग्रेस ने इतने वर्षों तक सेना के जवानों की One Rank-One Pension जैसी मांग पूरी नहीं होने दी. हमने सरकार बनते ही One Rank-One Pension को लागू किया.' कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'MP के लोग जानते हैं कि समस्या से एक बार पीछा छूट जाए, तो फिर उस समस्या से दूर ही रहना चाहिए. कांग्रेस पार्टी ऐसी ही विकास विरोधी और बहुत बड़ी समस्या है. ..हमने सीमा पर खड़े जवानों की सुविधा की भी चिंता की. कांग्रेस सरकार ने जवानों के जो हाथ बांध रखे थे, हमने उन्हें भी खुली छूट दे दी. हमने कहा कि अगर एक गोली आती है तो 10 गोली चलनी चाहिए. अगर एक गोला फेंकते हैं तो 10 तोपें चल जानी चाहिए. '

भाजपा ने दिलाई चंबल को नई पहचानः प्रधानमंत्री ने कहा, 'कांग्रेस ने MP को बीमारू राज्यों की लाइन में खड़ा कर दिया था. भाजपा की सरकार ने कांग्रेस के बनाए गड्ढों को भरने के बाद मध्य प्रदेश और चंबल को नई और गौरवपूर्ण पहचान दिलाई है. भाजपा सरकार में (शेष पेज दो पर)

लोस चुनाव दूसरा चरणः राहुल-थरूर, हेमा व ओम बिड़ला को तीसरी बार जीत की उम्मीद

नयी दिल्ली, लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और शशि थरूर तथा अभिनेता से नेता बने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरुण गोविल प्रमुख उम्मीदवारों में से हैं। इसके साथ ही भाजपा की हेमा मालिनी, ओम बिड़ला और गजेंद्र सिंह शेखावत अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कराने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव सात चरणों में होने हैं। प्रथम चरण के तहत गत शुक्रवार को 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर मतदान हुआ, जिसमें मतदान प्रतिशत लगभग 65.5 रहा। चुनाव के दूसरे चरण के तहत शुक्रवार को केरल की सभी 20 सीट, कर्नाटक की 28 में से 14 सीट, राजस्थान की 13 सीट, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की आठ–आठ सीट, मध्य प्रदेश की सात सीट, असम और बिहार में पांच–पांच सीट, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल की तीन–तीन सीट और मणिपुर, त्रिपुरा तथा जम्मू–कश्मीर में एक–एक सीट पर मतदान होना है। राहुल गांधी केरल के वायनाड से सांसद हैं और फिर से यहीं से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की एनी राजा और भाजपा के के. सुरेंद्रन से है। वर्ष 2019 के चुनाव में गांधी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाकपा के पी.पी. सुनीर के खिलाफ सात लाख से अधिक मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल की थी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर को उम्मीद है कि वह चौथी बार तिरुवनंतपुरम सीट पर जीत बरकरार रख पाएंगे। उनका मुकाबला भाजपा के केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भाकपा के पन्नियन रवींद्रन से है। वर्ष 2014 से लगातार मथुरा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती आ रहीं हेमा मालिनी का मुकाबला कांग्रेस के मुकेश धनगर से है और जबकि कोटा से दो बार सांसद चुने गए ओम (शेष पेज दो पर)

अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट से दाखिल किया नामांकन

कन्नौज (उप्र), समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कन्नौज लोकसभा सीट के लिये नामांकन दाखिल कर दिया। अखिलेश ने कन्नौज से नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ सपा के प्रमुख महासचिव राम गोपाल यादव भी मौजूद थे। सपा ने इससे पहले मैनपुरी से पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को कन्नौज लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। अखिलेश यादव 2000 में कन्नौज सीट पर हुए उपचुनाव में पहली बार सांसद चुने गये थे। उसके बाद वह 2004 और 2009 में भी इसी सीट से सांसद रहे। उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद लोकसभा से इस्तीफा देने के चलते 2012 में कन्नौज सीट पर हुए उपचुनाव में अखिलेश की पत्नी डिंपल निर्विरोध (शेष पेज दो पर)

कोविड के बाद बुनियादी ढांचे के निवेश में असमान उछाल, विकासशील देश पिछड़े : पी के मिश्रा

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पी के मिश्रा ने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान बुनियादी ढांचे में निवेश में गिरावट आई थी और इस क्षेत्र में आई हालिया उछाल बेहद असमान है जहां विकासशील देश पिछड़ते दिख रहे हैं। मिश्रा ने यहां आपदा–रोधी बुनियादी ढांचे पर छठे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आपदा और जलवायु जोखिम बढ़ रहे हैं और अगर देश बुनियादी ढांचे की प्रणालियों में लचीलापन नहीं लाते हैं तो उन्हें पुनर्निर्माण के लिए अधिक निवेश करने को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा, महामारी के दौरान बुनियादी ढांचे के निवेश में गिरावट आई और हाल ही में हम लगातार पुनरुद्धार देख रहे हैं। हालांकि, यह उछाल बेहद असमान है, जिसमें विकासशील देश पिछड़ रहे हैं। हमें खुद से पूछना चाहिए (शेष पेज दो पर)

चंद्रयान–3 का महत्व विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रुचि बढ़ाने में भी : एस सोमनाथ

कोलकाता, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा है कि चंद्रयान–3 मिशन का महत्व सिर्फ अंतरिक्ष अध्ययन तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह वैज्ञानिक समुदाय को बढ़ावा देने, इंजीनियरिंग और विज्ञान जैसे व्यापक क्षेत्रों में भागीदारी पर जोर देने तक फैला हुआ है।सोमनाथ ने यहां पीटीआई–भाषा से बातचीत करते हुए एक वैज्ञानिक 'पूल' विकसित करने के महत्व पर जोर दिया जो न केवल अंतरिक्ष अन्वेषण को बढ़ावा देता हो बल्कि विविध औद्योगिक अवसरों की भी तलाश करता हो। उन्होंने जोर दिया कि चंद्रयान–3 का महत्व न सिर्फ अंतरिक्ष अनुसंधान बल्कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में दिलचस्पी बढ़ाने, इन क्षेत्रों में चुनौतियों और प्रगति को पेश कर युवा पीढ़ी को आकर्षित करने में है। उन्होंने कहा कि चंद्रमा मिशन की सफलता ने (शेष पेज दो पर)

Cooler चलाने जा रहे हैं तो पहले कर लें ये 5 काम, पूरा सीजन मिलेगी तगड़ी कूलिंग

अगर आप गर्मी के मौसम को देखते हुए अपना डेजर्ट कूलर बाहर निकालकर उसका इस्तेमाल शुरू करने जा रहे हैं तो, आज आपको हम कुछ ऐसे कामों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें करने के बाद आप पूरे सीजन मजे से कूलिंग हासिल कर सकते हैं.

सफाईः सबसे पहले, अपने कूलर को अच्छी तरह से साफ कर लें. इसमें पंखे, पैड, पानी की टंकी और जालियों को शामिल करना न भूलें. धूल और गंदगी हटाने से हवा का प्रवाह बेहतर होगा और कूलिंग भी अधिक प्रभावी होगी.

पानी की टंकी: टंकी में ताज़ा और ठंडा पानी भरें. आप बर्फ के टुकड़े भी डाल सकते हैं ताकि हवा और भी ठंडी हो.

पंपः यदि आपके कूलर में पंप है, तो सुनिश्चित करें कि यह ठीक से काम कर रहा है. पंप का काम पानी को पैड तक पहुंचाना होता है, इसलिए यदि यह खराब है, तो कूलिंग प्रभावित होगी.

पैडः यदि पैड पुराने या खराब हो गए हैं, तो उन्हें बदल दें. नए पैड हवा को बेहतर ढंग से सोखेंगे और ठंडा करेंगे. (शेष पेज दो पर)

अब केवल नाम बोलने से लग जायेगी फ़ोन कॉल, ये ट्रिक यूज करने से जान लें यह बातें

ज्यादातर लोगों को अपने स्मार्टफोन में शॉर्टकट इस्तेमाल करने की आदत होती है। ये लोग ऐसे होते हैं कि जब कोई शॉर्टकट ऐप मार्केट में आता है तो उसे तुरंत इंस्टॉल कर लेते हैं और उसका इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। शॉर्टकट ऐप में वॉयस डायलिंग जैसे ऐप शामिल हैं। इस ऐप को इंस्टॉल करने से आपको किसी का फोन नंबर नहीं खोजना पड़ेगा। आप बोलकर उस नंबर को प्राप्त कर सकते हैं और कमांड देकर कॉल कर सकते हैं। इसके लिए आपको फोन को छूने की जरूरत नहीं पड़ेगी।लेकिन क्या ऐसे ऐप आपकी प्राइवेसी और फोन के लिए सुरक्षित हैं? यह एक बड़ा सवाल है, कई लोग इसके बारे में नहीं सोचते और पर्सनल डेटा चोरी होने पर परेशान हो जाते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि ऐसे ऐप इंस्टॉल करने से पहले आपको एक बार क्यों सोचना चाहिए।

नाम बोलकर हो जाएगी फोन कॉल!: गूगल प्ले स्टोर और एपल ऐप स्टोर पर ऐसे कई ऐप मौजूद हैं, जिनके इस्तेमाल से आपका बहुत सारा काम जल्दी पूरा हो सकता है और समय की भी बचत होती है। लेकिन ये ऐप न सिर्फ आपकी पूरी कॉन्टैक्ट लिस्ट बल्कि गैलरी तक का एक्सेस पा लेते हैं। यानी (शेष पेज दो पर)

खाने से पहले आम को पानी में रखना क्यों जरूरी? आयुर्वेद एक्सपर्ट से जानें इसके जबरदस्त फायदे

मीठे पके आम चिलचिलाती गर्मी के मौसम की सबसे बड़ी खासियत है. यह कहना गलत नहीं कि ज्यादातर लोग गर्मी के दिनों का इंतजार सिर्फ पके आमों के स्वाद को चखने के लिए करते हैं. लेकिन बड़ी अजीब बात है कि आम को खाने से पहले इसे पानी में भिगोना चाहिए, इसके बारे में बहुत कम ही लोग जानते हैं. यदि आप भी इनमें से एक हैं तो यह लेख आपके लिए है.आयुर्वेद एक्सपर्ट दीक्षा भावसार ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए पोस्ट में यह समझाया है कि आम को पानी में भिगोना क्यों जरूरी होता है? और कितनी देर तक आम को (शेष पेज दो पर)

गर्मी में सबसे असरदार है ये एक्सरसाइज, पूरे शरीर से छटने लगेगी चर्बी, 1 घंटे में बर्न होती हैं इतनी कैलोरी

गर्मी में वजन घटाने के लिए सबसे स्विमिंग सबसे बेहतरीन एक्सरसाइज है। स्विमिंग करने से दिनभर की थकान निकल जाती है और बॉडी एकदम फ्रेश रहती है। स्विमिंग करने से शरीर एकदम ठंडा हो जाता है और वजन भी कम होता है। अगर घंटों एक्सरसाइज करने और पसीना बहाने के बाद भी वजन कम नहीं कर पा रहे हैं तो आपको स्विमिंग जरूर ट्राई करनी चाहिए। सिर्फ 1 घंटे की स्विमिंग में आप नॉर्मल वॉक या एक्सरसाइज से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इससे पूरी बॉडी की एक्सरसाइज होती है। जानते हैं स्विमिंग करने के फायदे और इससे कैसे वजन कम होता है?

1 घंटे की स्विमिंग में कितनी कैलोरी बर्न होती है? : स्विम इंग्लैंड की एक रिसर्च में (शेष पेज दो पर)

हमने जवानों... (पेज एक का शेष) हुए विकास को भिंड, मुरैना, ग्वालियर के वो लोग और ज्यादा अनुभव कर रहे हैं, जिन्होंने कांग्रेस का काला दौर देखा है. 4 जून के बाद हमारे मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश का विकास और स्पीड पकड़ने जा रहा है.' कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'आज कांग्रेस एक बार फिर कुर्सी के लिए छटपटा रही है. कुर्सी पाने के लिए भांति–भांति के खेल, खेल रही है.ये लोग फिर से धार्मिक तुष्टीकरण को मोहरा बना रहे हैं. कर्नाटक में कांग्रेस सरकार का राज है और उन्होंने क्या पाप किया है? आप हैरान हो जाओगे. मुझे बताइए कि आपके गांव में आकर कोई कह दे कि इस गांव में सारे लोग अब 'ये' नहीं 'ये' हो गए हैं, तो आपको मंजूर होगा क्या? कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक में जितने भी मुस्लिम समाज के लोग हैं, उच्च वर्ग के, धनी, व्यापारी, उद्यमी, न्यायमूर्ति, कोई भी बस मुसलमान होना चाहिए. अगर वो मुसलमान है तो उन्होंने रातों–रात एक कागज पर हस्ताक्षर करके उन सभी को OBC घोषित कर दिया... वहां कांग्रेस ने विद्या और सरकारी नौकरी में पहले जिन OBC लोगों को आरक्षण मिलता था उस OBC समाज में इतने सारे नए लोग डाल दिए कि OBC समाज को जो आरक्षण मिलता था वो उनसे छीन लिया, चोरी–छिपे छीन लिया और मुसलमानों को गैर–कानूनी तरीके से OBC बना दिया था...'

लोस चुनाव... (पेज एक का शेष) बिड़ला कांग्रेस पार्टी के प्रह्लाद गुंजल के खिलाफ मैदान में हैं। जोधपुर सीट से लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने के प्रयास में जुटे केंद्रीय मंत्री शेखावत के सामने कांग्रेस की तरफ करण सिंह उचियारड़ा खड़े हैं। बेंगलुरू दक्षिण से निवर्तमान सांसद एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या का मुकाबला कांग्रेस की सौम्या रेड्डी से होगा। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता भूपेश बघेल 30 साल से अधिक समय से भाजपा का गढ़ रहे राजनांदगांव से चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला भाजपा के संतोष पांडे से है। पांडे ने 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की तरफ से जीत हासिल की थी। रामायण धारावाहिक में भगवान राम का किरदार निभाकर प्रसिद्ध हुए अरुण गोविल मेरठ लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी हैं। उन्हें पार्टी ने तीन बार के सांसद राजेंद्र अग्रवाल की जगह टिकट दिया है। गोविल का मुकाबला बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के देवव्रत कुमार त्यागी और समाजवादी पार्टी (सपा) की सुनीता वर्मा से है। मध्य प्रदेश की टीकमगढ़ सीट से चौथी बार जीत की उम्मीद लगा रहे भाजपा नेता वीरेंद्र कुमार खटीक के सामने कांग्रेस की तरफ से नए चेहरे पंकज अहिरवार मैदान में हैं। वर्ष 2019 में खटीक ने कांग्रेस की किरण अहिरवार को 3.48 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया था। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल 2014 के बाद लोकसभा चुनाव के मैदान में वापसी कर रहे हैं और केरल की अलाप्पुझा सीट से उम्मीदवार है। इस सीट पर जीत हासिल करना कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई बन गया है। वर्ष 2019 के चुनाव में कांग्रेस ने केरल की 20 में से 19 सीट पर जीत हासिल की थी, एक सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने अपने नाम की थी। कांग्रेस इस सीट पर भी जीत हासिल करना चाहती है। वेणुगोपाल अपने राजनीतिक करियर में कोई बड़ा चुनाव नहीं हारे हैं। उन्होंने 1996, 2001 और 2006 में लगातार तीन बार अलाप्पुझा विधानसभा सीट जीती और 2009 और 2014 में अलाप्पुझा से लोकसभा के लिए चुने गए। वर्ष 2019 में, पार्टी द्वारा उन्हें एआईसीसी का महासचिव बनाए जाने के बाद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा।

अखिलेश यादव... (पेज एक का शेष) चुनी गयी थीं। वर्ष 2014 के आम चुनाव में भी डिंपल ने इसी सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि साल 2019 के चुनाव में वह भाजपा के सुब्रत पाठक से पराजित हो गयी थीं। अखिलेश यादव वर्तमान में करहल विधानसभा सीट से विधायक हैं और उप्र विधानसभा में नेता विपक्ष हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में वह करहल सीट से पहली बार विधायक बने थे। कन्नौज में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत आगामी 13 मई को मतदान होगा। इस सीट के लिये नामांकन बृहस्पतिवार 25 अप्रैल को शुरू होंगे।

गर्मी में... (पेज एक का शेष) कहा गया है कि करीब 30 मिनट की स्विमिंग 45 मिनट की कार्डियो एक्सरसाइज के बराबर काम करती है। 1 घंटे की स्विमिंग में करीब 400 कैलोरी बर्न हो सकती हैं। स्विमिंग एक असरदार कार्डियो एक्सरसाइज है, जो हार्ट से लेकर शरीर के ब्लड फ्लो को बेहतर बनाती है।

स्विमिंग करने के फायदे: फुल बॉडी वर्कआउट– स्विमिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे पूरी बॉडी का वर्कआउट होता है। रोजाना तैराकी करने वालों की मसल्स मजबूत होती हैं और बॉडी टोन्ड होती है। स्विमिंग से आप कुछ ही महीनों में वजन कम कर सकते हैं।

हार्ट के लिए हेल्दी– स्विमिंग को कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है जो हार्ट और लंग्स के लिए फायदेमंद होती है। रोजाना स्विमिंग करने से हाई ब्लड प्रेशर को मेंटेन करने में मदद मिलती है।

किसी भी उम्बर के लोग कर सकते हैं– वॉक की तरह स्विमिंग भी एक ऐसी एक्सरसाइज है जिसे किसी भी उम्र के लोग आसानी से कर सकते हैं। स्विमिंग करने में जॉइंट पेन में आराम मिलता है और इससे बॉडी रिलेक्स होती है।

अस्थमा के मरीज के लिए फायदेमंद– लंग्स की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए स्विमिंग अच्छा वर्कआउट है। अगर आपको अच्छा महसूस हो तो आप कुछ देर स्विमिंग कर सकते हैं।

अब केवल... (पेज एक का शेष) सिर्फ आपकी पर्सनल फोटो ही नहीं बल्कि आपके कॉन्टैक्ट भी थर्ड पार्टी ऐप के पास जा रहे हैं। इसका सीधा असर आपकी प्राइवेसी पर पड़ता है। कुछ मिनट बचाने के लिए आप अपनी प्राइवेसी थर्ड पार्टी ऐप के सामने उजागर कर देते हैं। इससे डेटा चोरी होने की संभावना बढ़ जाती है। **फोन को कमांड देकर करवाएं काम:** गूगल असिस्टेंट लगभग सभी एंड्रॉयड स्मार्टफोन में उपलब्ध है। कुछ स्मार्टफोन में आपको इसे एक्टिवेट करना होता है। इस फीचर के जरिए आप अपने पूरे फोन को वॉयस से कंट्रोल कर सकते हैं। **गूगल असिस्टेंट फीचर:** इसके लिए सबसे पहले अपने स्मार्टफोन में दिए गए पावर बटन को दबाएं। पावर बटन से गूगल असिस्टेंट खुल जाता है। इसके बाद स्क्रीन पर गूगल असिस्टेंट शो हो जाएगा, अब आप गूगल असिस्टेंट को Hey Google बोलकर कोई भी कमांड दे सकते हैं। गूगल आपकी रिक्वेस्ट पूरी करेगा। **ऐसे करें इनेबल:** अगर यह काम नहीं करता है तो फोन में गूगल ऐप ओपन करें, अपनी प्रोफाइल के राइट पर क्लिक करें। इसके बाद सेटिंग्स ओपन करें। यहां गूगल असिस्टेंट के ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद Hey Google और Voice Match पर क्लिक करें। अब अपनी वॉयस सेलेक्ट करें और आपका भ्मल Google इनेबल हो जाएगा।

खाने से... (पेज एक का शेष) पानी में रखकर छोड़ना चाहिए? जिसके जवाबों को आप यहां डिटेल में जान सकते हैं–

इतनी देर पानी में भिगोकर खाएं आम : आयुर्वेद एक्सपर्ट खाने से पहले पके आम को 1 से 2 घंटे तक साफ पानी में भिगोकर रखने की सलाह देती हैं. लेकिन यदि समय की कमी हो तो 20–30 मिनट तक आम को पानी में रखने के बाद भी खाया जा सकता है.

क्यों जरूरी है आम को पानी में भिगोना: एक्सपर्ट की मानें तो आम को पानी में भिगोकर रखने से उसमें मौजूद एक्स्ट्रा फाइटिक एसिड हट जाता है. यह एक तरह का एंटी–न्यूट्रिएंट है जो शरीर को कुछ खनिजों जैसे आयरन, जिंक, कैल्शियम और अन्य खनिजों को अवशोषित करने से रोकता है जिससे खनिज की कमी हो सकती है.

पानी में आम भिगोने से ये फायदे भी होते हैं: आम को भिगोकर खाने से मुंहासों, त्वचा की समस्याओं, सिरदर्द, कब्ज और अन्य आंतों की समस्याओं को रोकने में भी मदद मिलती है.

Cooler... (पेज एक का शेष) **जालियां:** जालियों को साफ करें और सुनिश्चित करें कि वे क्षतिग्रस्त नहीं हैं. यदि जालियां बंद या क्षतिग्रस्त हैं, तो हवा का प्रवाह बाधित हो सकता है.

अतिरिक्त टिप्स: कूलर को खुली खिड़की या दरवाजे के पास रखें ताकि गर्म हवा बाहर निकल सके.

पंखे को तेज गति से चलाएं.

पर्दे और खिड़कियों पर गीले कपड़े लटकाएं.

घर के अंदर के तापमान को कम रखने के लिए दिन में पर्दे और खिड़कियां बंद रखें.

बाहर जाते समय लाइट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बंद कर दें. इन आसान टिप्स का पालन करके आप इस गर्मी के मौसम में अपने कूलर से बेहतरीन कूलिंग का आनंद ले सकते हैं.

चंद्रयान–3... (पेज एक का शेष) इंजीनियरिंग, गणित और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के लिए भी रास्ते खोले हैं। उन्होंने कहा, ष्हमें युवा पीढ़ी को आकर्षित करना होगा और उन्हें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में चुनौतियों और कामकाजी माहौल में सुधार के बारे में अवगत कराना होगा। चंद्रमा मिशन की सफलता से वह उत्साह पैदा हुआ है।'' सोमनाथ ने कहा, हम आईटी क्षेत्र में बहुत अच्छी स्थिति में हैं और अग्रणी नियोक्ताओं में से एक बने हुए हैं, और अब हमने इलेक्ट्रॉनिक्स शुरू की है। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को देखते हैं, तो हम शीर्ष की ओर नहीं देख रहे हैं। हम प्रणालियों के आपूर्तिकर्ता हैं। लेकिन हार्डवेयर सिस्टम के निर्माता नहीं हैं, धीरे–धीरे यह हो रहा है।'' उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण से लेकर वैश्विक बाजार की मांगों को पूरा करने के लिए एक मजबूत विनिर्माण आधार स्थापित करने तक इसरो की बढ़ती भूमिका का जिक्र किया। अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सहयोग के संबंध में सोमनाथ ने कहा कि इसरो एक संयुक्त उपग्रह निसार बना रहा है। उन्होंने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन विभिन्न देशों की भागीदारी में तैयार हो रहा है और इसरो इसके लिए यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, जापान, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के साथ गठजोड़ कर रहा है।

कोविड के... (पेज एक का शेष) कि ऐसा क्यों है? मिश्रा ने कहा कि आपदा–रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) द्वारा किए गए शोध से पता चला है कि अवसंरचना घाटे को दूर करने, सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने, शुद्ध–शून्य उत्सर्जन तक पहुंचने और वर्ष 2050 तक जुझारूपन बढ़ाने के लिए 9,200 अरब डॉलर की जरूरत है। उन्होंने कहा, यदि हम अपनी आगामी परियोजना में लचीलापन नहीं लाते हैं तो अवसंरचना घाटे को पूरा करने के लिए जरूरी वित्तपोषण हासिल करना मुश्किल होता जाएगा, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण में। मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को एक विकसित देश बनाने का आह्वान किया है, और वैश्विक दक्षिण के कई अन्य देश भी विकसित देश बनने या तेजी से वृद्धि करने का लक्ष्य तय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत मानता है कि अवसंरचना घाटे की भरपाई करना और ऐसा इस तरह से करना कि सभी नए बुनियादी ढांचे लचीले हों, दोनों काम एक साथ करने हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में देश में बुनियादी ढांचे में किए गए निवेश ने लाखों लोगों के लिए बेहतर आजीविका के अवसर पैदा किए हैं और इस प्रगति को बनाए रखने की जरूरत है।

तिब्बत की निर्वासित सरकार और चीन के बीच पर्दे के पीछे बातचीत, संवाद प्रक्रिया शुरू करना लक्ष्य

धर्मशाला, (भाषा) तिब्बत की निर्वासित सरकार और चीन के बीच पर्दे के पीछे बातचीत चल रही है, जो इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच करीब एक दशक से अधिक समय से बंद संवाद प्रक्रिया फिर से शुरू हो सकती है। तिब्बत में चीन विरोधी प्रदर्शनों और बीजिंग के बौद्ध धर्म के प्रति कट्टर दृष्टिकोण के कारण दोनों पक्षों के बीच औपचारिक वार्ता प्रक्रिया पर पूर्ण विराम लग गया था। तिब्बत की निर्वासित सरकार के सिक्योंग या राजनीतिक प्रमुख पेंपा त्सेरिंग ने अनौपचारिक वार्ता की पुष्टि करते हुए कहा कि उनके (निर्वासित सरकार) वार्ताकार 'बीजिंग में लोगों' के साथ बातचीत कर रहे हैं लेकिन किसी सहमित पर पहुंचने की तत्काल कोई उम्मीद नहीं है। त्सेरिंग ने संवाददाताओं से कहा, ''पिछले वर्ष से हमारे बीच पर्दे के पीछे बातचीत चल रही है। लेकिन हमें इससे तत्काल कोई उम्मीद नहीं है। यह दीर्घकालिक समाधान होना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''बातचीत बेहद अनौपचारिक है।'' केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) के प्रमुख ने कहा, ''हमारे वार्ताकार बीजिंग में लोगों से मिल रहे हैं। वहां (चीन) के भी कुछ लोग हम तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।'' तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के प्रतिनिधियों और चीन की सरकार के बीच 2002 से 2010 तक नौ दौर की बातचीत हुई, जिसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला लेकिन तब से लेकर अब तक कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। तिब्बत सरकार के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने संकेत दिया कि पर्दे के पीछे चल रही बातचीत का उद्देश्य समग्र वार्ता प्रक्रिया को बहाल करना है क्योंकि तिब्बती मुद्दे को हल करने का यही एकमात्र तरीका है। सीटीए नेता ने 2020 में पूर्वी लद्दाख विवाद के बाद नयी दिल्ली और बीजिंग के बीच खराब हुए संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सीमा में चीनी घुसपैठ ने भारत में तिब्बत के मुद्दे को प्रमुखता से रखा है।

उन्होंने कहा, '' सीमा पर चीनी घुसपैठ के साथ ही तिब्बत का मुद्दा भी स्वाभाविक रूप से भारत में उजागर हो गया है।'' त्सेरिंग ने तिब्बत के मुद्दे को लेकर भारत से मिल रहे अधिक समर्थन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, ''आप देख सकते हैं कि भारत की विदेश नीति अब अधिक जीवंत हो रही है। दुनिया भर में भारत का प्रभाव भी बढ़ रहा है। इस लिहाज से हम निश्चित रूप से चाहेंगे कि भारत तिब्बत के मुद्दे के प्रति थोड़ा और मुखर हो।'' वर्ष 1959 में चीन के खिलाफ आंदोलन असफल होने के बाद 14वें दलाई लामा तिब्बत से भागकर भारत आ गए और उन्होंने यहां से निर्वासित सरकार की स्थापना की। चीन की सरकार के अधिकारियों और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच 2010 के बाद से कोई औपचारिक वार्ता नहीं हुई है।

जेईई–मुख्य परीक्षा के परिणाम घोषित, 56 परीक्षार्थियों ने हासिल किया 100 एनटीए स्कोर

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने बुधवार को इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए हुई जेईई–मुख्य परीक्षा के परिणाम घोषित किए, जिसमें 56 परीक्षार्थियों ने पूरा 100 एनटीए स्कोर हासिल किया। ऐसा करने वाले परीक्षार्थियों में सबसे अधिक तेलंगाना से हैं। एनटीए ने कहा कि परीक्षा में अनुचित तरीकों के इस्तेमाल को लेकर 39 परीक्षार्थियों के जेईई–मुख्य परीक्षा देने पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। दस लाख से अधिक परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। तेलंगाना के सर्वाधिक 15, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के सात–सात और दिल्ली के छह परीक्षार्थियों ने पूरा 100 एनटीए स्कोर हासिल किया। परीक्षा असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, डी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में आयोजित की गई थी।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

कांग्रेस का विरासत कर मध्यम, आकांक्षी वर्ग को प्रभावित करेगा : सीतारमण

नयी दिल्ली, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की विरासत कर लगाने की योजना से मध्य वर्ग और आकांक्षी वर्ग प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि अगर विरासत कर लगाया गया, तो ये वर्ग अपनी बचत अपने बच्चों को नहीं दे पाएंगे। सीतारमण ने छत्तीसगढ़ में एक रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण का एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो 'संगठित लूट और वैधानिक लूट' देखने को मिलेगी।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस पार्टी की योजना है– जीवित रहते हुए कर – मरने के बाद कर (विरासत)। मध्य और आकांक्षी वर्ग को प्रभावित करने का लक्ष्य। उनकी बचत या छोटी जोत उनके बच्चों को नहीं दी जाएगी। इसमें लिखा गया है, डॉ एमएमएस (मनमोहन सिंह का हवाला देते हुए) संगठित लूट और वैधानिक लूट एक बार फिर देखी जाएगी। कांग्रेस का कर आतंकवाद। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार को खुद को विरासत कर मुद्दे से अलग करते हुए कहा कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा की टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाया जा रहा है और संदर्भ से हटकर बात की जा रही है। अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा होने के बाद पित्रोदा ने एक्स पर कहा, श्यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका में विरासत कर के बारे में निजी तौर पर मैंने जो कहा, उसे गोदी मीडिया ने तोड़–मरोड़ कर पेश किया है।''

भाषण देने के दौरान मंच पर बेहोश हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, जानिए अब कैसी है तबियत

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान महाराष्ट्र के यवतमाल में एक चुनावी रैली के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की तबियत खराब हो गई और वो मंच पर ही बेहोश हो गए। ऐसा माना जा रहा है कि भीषण गर्मी की वजह से गडकरी को चक्कर आ गया और वो बेहोश हो गए। फिलहाल वह बिलकुल ठीक हैं और अपने स्वास्थ्य के बारे में उन्होंने खुद जानकारी दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर अपने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि पुसद, महाराष्ट्र में रैली के दौरान गर्मी की वजह से असहज महसूस किया। लेकिन अब पूरी तरह से स्वस्थ हूँ और अगली सभा में सम्मिलित होने के लिए वरूड के लिए निकल रहा हूँ। आपके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। गडकरी जब मंच पर असहज होते हुए बेहोश से हो गए तो मंच पर पीछे खड़े लोगों ने उनको तुरंत सहारा बैठाया। ऐसा भी हो सकता है कि गडकरी का शुगर लेवल अनियंत्रित हो गया हो इस वजह से भी चक्कर और बेहोशी आ जाती है। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अबकी बार एनडीए की 400 सीटें पार के नारे को पूरा करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, बीजेपी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ समेत बीजेपी के कई नेता दिन रात भीषण गर्मी की परवाह किए बिना रोजाना दो से तीन रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। ऐसे में थकान का हावी होना लाजिमी है। संभव है गर्मी और थकान के चलते गडकरी को असहज महसूस हुआ हो। गडकरी यहां एनडीए प्रत्याशी राजश्री पाटिल के लिए प्रचार करने आए थे जो एकनाथ शिंदे के धड़े वाली शिवसेना से हैं। नितिन गडकरी की आज यह दूसरी चुनावी रैली थी। इससे पहले बुलढाणा जिले के चिखली में सुबह उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित किया था।

भारतीय आईटी क्षेत्र में लगातार दूसरे साल राजस्व वृद्धि में कमी : क्रिसिल

मुंबई, भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र में लगातार दूसरे साल राजस्व वृद्धि में नरमी देखी जा रही है। एक घरेलू रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को कहा कि यूरोप और अमेरिका में प्रौद्योगिकी मद में खर्च में मामूली वृद्धि हुई है, जिसके कारण घरेलू आईटी सेवा कंपनियों का राजस्व में वृद्धि में नरमी है। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024–25 में यह क्षेत्र 5–7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जबकि वित्त वर्ष 2023–24 में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस उद्योग का कुल आकार 250 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया है और यह 50 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। क्रिसिल के निदेशक आदित्य झावर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में भी प्रौद्योगिकी खर्च में नरमी जारी रहेगी, जिससे आईटी सेवा प्रदाताओं की राजस्व वृद्धि पर असर पड़ेगा। हालांकि, उद्योग का परिचालन लाभ मार्जिन 22–23 प्रतिशत पर स्थिर रहेगा। इसका श्रेय कर्मचारी लागत के विवेकपूर्ण प्रबंधन को दिया जा सकता है। एजेंसी ने कहा कि उच्च ब्याज दरों और ग्राहक बाजारों में आर्थिक नरमी के कारण वित्त वर्ष 2023–24 में बैंक, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई), खुदरा, प्रौद्योगिकी और संचार क्षेत्रों में कंपनियों के प्रौद्योगिकी मद में खर्च में मामूली वृद्धि हुई।

केरल में कांग्रेस, वाम शासन में आतंकवाद को संरक्षण मिला : अमित शाह

अलाप्पुझा (केरल), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने केरल में कांग्रेस और सत्तारूढ़ वाम दल पर बुधवार को जमकर निशाना साधा और उन पर राज्य में आतंकवाद को संरक्षण देने तथा लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए प्रतिबंधित संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) का समर्थन लेने का आरोप लगाया। शाह ने आरोप लगाया कि केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)–नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और कांग्रेस–नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के शासन के दौरान वर्षों से राज्य में आतंकवाद को संरक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य में अल्पसंख्यक वोट–बैंक का समर्थन हासिल करने के लिए वाम दल और कांग्रेस दोनों ने पीएफआई का समर्थन किया। शाह ने आरोप लगाया कि पीएफआई की राजनीतिक शाखा 'सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया' (एसडीपीआई) ने खुलेतौर पर केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ को अपना समर्थन देने की घोषणा की, वहीं एलडीएफ पीएफआई पर प्रतिबंध पर चुप है। शाह ने दावा किया कि कांग्रेस को जमात–ए–इस्लामी हिंद द्वारा समर्थित राजनीतिक संगठन 'वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया' का भी समर्थन प्राप्त है, जबकि वामपंथियों को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) का समर्थन प्राप्त है, जिसका नेतृत्व अब्दुल नजर महदानी करते हैं। महदानी 2008 बेंगलुरु सिलसिलेवार विस्फोट मामले में आरोपी हैं। उन्होंने अलाप्पुझा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन के पक्ष में प्रचार किया। शाह ने चुनावी रैली में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को पीएफआई जैसे संगठनों से बचाने के लिए काम कर रहे हैं।'' उन्होंने 2021 में भाजपा के अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेता रंजीत श्रीनिवासन की उनके घर में हुई हत्या और अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि ये हत्याएं पीएफआई जैसे आतंकवादी समूहों द्वारा की गईं। शाह ने कहा कि जब तक मोदी सरकार सत्ता में है पीएफआई पर प्रतिबंध जारी रहेगा और उसे देश में कहीं से भी संचालन की अनुमति नहीं मिलेगी। उन्होंने वाम दल के घोषणापत्र में देश में सभी परमाणु हथियारों को नष्ट करने संबंधी चुनावी वादे को लेकर भी वाम दल पर हमला किया और कहा कि एलडीएफ नहीं चाहता कि भारत परमाणु शक्ति बने। उन्होंने कहा, ''भारत परमाणु ताकत रहेगा और इसकी राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई खिलावाड़ नहीं होगा।'' शाह ने करोड़ों रुपये के करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का जिक्र करते हुए भी वाम दल पर निशाना साधा। भाजपा नेता ने कांग्रेस पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और केरल के मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसे घोटालों और अन्य भ्रष्टाचार के आरोपों पर चुप रहने का आरोप लगाया। शाह ने कांग्रेस और वाम दल पर भी हमला किया और कहा कि ये दल केरल और पश्चिम बंगाल में एक–दूसरे से लड़ने का दिखावा करते हैं, जबकि देश के अन्य हिस्सों में वे साथ हैं। केन्द्रीय गृहमंत्री ने दावा किया कि दुनिया और भारत में कम्युनिस्ट खत्म हो गए हैं और इसी तरह देश में कांग्रेस का भी पतन हो रहा है। उन्होंने दावा किया, ''यह भाजपा का वक्त है।'' भाजपा नेता ने कहा कि इस बार का लोकसभा चुनाव मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और केरल को हिंसा से मुक्त कराने के लिए है। उन्होंने कहा, ''केवल मोदी ही केरल और भारत की रक्षा कर सकते हैं। केवल वही केरल और भारत में विकास सुनिश्चित कर सकते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि सभी सर्वेक्षणों से संकेत मिल रहे हैं कि पूरा केरल मोदी के साथ है।

लोकसभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय महत्व और विकास के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए : पंकजा

छत्रपति शंभाजीनगर(महाराष्ट्र), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता पंकजा मुंडे ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर केंद्रित होना चाहिए लेकिन उन्हें ऐसा होता नहीं दिख रहा है। भाजपा ने पंकजा को महाराष्ट्र की बीड लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने कहा कि इन चुनावों को बड़े परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। मुंडे ने कहा, ''मैं उम्मीद करता हूं कि लोकसभा चुनाव को व्यापक नजरिए से देखा जाना चाहिए। इस चुनाव में राष्ट्रीय महत्व और विकास के मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से यह मेरे निर्वाचन क्षेत्र में भी नहीं हो रहा है।'' वह बीड के पंगारी गांव में अपने दिवंगत पिता और भाजपा के दिग्गज नेता गोपीनाथ मुंडे के स्मारक 'गोपीनाथगढ़' पर पत्रकारों से बात कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''यह चुनाव भाजपा बनाम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का मुकाबला नहीं है क्योंकि राकांपा के नेता अब हमारे साथ हैं।''राकांपा (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवार के रूप में बीड सीट से चुनाव लड़ रहे बजरंग सोनवणे के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह पहले अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के साथ थे, लेकिन अब विपक्षी खेमे से चुनाव लड़ रहे हैं। बीड सीट पर 13 मई को मतदान होगा। पंकजा की बहन प्रीतम मुंडे दो बार बीड सीट से सांसद रही हैं, लेकिन इस बार भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

बायर ने कृषि आदानों की आपूर्ति के लिए सरकार के सीएससी, ग्राम उन्नति के साथ समझौता किया

नयी दिल्ली, बायर क्रॉपसाइंस ने बुधवार को कहा कि उसने सरकार के कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और कृषि–तकनीक फर्म ग्राम उन्नति के साथ समझौता किया है। यह समझौता भारत में छोटे किसानों को कृषि–आदानों की आपूर्ति सुविधा देने के लिए किया गया है। इस संबंध में समझौता ज्ञापन के तहत छोटे किसानों को सीएससी के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से समय पर फसल सलाह, अच्छी कृषि पद्धतियों की जानकारी और प्रीमियम बायर उत्पादों तक पहुंच मिलेगी। ग्राम उन्नति किसानों को एकजुट करने में मदद करेगी और बाजार संपर्क सुनिश्चित करेगी। एक बयान में कहा गया कि पहले चरण में इस साझेदारी के तहत तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में किसानों की सहायता की जाएगी। सीएससी योजना एक सहयोगी ई–शासन मंच है और डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा है। बायर दक्षिण एशिया के अध्यक्ष, साइमन–थॉर्स्टन विबुश ने कहा, ''भारत सरकार की सीएससी और ग्राम उन्नति के साथ हमारा सहयोग हमें किसानों को सशक्त बनाने के हमारे साझा लक्ष्य को पूरा करने में मदद करेगी।

त्रिपुरा में बिना बिजली वाले दूरदराज के एक गांव में चुनाव है महज खानापूर्ति

चावमानु (त्रिपुरा), (भाषा) त्रिपुरा में धलाई जिले के दूरदराज के गांव विद्या कुमार रोअजा पाड़ा में रहने वाले 'झुमिया' (जगह जगह पर कृषि कार्य करने वाले) बिक्रमजॉय त्रिपुरा ने कहा कि राजनीतिक नेता चुनाव के दौरान उनके गांव में आते हैं और विकास का वादा करते हैं पर कोई वादा पूरा नहीं करते, किंतु इसके बावजूद वह लोकसभा चुनाव में वोट देंगे। धलाई जिला मुख्यालय अंबासा से लगभग 62 किमी दूर स्थित इस गांव की मुख्य समस्या आवागमन एवं संपर्क है, क्योंकि प्रखंड मुख्यालय चावमानु से गांव तक मोटर वाहन के लिए उपयुक्त सड़क नहीं है। उन्होंने इस सुदूरवर्ती गांव का दौरा करने वाले 'पीटीआई–भाषा' के संवाददाता से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि उनके गांव में बिजली, मोबाइल फोन सम्पर्क या स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं नहीं है। बिक्रमजॉय (41) ने कहा, ''लोकसभा चुनाव आ रहा है और हम सभी 26 अप्रैल को मतदान करेंगे, लेकिन यह हमारे लिए पांच साल में एक बार होने वाली खानापूर्ति बनकर रह जाएगा क्योंकि इससे हमारी समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकलेगा।'' स्थानीय भाजपा नेता बिक्रमजीत ने कहा, ''इस गांव में 763 झुमिया परिवार रहते हैं। मानसून के दौरान सभी स्थानांतरित खेती में लगे हुए हैं और राज्य के बाकी हिस्सों से कटे रहते हैं। चावमानु से विद्या कुमार रोअजा पारा (थलचेर्रा) तक की सड़क पिछले कई वर्षों से मरम्मत नहीं होने के कारण मौत के गड्ढे के रूप में तब्दील हो गई है। 11 गांवों में रहने वाले झुमिया परिवारों को राशन लेने के लिए 10 से 20 किमी पैदल यात्रा करनी पड़ती है क्योंकि विद्या कुमार रोअजा पारा से उनके गांवों तक कोई सड़क नहीं है।'' उन्होंने कहा कि गांव के लोगों के पास स्मार्टफोन तो हैं लेकिन वे इसका उपयोग नहीं कर सकते क्योंकि गांव में बिजली नहीं है। मोबाइल चार्ज करने के लिए लोगों को 10–12 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है जो चावमानु प्रखंड मुख्यालय के करीब है। एक बुजुर्ग महिला चार्डेन त्रिपुरा ने अपने पैतृक गांव विद्या कुमार रोअजा पारा (थालचेरा) की इन्हीं समस्याओं को दोहराया। 54 वर्षीय महिला ने कहा, ''हमने अपने विधायक शंभू लाल चकमा को कई महीनों से नहीं देखा है। चुनाव आने पर वह हमसे मिलने आते हैं। उम्मीद है कि वह वोट मांगने के लिए जल्द ही हमारे गांव आएंगे।'' यह गांव पूर्वी त्रिपुरा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। एक दुकानदार हिंदीजॉय त्रिपुरा ने कहा, ''हम 300 रुपये खर्च करके अपना मोबाइल फोन रिचार्ज करते हैं, लेकिन कमजोर मोबाइल 'कनेक्टिविटी' के कारण महीने में मुश्किल से पांच से छह दिन मोबाइल डेटा का उपयोग करते हैं। तत्काल आवश्यकता पर हम मोबाइल सिग्नल प्राप्त करने के लिए पहाड़ियों पर चढ़ जाते हैं।'' गांव में कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं है और एकमात्र स्वास्थ्य सुविधा चावमानु में मौजूद है, जो विद्याकुमार रोअजा पारा और इसके आस–पास की 10 आदिवासी बस्तियों से बहुत दूर है। त्रिपुरा–पूर्व लोकसभा क्षेत्र के मौजूदा सांसद रेबती त्रिपुरा ने कहा कि उन्होंने कई बार केंद्र में ग्रामीणों की ओर से 'सम्पर्क' का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा, ''मैंने केंद्रीय मंत्रियों गिरिराज सिंह और नितिन गडकरी से मुलाकात की और अंबासा से चावमानु और गोविंदाबाड़ी तक संपर्क में सुधार के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की है। यह सच है कि सड़क की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है।''

पटनायक ने चुनाव अभियान की शुरुआत की, 2036 तक ओडिशा को नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लिया

हिंजिली (ओडिशा), बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को लोकसभा व विधानसभा चुनावों के लिए अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की शुरुआत की और 2036 तक ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लिया। पटनायक ने अपने गृह क्षेत्र हिंजिली से चुनाव प्रचार की शुरुआत करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और उन पर राज्य के विकास कार्यों में श्बाधाश डालने का आरोप लगाया। पटनायक ने यहां एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, विकास हमारी पहचान है। हालांकि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी दल इसमें बाधा डाल रहे हैं। श्रीमंदिर परिक्रमा परियोजना हो या एकाम्रा परियोजना या फिर समेली परियोजना विपक्षी दल हर चीज का राजनीतिकरण कर रहे हैं। विपक्ष विकास विरोधी प्रचार में लगा हुआ है। ओडिशा के लोग उनकी असलियत जानते हैं। पटनायक ने कहा कि विकास का विरोध करने वाला कभी सफल नहीं हुआ। उन्होंने जनता से आने वाले 10 वर्षों को ओडिशा का दशक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने बीजद सरकार की प्रमुख विकासात्मक परियोजनाओं का जिक्र किया और 2036 तक ओडिशा को देश का नंबर एक राज्य बनाने का संकल्प लिया। बीजद अध्यक्ष ने कहा कि एक अलग राज्य के रूप में ओडिशा को 2036 में 100 साल पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसलिए आने वाला दशक (2024 से 2034 तक) राज्य के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस अवधि के दौरान राज्य को सभी क्षेत्रों में नंबर एक बनने के लिए अपना आधार मजबूत करना होगा। पटनायक ने अपनी सरकार की परिवर्तनकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि लगभग 70 लाख महिलाएं राज्य में परिवर्तन की वाहक बनी हैं। पटनायक ने कहा, राज्य में किसानों को शून्य ब्याज दर पर ऋण मिल रहा है। ठीक इसी तरह मिशन शक्ति के सदस्यों को अब तक 18 हजार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा चुका है। यह ओडिशा के विकास में एक मील का पत्थर है। बीजद, महिलाओं को उनका हक दिलाने में नंबर एक है।

हरियाणा के गांव में खुदाई में 400 साल पुरानी मूर्तियां मिलीं

गुरुग्राम, हरियाणा में मानेसर के निकट बाघनकी गांव में निर्माण परियोजना के लिए खुदाई के दौरान करीब चार सौ साल पुरानी धातु की तीन मूर्तियां मिली हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि प्राचीन मूर्तियों को कब्जे में ले लिया गया है और मालिक को निर्माण कार्य रोकने के लिए कहा गया है, पुरातत्व विभाग अब यह पता लगाने के लिए आगे खुदाई करेगा कि स्थल पर और मूर्तियां तो नहीं हैं। पुलिस के अनुसार जेसीबी मशीन से एक नए घर की नींव खोदे जाने के दौरान मूर्तियां मिलीं। पुलिस ने बताया कि शुरू में, भूखंड मालिक ने वस्तुओं को छिपाने की कोशिश की और जानकारी छिपाने के लिए जेसीबी चालक को पैसे की पेशकश भी की, हालांकि चालक ने दो दिन बाद बिलासपुर पुलिस को सूचित कर दिया और पुलिस की एक टीम वहां पहुंची। उन्होंने बताया कि खुदाई में भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी की एक–एक मूर्ति और देवी लक्ष्मी व भगवान विष्णु की एक संयुक्त मूर्ति बरामद हुई। बिलासपुर पुलिस ने मूर्तियां पुरातत्व विभाग के उप निदेशक बी. भट्टाचार्य और डॉ. कुश ढेबर को सौंप दीं। पुलिस के अनुसार, ग्रामीण चाहते थे कि मूर्तियां पंचायत को सौंप दी जाएं क्योंकि वे भूखंड पर एक मंदिर बनाना चाहते हैं। हालांकि, पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने उनकी मांग खारिज कर दी। पुरातत्व विभाग के उपनिदेशक ने कहा, "ये मूर्तियां सरकार की संपत्ति हैं और इन पर किसी का व्यक्तिगत अधिकार नहीं हो सकता है।

'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनी तो करोड़ों लखपति बनेंगे, जातीय जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण होगा : राहुल

अमरावती (महाराष्ट्र), फोकस न्यूज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 वर्ष के शासनकाल में 16 लाख करोड़ रुपये की कर्ज माफी के साथ केवल 22–25 लोग अरबपति बने, लेकिन यदि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है तो यह (सरकार) करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगी। गांधी ने महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की कोई ताकत भारत के संविधान को नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि अगर 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आता है तो जातीय जनगणना एवं 'आर्थिक सर्वेक्षण' प्राथमिकता के साथ कराया जाएगा और किसानों का कर्ज भी माफ कर दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने केवल अपने 22 उद्योगपति मित्रों की मदद की और उनका 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया। उन्होंने कहा, ''मोदी ने अपने 22 उद्योगपति मित्रों की मदद की, लेकिन आम आदमी के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने नोटबंदी लागू की और कृषि कानून तथा जीएसटी लाए। उन्होंने अपने 22 उद्योगपति मित्रों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीबों, छात्रों और किसानों का कितना कर्ज माफ किया?'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्ष के शासनकाल में 22–25 लोग अरबपति बने, लेकिन यदि 'इंडिया' गठबंधन सरकार में आता है तो करोड़ों लोगों को लखपति बनाएगा।'' विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में किए गए विभिन्न वादों में 'महालक्ष्मी योजना' और प्रशिक्षुता के अधिकार को सूचीबद्ध किया है।

उन्होंने कहा कि 'महालक्ष्मी योजना' का उद्देश्य गरीब महिलाओं को हर साल एक लाख रुपये प्रदान करना है, वहीं प्रशिक्षुता का अधिकार प्रदान करने का उद्देश्य स्नातक और डिप्लोमा धारकों को प्रशिक्षु के रूप में एक साल की नौकरी पाने में सक्षम बनाना और उनके बैंक खातों में एक लाख रुपये डालना है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से देश का चेहरा बदल जाएगा और करोड़ों लोगों को लखपति बनाया जाएगा। गांधी ने कहा कि एक साल की प्रशिक्षुता के समाप्त होने के बाद भारत में एक कुशल और प्रशिक्षित कार्यबल होगा। वायनाड से सांसद गांधी ने दावा किया कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है, क्योंकि वह नहीं चाहती कि देश की 90 प्रतिशत आबादी को उनकी वास्तविक क्षमता पता चले, जिनमें पिछड़े, आदिवासी, दलित और अल्पसंख्यक शामिल हैं। संविधान को 'गरीबों की आवाज' बताते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''दुनिया की कोई भी ताकत संविधान को नहीं बदल सकती। हैरानी होती है कि भाजपा को ऐसा करने के बारे में सोचने का हौसला भी कहां से मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''संविधान केवल एक किताब नहीं है, बल्कि गरीबों का हथियार है।'' गांधी ने यह दावा भी किया कि 22 से 25 लोग संविधान को तबाह करने में मोदी की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनती है तो किसानों की कर्ज माफी पर फैसले के लिए एक आयोग बनाया जाएगा। गांधी ने कहा, ''देश में धन की कोई कमी नहीं है। अगर अमीरों का कर्ज माफ किया जाता है तो किसानों और गरीबों के लिए भी यही नियम लागू होना चाहिए। मैं केवल न्याय के लिए कह रहा हूं।'' उन्होंने भाजपा को घेरते हुए आरोप लगाया कि देश के इतिहास में पहली बार हो रहा है कि कोई राजनीतिक दल संविधान को समाप्त करने की कोशिश कर रहा है। गांधी ने कहा, ''विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' संविधान को बचाने के लिए काम कर रहा है जबकि मोदी, भाजपा और आरएसएस संविधान तथा लोकतंत्र को समाप्त करने के लिए काम कर रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और नए संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित नहीं किया। गांधी ने कहा कि यदि कांग्रेस सरकार में आती है तो आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन दोगुना कर दिया जाएगा और सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

उपग्रह–संचार के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन पर ट्राई की राय मांगेगा दूरसंचार विभाग

नयी दिल्ली, दूरसंचार विभाग श्सबके लिए निष्पक्षश उपग्रह–संचार सेवाएं सुनिश्चित करने को स्पेक्ट्रम आवंटन की शर्तों पर जल्द ही दूरसंचार नियामक ट्राई से सलाह लेगा। एक सरकारी सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस पूरी कवायद का मकसद उपग्रह–आधारित संचार के संदर्भ में सभी को समान अवसर सुनिश्चित करना है। सूत्र ने कहा कि इस समय दूरसंचार विभाग स्पेक्ट्रम आवंटन की संदर्भ शर्तों पर काम कर रहा है। इसमें सुरक्षा के लिहाज से अनुकूल रेडियो फ्रीक्वेंसी, मूल्य निर्धारण और लाइसेंस की शर्तें जैसे पहलू शामिल होंगे। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने छह अप्रैल, 2023 को अंतरिक्ष आधारित संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के आवंटनश पर एक परामर्श पत्र जारी किया था। बाद में नए दूरसंचार अधिनियम की घोषणा के बाद इस मामले को दूरसंचार विभाग को वापस कर दिया था। आधिकारिक सूत्र ने कहा, हमने साफ तौर पर कहा है कि ट्राई स्पष्ट, खुले और पारदर्शी तरीके से खुली चर्चा एवं परामर्श करेगा और एक ऐसे मूल्य निर्धारण या व्यवस्था पर पहुंचेगा, जो पारदर्शी और सबके लिए निष्पक्ष होगी। सूत्र ने कहा कि ऐसे स्पेक्ट्रम का आवंटन तब होगा, जब ट्राई मूल्य निर्धारण पर अपने विचार देगा। उन्होंने कहा, परामर्श की नयी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हमने ट्राई के लिए अपना संदर्भ लगभग तैयार कर लिया है, जो कुछ हफ्तों में जारी हो जाएगा। उपग्रह संचार प्रौद्योगिकी (सैटकॉम) सेवा प्रदाताओं को दूरदराज के क्षेत्रों या कठिन इलाकों में इंटरनेट संपर्क सुनिश्चित करने में सक्षम बनाती है। भारती समूह समर्थित वनवेब, रिलायंस समूह का जियो सैटकॉम और एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे उद्यम भारत में इन सेवाओं की पेशकश करने के इच्छुक हैं।

केकेआर में मुझे ज्यादा मार्गदर्शन नहीं मिलता था लेकिन अब परिपक्व हो गया हूं: कुलदीप

नयी दिल्ली, भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा थे तब उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आयी थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जुड़ने के बाद इस गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ राष्ट्रीय टीम के लिए भी शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली की टीम से जुड़ने के बाद कुलदीप ने 33 मैचों में 41 विकेट चटकाये है। कुलदीप बताया कि 2020 में घुटने की ऑपरेशन के बाद कोच कपिल पांडे की देखरेख में अभ्यास करते हुए उन्होंने नये कौशल विकसित किये जिसका फायदा मिला। कुलदीप ने कहा, '' मैं जब केकेआर में था तब मुझे मार्गदर्शन की जरूरत थी लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं है। अब मैं अपनी समझ से चीजें नियंत्रित करता हूं। माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनी) ने 2019 के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना छोड़ दिया था और उसके बाद मुझे मार्गदर्शन की जरूरत महसूस हुई। अब अनुभव के साथ मैं चीजों को बेहतर तरीके से समझने लगा हूं।'' उन्होंने कहा,''''मुझे अब भी केकेआर (2016–2020 तक) में अपने समय पर पछतावा है और मुझे लगता है कि मैं अब जो कुछ भी कर रहा हूं, काश मैं इसे पहले ही कर पाता।'' उन्होंने यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, ''मुझे अब भी दुख होता है कि अगर मैंने उस समय उन कौशलों पर काम किया होता, तो मैं और भी अधिक प्रभावी हो सकता था।''

भारतीय एथलीट एशियाई अंडर–20 प्रतियोगिता में अपनी क्षमता दिखाने के लिए तैयार

दुबई, (भाषा) प्रतिभाशाली एथलीट सिद्धार्थ चौधरी और मध्यम दूरी की धाविका लक्षिता सैंडिलिया बुधवार से यहां शुरू हो रही एशियाई अंडर–20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में अपने गोला फेंक और 1500 मीटर खिताब का बचाव करने की कोशिश करेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने एशियाई अंडर–20 प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 31 पुरुषों सहित 60 सदस्यीय टीम का चयन किया है। एशियाई अंडर–20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप से खिलाड़ियों को पेरू के लीमा में 27–31 अगस्त को होने वाली विश्व अंडर–20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप का टिकट पक्का करने का मौका मिलेगा।कोरिया के येचिओन में एशियाई अंडर–20 प्रतियोगिता के पिछले सत्र (2023) में भारतीय दल ने छह स्वर्ण सहित 19 पदक जीते थे। भारतीय टीम ने सात रजत और छह कांस्य पदक भी जीते थे। टीम तालिका में जापान और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रही थी। जूनियर एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच एन रमेश को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी दुबई में पिछले आयोजन से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कोच ने कहा, ''पिछले साल पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले टीम ने कांस्य पदक जीता था जबकि चार गुणा 400 मीटर टीम ने रजत पदक जीता था। इस बार हमारे पास दोनों रिले में स्वर्ण पदक जीतने की अच्छी संभावना है।''

एशियाई अंडर–20 एथलेटिक्स में दीपांशु ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण, अन्य भारतीयों ने भी बिखेरी चमक

नयी दिल्ली, दीपांशु शर्मा ने बुधवार को दुबई में 21वीं एशियाई अंडर 20 एथलेटिक्स चौंपियनशिप के शुरुआती दिन अच्छा प्रदर्शन करते हुए पुरुष भाला फेंक में स्वर्ण पदक हासिल किया। दीपांशु ने 70.29 मीटर की दूरी के साथ शीर्ष पुरस्कार जीता, जबकि रोहन यादव ने 70.03 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक अपने नाम किया। पुरुषों की 1500 मीटर में प्रियांशु ने तीन मिनट 50.85 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता। सुबह के सत्र में रितिक ने पुरुषों चक्का फेंक में रजत पदक जीता, जबकि प्राची अंकुश देवकर महिलाओं की 3000 मीटर में कांस्य पदक जीतने से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। रितिक ने चक्का फेंक में 53.01 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण कतर के जिब्राइन ए. अहमत (54.80 मीटर) को मिला। सऊदी अरब के हसन मुबारक अलहसाई ने 50.41 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के मध्यम दूरी और फर्राटा धावकों अच्छी शुरुआत की। भारतीय धावक शुरुआती दिन अपनी–अपनी हीट में सफल रहे। महिलाओं की 800 मीटर में लक्षिता विनोद सैंडलिया और तन्वी मलिक पदक चरण के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहीं। अनुष्का दत्तात्रेय कुंभार और संगीता डोडला ने महिलाओं की 400 मीटर में पदक चरण में प्रवेश किया। पुरुषों की 400 मीटर हीट में अमन चौधरी ने अपनी हीट में शीर्ष पर रहते हुए पदक चरण में प्रवेश किया। भारतीय महिला एथलीट जयाविंधिया जेगादीश और श्रिया राजेश भी 400 मीटर बाधा दौड़ में पदक चरण में पहुंच गईं।

आईएसएल सेमीफाइनल : मुंबई सिटी एफसी ने एफसी गोवा के जबड़े से जीत छीनी

फातोर्दा, (भाषा) मुंबई सिटी एफसी ने दो गोल से पिछड़ने के बाद आखिरी सात मिनटों मे तीन गोल कर इंडियन सुपर लीग फुटबॉल के पहले चरण के सेमीफाइनल मैच में बुधवार को यहां एफसी गोवा को 3–2 से शिकस्त दी। गोवा के घरेलू मैदान पर मुम्बई सिटी 90वें मिनट तक दो गोल से पिछड़ रही थी लेकिन लालियानजुआला छांगटे ने 90वें और 90+6वें जबकि विंगर विक्रम प्रताप सिंह ने 90+1वें मिनट में गोल करके पूरी बाजी पलट दी। छांगटे को दो गोल करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच का पहला गोल 16वें मिनट में आया, जब बोरिस सिंह ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिला दी। कप्तान ब्रैंडन फर्नांडीस ने 56वें मिनट में गोवा की बढ़त दोगुनी कर दी। जब लग रहा था कि टीम आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही है तब मुंबई सिटी ने पलक झपकते ही मैच का पासा पलट दिया। इस सेमीफाइनल मुकाबले का दूसरा चरण मंबई में सोमवार को खेला जायेगा।

नडाल ने कहा, मैड्रिड ओपन से पहले शत प्रतिशत फिट नहीं

मैड्रिड, (एपी) बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चौम्पियन राफेल नडाल पूरी तरह से फिट नहीं हैं लेकिन इसके बावजूद वह मैड्रिड ओपन में खेलेंगे। वह इस महीने के अंत में फ्रेंच ओपन की तैयारी के लिए और इसमें खेलने के लिए ज्यादा सकारात्मक नहीं दिखते जिसमें वह 14 बार के चौम्पियन हैं। नडाल ने बुधवार को कहा कि वह पेरिस में नहीं खेलेंगे अगर उन्हें वैसा ही अहसास होता है जो इस हफ्ते मैड्रिड में खेलने से पहले हो रहा है। 37 साल के नडाल ने कहा, ''इस हफ्ते इतना अच्छा महसूस नहीं कर रहा हूं, अगर यह मैड्रिड नहीं होता तो शायद मैं नहीं खेलता। लेकिन इसमें काफी सारी भावनायें जुड़ी हुई हैं। ''उन्होंने कहा, ''मैं नहीं जानता कि अगले तीन हफ्तों में क्या होने वाला है। मैं कोशिश करता रहूंगा और पेरिस में खेलने के लिए जिन चीजों की जरूरत है, वैसा ही कर रहा हूं। अगर यह संभव है तो वो भी संभव है। अगर नहीं तो नहीं। मैं आज जैसा महसूस कर रहा हूं, अगर वैसा ही पेरिस से पहले करूंगा तो मैं नहीं खेलूंगा। इस अहसास को देखते हुए अगर यह पेरिस होता तो मैं नहीं खेलता।

तीरंदाजी विश्व कप : भारतीय पुरुष, महिला कंपाउंड टीमों की नजरें स्वर्ण पदक पर

शंघाई, (भाषा) भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने बुधवार को यहां सत्र के शुरुआती तीरंदाजी विश्व कप में फाइनल में जगह बनाकर देश का पदक पक्का कर दिया। अनुभवी अभिषेक वर्मा, उभरते हुए तीरंदाज प्रथमेश भालचंद्र फुगे और मौजूदा अंडर–21 विश्व चौंपियन प्रियांश की चौथी वरीयता प्राप्त पुरुष टीम ने फिलीपींस और डेनमार्क को शिकस्त देने के बाद सेमीफाइनल में कोरिया की मजबूत चुनौती को खत्म की। भारतीय पुरुष टीम के सामने शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल में नीदरलैंड की चुनौती होगी। महिला वर्ग में मौजूद विश्व चौम्पियन भारत ने तुर्की और एस्तोनिया को शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के सामने फाइनल में इटली की चुनौती होगी। मौजूदा अंडर–18 और सीनियर चौंपियन अदिति स्वामी, एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नम और परनीत कौर की तिकड़ी ने अपने शुरुआती दो मैचों में सिर्फ 10 अंक गंवाये। भारतीय पुरुष टीम ने करीबी मुकाबले में कोरिया को 235–233 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। इस मुकाबले के शुरुआती दो दौर के बाद दोनों टीमें बराबरी पर थी लेकिन भारत ने 59 के स्कोर के साथ कोरिया को पछाड़ा। सेमीफाइनल में रोमांचक जीत के बाद अभिषेक ने कहा, '' आज हमारा समन्वय अच्छा था और हमने हवा को अच्छी तरह से भांप कर उसका सही इस्तेमाल किया। उन्होने कहा, ''सेमीफाइनल हमेशा कड़ा मुकाबला होता है। हमने अच्छी तैयारी की थी और इस बात की खुशी है कि हम फाइनल में पहुंचने में सफल रहे।''
एस्टोनिया को 235–230 के अंतर से हराने के बाद अदिति ने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि हम पिछले साल पेरिस में विश्व कप की सफलता को दोहरा सकते हैं जहां भारतीय पुरुषों और महिलाओं दोनों ने टीम स्वर्ण पदक जीते थे।'' कजाखिस्तान की महिला टीम और कोरिया की पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता।

पंजाब किंग्स के सामने केकेआर के गेंदबाजों पर रहेंगी नजरें

कोलकाता, खराब फॉर्म से जूझ रही पंजाब किंग्स के सामने इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों खासकर 30 लाख डॉलर में खरीदे गए मिचेल स्टार्क पर प्रदर्शन में सुधार का दबाव रहेगा । केकेआर फिलहाल दस अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है जबकि राजस्थान रॉयल्स 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है । केकेआर को अब तक सफलता उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के दम पर मिली है । पंजाब किंग्स के रूप में उसके सामने अब कमजोर प्रतिद्वंद्वी है जो शशांक सिंह और आशुतोष शर्मा के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद अच्छा नहीं खेल सकी है । प्लेआफ की दौड़ से पंजाब लगभग बाहर ही है । केकेआर के लिये शीर्षक्रम पर सुनील नारायण (176 . 54 की स्ट्राइक रेट से 286 रन) और फिल साल्ट (169 . 38 की औसत से 249 रन) ने शानदार प्रदर्शन किया है । आंद्रे रसेल (184 . 52 की स्ट्राइक रेट से 155 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (126 की स्ट्राइक रेट से 190 रन) ने भी रन बनाये हैं । रिंकू सिंह ने टूर्नामेंट में सात मैचों में 67 गेंदें ही खेली है और 160 के करीब रन बना लिये हैं । अय्यर को छोड़कर सभी विशेषज्ञ बल्लेबाजों ने 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं जिसकी वजह से शाहरूख खान की टीम सात मैचों में चार बार 200 से अधिक का स्कोर बना सकी है । वेंकटेश अय्यर की एकमात्र बल्लेबाज हैं जो खराब फार्म में हैं जबकि ऊंगली में फ्रेक्चर के कारण बाहर नीतिश राणा की गैर मौजूदगी से टीम के स्पिन के महारथी बल्लेबाज और उपयोगी आफ ब्रेक गेंदबाज की कमी खल रही है । गेंदबाजी में सिर्फ नारायण ही अनुशासित प्रदर्शन कर सके हैं । उनका इकॉनॉमी रेट सात के इर्द गिर्द रहा है जो 'इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम' के इस दौर में काफी प्रभावी है । वैसे अब नारायण भी पिछले मैच में महंगे साबित हुए हैं ।रजत पाटीदार ने उन्हें एक ओवर में दो छक्के लगाये और अब पंजाब के पास फॉर्म में चल रहे दो बल्लेबाज शशांक और आशुतोष हैं । दूसरी ओर स्टार्क 11 . 48 की इकॉनॉमी रेट से रन लुटा रहे हैं और उन्हें छह ही विकेट मिल सके हैं । उन्हें 24 करोड़ 75 लाख रूपये में खरीदा गया था और अब उन पर इस रकम के साथ न्याय करने का दबाव होगा । स्टार्क की तुलना में हर्षित राणा (9 . 25 की इकॉनॉमी से नौ विकेट) और वैभव अरोड़ा (9 . 57 की इकॉनॉमी से सात विकेट) जैसे घरेलू गेंदबाज बेहतर साबित हुए हैं ।

सीए का केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बावजूद आस्ट्रेलिया के लिए खेलने को बेताब हैं मार्कस स्टोइनिस

चेन्नई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) का 2024–25 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध नहीं मिलने के बावजूद आल राउंडर मार्कस स्टोइनिस चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बने शतक का इस्तेमाल अपने सफेद गेंद के करियर को आगामी टी20 विश्व कप से आगे बढ़ाने के लिए करना चाहते हैं। स्टोइनिस को आस्ट्रेलिया की 23 सदस्यीय खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 63 गेंद में नाबाद 124 रन की पारी खेली। स्टोइनिस सीए अनुबंध से बाहर किये जाने को इतनी तवज्जो नहीं देते हैं जिसकी घोषणा 28 मार्च को की गयी थी। स्टोइनिस ने चेन्नई सुपर किंग्स पर मिली छह विकेट की जीत के बाद कहा, ''मेरे आस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड के साथ अच्छे रिश्ते हैं। मुझे अनुबंध नहीं मिलने की बात पता थी। '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ियों को मौका देना और उन्हें मेरी जगह लेने देने के लिए मौका देना अच्छी बात है। अनुबंध सूची में मेरी जगह देने से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। '' लेकिन यह 34 साल का खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के साथ अपने करियर में कोई बदलाव नहीं चाहता। उन्होंने कहा, ''लेकिन जहां तक खेलने की बात है तो निश्चित रूप से मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि मैं टीम में रहूं और इसलिये ही यह टूर्नामेंट (आईपीएल) हमारे लिए और विशेषकर मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है इसलिये मैं इसे इतना पसंद करता हूं। '' पर्थ में जन्में स्टोइनिस को जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ आस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर कर दिया गया लेकिन वह जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में देश के टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप अभियान का हिस्सा बनने को तैयार हैं। स्टोइनिस को टी20 विश्व कप के दौरान आस्ट्रेलियाई टीम में पांचवें स्थान पर खिलाये जाने की संभावना है। स्टोइनिस टूर्नामेंट के लिए आस्ट्रेलियाई चयन के लिए योग्य होंगे क्योंकि उनका 2023–24 सत्र के लिए मौजूदा अनुबंध 30 जून तक ही चलेगा। स्टोइनिस काफी स्पष्ट थे कि वह सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ और नवंबर में घरेलू मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया के लिए खेलना चाहते थे। स्टोइनिस के साथ एशटन एगर, एंड्रयू टाय और जेसन बेहरेनडोर्फ ने हाल में पश्चिम आस्ट्रेलिया का अनुबंध ठुकरा कर 'फ्रीलांस' खेलने का फैसला किया था।

भारतीय–अमेरिकी भाविनी पटेल पेनसिल्वेनिया में डेमोक्रेटिक पार्टी की 'प्राइमरी' में हारीं

वाशिंगटन, (भाषा) भारतीय अमेरिकी भाविनी पटेल मंगलवार रात पेनसिल्वेनिया से डेमोक्रेटिक पार्टी की 'प्राइमरी' में हार गईं। मौजूदा सांसद समर ली को 12वें 'कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट' पेनसिल्वेनिया की प्राइमरी में विजेता घोषित किया गया। ली को 59 प्रतिशत वोट मिले, वहीं पटेल को 41 प्रतिशत वोट से संतोष करना पड़ा। राष्ट्रपति जो बाइडन और रिपब्लिकन पार्टी से उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप दोनों ने उम्मीद के अनुरूप 'प्राइमरी' चुनाव जीते। बाइडन को डेमोक्रेट्स से 94 फीसदी वोट मिले। पटेल (30) बाइडन की समर्थक हैं, जबकि ली राष्ट्रपति की मुखर आलोचक हैं और उन्होंने इजराइल के खिलाफ युद्ध में फलस्तीन का समर्थन किया है। चुनाव परिणाम आने के बाद पिट्सबर्ग पोस्ट–गज़ेट ने कहा, ''मंगलवार की उनकी (पटेल) हार यह दिखाती है कि ली जैसी प्रगतिशील उम्मीदवार अब भी पिट्सबर्ग पर अपना वर्चस्व कायम कर सकती हैं...।'' मूल रूप से भारत के गुजरात से ताल्लुक रखने वाली पटेल की मां प्रवासी के तौर पर अमेरिका आई थीं।

पूर्व पहलवान नरसिंह यादव डब्ल्यूएफआई एथलीट पैनल के अध्यक्ष चुने गये

वाराणसी, राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता नरसिंह पंचम यादव बुधवार को यहां भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के एथलीट आयोग का अध्यक्ष चुना गया जिससे खेल की विश्व संचालन संस्था द्वारा अनिवार्य की गयी प्रक्रिया भी पूरी हो गयी। आयोग के सात स्थानों के लिए कुल आठ दावेदार दौड़ में थे और मतदान के बाद सात सदस्यों को चुना गया। इसके बाद उन्होंने आयोग के अध्यक्ष पद के लिए नरसिंह को चुना। 2016 ओलंपिक से पहले टीम के सदस्य नरसिंह सुर्खियों में आ गये थे जब ओलंपिक पदक विजेता सुशील कुमार ने उनके खिलाफ एक ट्रायल मुकाबले का अनुरोध किया था जबकि वह चोट के कारण क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में नहीं खेल पाये थे। सुशील ने दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उनकी अपील खारिज होने के बाद पुष्टि हो गयी कि नरसिंह ही रियो ओलंपिक जायेंगे। लेकिन हैरानी की बात रही कि नरसिंह ओलंपिक से पहले करायी गयी दो डोप जांच में विफल हो गये थे जिससे खेल पंचाट ने उन्हें चार साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। हालांकि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने उन्हें यह कहते हुए पाक साफ करार कर दिया था कि वह साजिश के कारण डोप जांच में पॉजिटिव आये थे। खेल पंचाट का फैसला नरसिंह के शुरूआती मुकाबले से एक दिन पहले ही आया था जिससे वह रियो से बिना खेले ही वापस लौट आये थे। उनका प्रतिबंध जुलाई 2020 को खत्म हुआ और उन्होंने कहा कि था कि यह घटनाक्रम साजिश का हिस्सा था। एथलीट आयोग के लिए चुने गये अन्य सदस्य साहिल (दिल्ली), स्मिता ए एस (केरल), भारतीय भाघेई (उत्तर प्रदेश), खुशबू एस पवार (गुजरात), निक्की (हरियाणा) और श्वेता दुबे (बंगाल) हैं। खेल की अंतरराष्ट्रीय संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने डब्ल्यूएआई का निलंबन हटाते हुए कहा था कि संजय सिंह की अगुआई वाली राष्ट्रीय महासंघ के लिए पहलवानों की शिकायतों को निपटाने के लिए एथलीट आयोग गठित करना अनिवार्य होगा।

आईसीसी ने उसेन बोल्ट को टी20 विश्व कप का दूत नियुक्त किया

दुबई, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान धावक उसेन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप का ब्रांड दूत नियुक्त किया। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी। बोल्ट के नाम वर्तमान में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर में क्रमशः 9.58 सेकंड, 19.19 सेकंड और 36.84 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड हैं। बोल्ट विश्व कप के अपने देश आने और अपनी नयी भूमिका को लेकर उत्साहित है। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में बोल्ट ने कहा, ''मैं आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का दूत बनकर रोमांचित हूं। कैरेबियाई देशों क्रिकेट जीवन का एक हिस्सा है, इस खेल के लिए हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहा है।'' बोल्ट ने कहा कि क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार ढूंढना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा, ''मैं विश्व कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस खेल को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाजार है।'' उन्होंने कहा, ''टी20 विश्व कप के लिए हम जो ऊर्जा लाएंगे वह 2028 में एलए ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका बनायेगा।'' विश्व कप के दूत के तौर पर बोल्ट इस आयोजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह दिग्गज कलाकार सीन पॉल और कीस के साथ कार्यक्रम के आधिकारिक गीत के रिलीज में एक 'कैमियो' के साथ होगी।'' आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ''उसैन बोल्ट एक वैश्विक आइकन हैं, हम उन्हें टी20 विश्व कप के लिए राजदूत के रूप में शामिल करके रोमांचित हैं। क्रिकेट के प्रति उनका जुनून जगजाहिर है, जो उन्हें इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है।''

एएसबीसी एशियाई अंडर–22, युवा चौम्पियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी मुक्केबाज प्रीति

नयी दिल्ली, (भाषा) पेरिस ओलंपिक जाने वाली टीम की सदस्य मुक्केबाज प्रीति पवार 27 अप्रैल से कजाखस्तान के अस्ताना में शुरू होने वाली एएसबीसी एशियाई अंडर–22 और युवा मुक्केबाजी चौम्पियनशिप में 50 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुआई करेंगी। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने 54 किग्रा वजन वर्ग में पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था। 20 वर्षीय मुक्केबाज प्रीति के साथ अंडर–22 प्रतियोगिता में पूर्व युवा विश्व चौम्पियन और 2022 एशियाई एलीट मुक्केबाजी चौम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता अलफिया पठान (81 किग्रा) भी हिस्सा लेंगी। अंडर–22 और युवा प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में 25–25 भारतीय मुक्केबाज हिस्सा लेंगे। मुक्केबाजों का चयन ट्रायल्स में हुए शानदार प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कलिता ने कहा, ''पूरे देश से कड़े प्रतिस्पर्धी ट्रायल्स के जरिये मुक्केबाजों का चयन किया गया है। टूर्नामेंट इन युवा मुक्केबाजों के लिए अपना कौशल दिखाने और अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल करने का शानदार मौका है क्योंकि ये एशिया के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में से एक हैं। '' युवा महिला वर्ग में मौजूदा जूनियर विश्व चौम्पियन निशा (52 किग्रा) और आकांक्षा (70 किग्रा) देश की चुनौती की अगुआई करेंगी।

ईसीआईएल व बीईएल ने वोटिंग मशीन, वीवीपैट के कल–पुर्जों के निर्माताओं के नाम बताने से इनकार किया

नयी दिल्ली, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने ईवीएम और वीवीपैट के विभिन्न कल–पुर्जों के निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं के नाम और संपर्क विवरण का खुलासा करने से इनकार कर दिया है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत एक कार्यकर्ता ने इस संबंध में सवाल किया था और सार्वजनिक क्षेत्र के इन उपक्रमों ने आरटीआई कानून के तहत ''व्यावसायिक विश्वास'' का हवाला देते हुए जानकारी देने से इनकार कर दिया। कार्यकर्ता वेंकटेश नायक ने इन कंपनियों के पास एक समान आवेदन दायर किया था। इस आवेदन में वेंकटेश ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और मतदाता–सत्यापन पर्ची (वीवीपैट) के निर्माण में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों के निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं का विवरण मांगा था। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ईसीआईएल और बीईएल रक्षा मंत्रालय के तहत आते हैं। दोनों उपक्रम निर्वाचन आयोग के लिए ईवीएम और वीवीपैट का निर्माण करते हैं। नायक ने दोनों सार्वजनिक उपक्रमों से कल–पुर्जों के खरीद आदेश की एक प्रति भी मांगी थी। बीईएल ने अपने जवाब में आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)(डी) का हवाला देते हुए कहा कि मांगी गई सूचना ''वाणिज्यिक विश्वास'' से जुड़ी है, इसलिए इसे प्रदान नहीं किया जा सकता। ईसीआईएल ने भी इसी तरह की प्रतिक्रिया भेजी, जिसमें कहा गया है कि विवरण का खुलासा करने से ईसीआईएल की प्रतिस्पर्धी स्थिति प्रभावित होगी। वेंकटेश नायक ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे करीब एक अरब मतदाताओं के सूचना के अधिकार के विपरीत किसके हितों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। ईसीआईएल ने कहा कि खरीद आदेशों के खुलासे से घटकों के डिजाइन का पता चल जाएगा और इससे खतरा पैदा हो सकता है। ईसीआईएल ने आरटीआई ऑनलाइन पोर्टल पर अपने जवाब की एक हस्ताक्षरित प्रति भी अपलोड नहीं की।

सभी कार्य आवंटित होने पर निर्भर करती है बुलेट ट्रेन परियोजना पूरी होने की तारीख : रेलवे

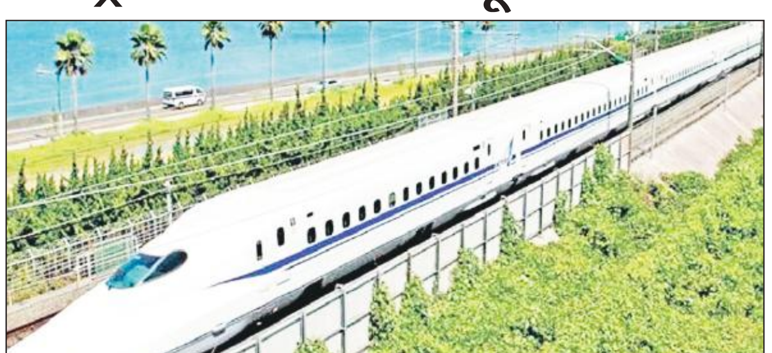

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय रेलवे देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के पूर्ण होने की तारीख का आकलन नहीं कर पा रहा है, क्योंकि उसके सभी कार्यों का आवंटन अभी नहीं किया गया है। बुलेट ट्रेन के 508 किलोमीटर लंबे गलियारे का निर्माण कर रहे 'नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड' (एनएचएसआरसीएल) ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश निवासी चंद्रशेखर गौर ने आरटीआई अर्जी के माध्यम से रेलवे से जानना चाहा था कि क्या एनएचएसआरसीएल संपूर्ण परियोजना के पूरी होने की अंतिम तारीख बताने की स्थिति में है। इस पर एनएचएसआरसीएल ने जवाब में कहा, ''मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के पूरी होने की तारीख का आकलन सभी निविदाएं/पैकेज आवंटित होने के बाद किया जा सकता है।'' परियोजना की शुरुआत 2017 में की गई थी और शुरुआत में इसके दिसंबर 2023 तक पूरे होने का अनुमान लगाया गया था लेकिन भूमि अधिग्रहण के मुद्दे और कोविड महामारी ने इसकी प्रगति को धीमा कर दिया। रेल मंत्रालय ने परियोजना के पहले चरण में सूरत से बिलीमोरा के बीच 50 किलोमीटर पट्टी पर काम अगस्त 2026 तक पूरा होने की आधिकारिक घोषणा की है। उसने जनवरी 2024 में यह घोषणा भी की थी कि परियोजना के लिए शत–प्रतिशत भूमि अधिग्रहण हो चुका है। एनएचएसआरसीएल ने आरटीआई आवेदन के उत्तर में यह भी कहा कि अभी तक रेल पटरियां नहीं बिछाई गई हैं, हालांकि छह अप्रैल, 2024 तक कुल 157 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 'वायडक्ट' (सेतु) बनाने का काम पूरा हो गया है। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना के कॉरिडोर पर कामकाज की प्रगति की जानकारी देते हुए गत 28 मार्च को 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि 295.5 किलोमीटर 'पियर' और 153 किलोमीटर 'वायडक्ट' बनाने का काम पूरा हो गया है। परियोजना से जुड़े एक विशेषज्ञ ने बताया, ''पियर जमीन पर खड़े किए गए बड़े खंभे हैं। इन पर गर्डर रखकर वायडक्ट बनाया जाता है।''

आम चुनाव के दूसरे चरण की आठ लोकसभा सीटों के लिए उप्र में चुनाव प्रचार समाप्त

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार बुधवार शाम छह बजे समाप्त हो गया। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इन आठ लोकसभा क्षेत्रों में मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले यानी 24 अप्रैल की शाम छह बजे से राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों द्वारा चुनाव प्रचार संबंधी गतिविधियों को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार की अवधि समाप्त होने के बाद सभी राजनीतिक दलों के बाहरी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की मौजूदगी पर भी प्रतिबंध रहेगा।अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की जिन सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा, उनमें अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा शामिल है । उत्तर प्रदेश में 80 लोकसभा सीट हैं और इन सीटों पर सभी सात चरणों में मतदान होगा । मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन आयोग ने मतदान के दिन मतदान केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, वायरलेस सेट आदि ले जाने पर रोक लगा दी है, जबकि पीठासीन अधिकारी अपने फोन साइलेंट मोड में ले जा सकेंगे और आवश्यकता पड़ने एवं आपात स्थिति में केवल सेक्टर अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ संचार के लिए इस्तेमाल कर सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ ने सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए प्रचार किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, बसपा अध्यक्ष मायावती और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी पिछले कुछ दिनों के दौरान इन निर्वाचन क्षेत्रों में व्यस्त अभियान पर थे। दूसरे चरण के मतदान में जिन 91 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य तय होगा उनमें अभिनेत्री हेमा मालिनी, प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अरूण गोविल, दानिश अली और महेश शर्मा प्रमुख हैं । इस चरण में जिन आठ सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें से भाजपा ने 2019 के चुनाव में सात सीटें जीती थीं, जबकि बसपा को एक सीट मिली थी। अमरोहा के सांसद दानिश अली इस बार इसी सीट से इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं। दूसरे चरण के इन आठ लोकसभा क्षेत्रों में 1.67 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 90.11 लाख पुरुष मतदाता, 77.38 लाख महिला मतदाता और 787 तृतीय लिंग के मतदाता हैं. इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 7797 मतदान केंद्र और 17677 मतदेय केंद्र हैं।

चीनी मिलों को इथेनॉल उत्पादन के लिए 6.7 लाख टन बी–हेवी शीरे के उपयोग की अनुमति

नयी दिल्ली, सरकार ने चीनी मिलों को चालू वित्त वर्ष में इथेनॉल बनाने के लिए कच्चे माल के तौर पर 6.7 लाख टन बी–हेवी शीरे का उपयोग करने की मंजूरी दे दी है। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पिछले साल सात दिसंबर को बी–हेवी शीरे के उपयोग पर प्रतिबंध लगने से पहले चीनी मिलों के पास बी–हेवी शीरे (चीनी का एक उपोत्पाद) का अतिरिक्त स्टॉक मौजूद था। हालांकि सरकार ने उसके एक हफ्ते बाद ही प्रतिबंध को उलटते हुए गन्ने के रस और बी–हेवी शीरे के उपयोग की अनुमति दे दी थी। लेकिन यह मंजूरी चीनी विपणन सत्र 2023–24 में इथेनॉल उत्पादन के लिए 17 लाख टन चीनी के इस्तेमाल की कुल सीमा के साथ दी गई थी। अधिकारी ने पीटीआई–भाषा से कहा, ''हमने चीनी मिलों को इथेनॉल के लिए चीनी मिलों के पास पड़े बी–हेवी शीरे का उपयोग करने की अनुमति दे दी है। इस बारे में पेट्रोलियम मंत्रालय को सूचित कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए 17 लाख टन चीनी की निर्धारित उपयोग सीमा के अलावा यह मंजूरी होगी। राज्यों के गन्ना आयुक्तों के मुताबिक, वर्तमान में चीनी मिलों के पास 6.7 लाख टन बी–हेवी शीरे का स्टॉक मौजूद है। यह कदम इथेनॉल उत्पादन के लिए बी–हेवी शीरे के उपयोग की अनुमति देने और चीनी मिलों के वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए खाद्य मंत्रालय को उद्योग की ओर से की गई मांग के बाद उठाया गया है। पेराई का काम खत्म होने के बाद चीनी उद्योग ने इथेनॉल बनाने के लिए बी–हेवी शीरे का भंडारण किया है। लेकिन सरकार ने अचानक इस पर प्रतिबंध लगाते हुए इसकी सीमा तय कर दी थी। मौजूदा सत्र में चीनी का उत्पादन 315–320 लाख टन के बीच होने का अनुमान है, जिसमें 17 लाख टन का डायवर्जन शामिल नहीं है।

आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली से भाजपा उम्मीदवार ने अपनी संपत्ति करीब 500 करोड़ रुपये घोषित की

अमरावती, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता सी.एम. रमेश ने अपने परिवार की चल–अचल संपत्ति 497.6 करोड़ रुपये जबकि देनदारी 101.6 करोड़ रुपये घोषित की है। रमेश ने बुधवार को अनकापल्ली लोकसभा क्षेत्र से अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। वह उपमुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी के उम्मीदवार बी.एम. नायडू से मुकाबला करेंगे। हलफनामे के अनुसार, रमेश की अचल संपत्तियों की कीमत 252.66 करोड़ रुपये है और उनकी पत्नी श्रीदेवी के पास 193 करोड़ रुपये संपत्ति है। दोनों के पास कुल 9.15 करोड़ रुपये का सोना और आभूषण हैं। रमेश ने इंटरमीडिएट स्तर तक पढ़ाई की है और उनके खिलाफ सात आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह 2019 में विधानसभा चुनाव में हार के बाद तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

भारत, जापान ने निरस्त्रीकरण, अप्रसार के क्षेत्रों से संबंधित घटनाक्रमों पर चर्चा की

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत और जापान के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को परमाणु, रासायनिक और जैविक हथियारों से संबंधित निरस्त्रीकरण और अप्रसार के क्षेत्रों से संबंधित घटनाक्रमों पर विचारों का आदान–प्रदान किया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि निरस्त्रीकरण, अप्रसार और निर्यात नियंत्रण पर भारत–जापान परामर्श का 10वां दौर तोक्यो में आयोजित किया गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "दोनों पक्षों ने परमाणु, रासायनिक और जैविक मामलों, बाह्य अंतरिक्ष सुरक्षा, अप्रसार मुद्दों, पारंपरिक हथियारों और निर्यात नियंत्रण से संबंधित निरस्त्रीकरण और अप्रसार के क्षेत्रों से संबंधित घटनाक्रमों पर विचारों का आदान–प्रदान किया।" इसमें कहा गया कि भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव (निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मामले) मुआंपुई सैयावी ने किया, जबकि जापान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व निरस्त्रीकरण, अप्रसार और विज्ञान विभाग के महानिदेशक कात्सुरो कितागावा ने किया।

2जी फैसला बदलने की कोशिश नहीं, केवल रक्षा, उपग्रह क्षेत्र के लिए नीलामी के बगैर आवंटन : सूत्र

नयी दिल्ली, (भाषा) सरकार दूरसंचार स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए नीलामी को अहमियत देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले में किसी भी तरह के बदलाव की कोशिश नहीं कर रही है। एक शीर्ष सूत्र ने बुधवार को यह बात कही। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2012 के अपने फैसले में दूरसंचार स्पेक्ट्रम के आवंटन के लिए नीलामी को ही माध्यम बनाने का निर्देश दिया था। हालांकि उपग्रह संचार और रक्षा जैसे विशिष्ट क्षेत्रों को इसके दायरे में नहीं रखा गया था। सूत्र ने कहा कि सरकार ने पिछले साल 15 दिसंबर को शीर्ष अदालत में एक अर्जी दायर कर कुछ विशिष्ट क्षेत्रों को स्पेक्ट्रम आवंटन के संबंध में स्थिति स्पष्ट करने की गुहार लगाई थी। इसमें विशिष्ट उद्देश्यों वाले क्षेत्र जैसे उपग्रह संचार, रक्षा बलों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, मेट्रो या रेलवे संचालन के लिए नीलामी के बगैर स्पेक्ट्रम आवंटित करने को लेकर स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया गया था। याचिका दिसंबर के अंत में संसद में दूरसंचार विधेयक को पारित करने से पहले दायर की गई थी। यह याचिका सोमवार को सुनवाई के लिए रखी गई। नये विधेयक में 19 छूटें दी गयी हैं। सूत्र ने अदालत के समक्ष याचिका आने के बाद उपजे विवाद को 'बेमतलब' बताते हुए कहा कि सरकार से 2जी फैसले को बदलने जैस सवाल किए जा रहे हैं। लेकिन तथ्य यह है कि दूरसंचार क्षेत्र में कई मुकदमों को देखते हुए पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह आवेदन दायर किया गया था। इसमें साफ किया गया था कि सरकार क्या करना चाहती है। प्रशासनिक आवंटन मार्ग से एलन मस्क की स्टारलिंक, भारती एयरटेल के वनवेब और अमेजन की प्रोजेक्ट कुइपर जैसे अंतरिक्ष दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को काफी राहत मिल सकती है क्योंकि उन्हें नीलामी प्रक्रिया से गुजरे बिना स्पेक्ट्रम मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। दूरसंचार के लिए स्पेक्ट्रम की अगली नीलामी इस साल जून में होने वाली है। सूत्र ने कहा कि इस मुद्दे पर सभी संबद्ध पक्षों से परामर्श किया गया लेकिन न्यायालय से परामर्श करने का कोई तरीका नहीं है। लिहाजा न्यायालय को सूचित करने तथा उसकी राय जानने को आवेदन दायर किया गया था। आवेदन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हम न्यायालय के फैसले से सहमत हैं। इस बात से सहमत हैं कि स्पेक्ट्रम नीलामी सबसे अच्छा विकल्प है। लेकिन समुद्री, रक्षा और मेट्रो सुरक्षा आदि जैसे कुछ क्षेत्र हैं, जिनके बारे में चीजें स्पष्ट नहीं हैं। इसका उल्लेख संसद में पेश विधेयक में भी किया गया है। उन्होंने कहा, ''यह अदालत को सूचित करने जैसा था, इसमें किसी फैसले को बदलने को लेकर आग्रह जैसी कोई बात नहीं थी।'' सूत्र ने कहा, ''यह ऐसा कुछ नहीं है जो सरकारें नियमित रूप से करती हैं। यह अदालत को साथ लेने के लिए एक गहन सोच–विचार के बाद उठाया गया कदम था क्योंकि यह एक बहुत ही विवादास्पद मुद्दा रहा है... पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सभी संबद्ध पक्षों को शामिल करने के लिए यह आवश्यक था।'' वर्ष 2007–08 में तत्कालीन सरकार ने पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर स्पेक्ट्रम आवंटन जारी रखने की घोषणा की। इसका उपयोग मोबाइल फोन के लिए आवाज और 'डेटा सिग्नल' प्रसारित करने के लिए किया जाता है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जुलाई 2008 के अपने फैसले में कहा था कि इस तरह के आवंटन के लिए इस्तेमाल की गई सितंबर 2007 की 'कट–ऑफ' तारीख अवैध थी। कैग की नवंबर 2008 की रिपोर्ट में स्पेक्ट्रम आवंटन में अनियमितताओं का हवाला दिया गया और सरकारी खजाने को 1.76 लाख करोड़ रुपये तक के राजस्व नुकसान का अनुमान लगाया गया। इसके चलते तत्कालीन दूरसंचार मंत्री ए राजा को इस्तीफा देना पड़ा था। उच्चतम न्यायालय ने फरवरी 2012 में उस नीति के तहत जारी किए गए 122 लाइसेंस रद्द करने के साथ स्पेक्ट्रम की नीलामी करने का आदेश दिया था। उसके बाद से ही दूरसंचार कंपनियों के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी की जा रही है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए इसे प्रशासनिक रूप से (नीलामी के बिना) आवंटित किया गया है। सूत्र ने कहा कि सभी पक्षों से बात करने के बाद समान अवसर का मुद्दा प्रमुखता से उभरकर सामने आया। इसके अलावा प्रशासनिक तौर पर दिए जाने वाले स्पेक्ट्रम की कीमत निर्धारण का मुद्दा भी उभरा। उन्होंने कहा, ''हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि दूरसंचार नियामक ट्राई एक ऐसी व्यवस्था लेकर आएगा जो बहुत पारदर्शी और निष्पक्ष होगी।''

कर्नाटक सरकार सहकारी बैंकों में घोटालों की एसआईटी जांच पर कर रही है विचार : शिवकुमार

बेंगलुरु, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार शहर के सहकारी बैंकों में कथित घोटालों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की योजना बना रही है और उन्होंने इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की संलिप्तता का दावा किया। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार श्री गुरु राघवेंद्र सहकार बैंक, उसकी सहयोगी कंपनी श्री गुरु सार्वभौमा सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव लिमिटेड और श्री वासिस्ता क्रेडिट सौहार्द सहकारी लिमिटेड से जुड़ी कथित वित्तीय धोखाधड़ी का जिक्र कर रहे थे। शिवकुमार ने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए केरल रवाना होने से पहले जमाकर्ताओं के एक समूह ने बुधवार को यहां कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से मुलाकात की और उन्हें न्याय की मांग करते हुए एक पत्र सौंपा। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''ऐसे तीन लाख जमाकर्ता हैं जिन्हें नुकसान हुआ है। उनमें से लगभग 300 की मौत हो चुकी है, और इनमें से कई वरिष्ठ नागरिक हैं...जब भाजपा सत्ता में थी, तो उन्होंने इसे (जांच) केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का वादा किया था। लेकिन हमारी सरकार ने (सत्ता में आने पर) इसे सीबीआई को दे दिया. ...लेकिन चूंकि इसमें भाजपा नेता शामिल हैं और उन्होंने धोखाधड़ी की है, इसलिए सीबीआई ने न तो मामला दर्ज किया है और न ही पूछताछ शुरू की है।'' शिवकुमार ने कहा, ''प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री (सिद्धरमैया) और मुझसे (शिवकुमार) से एसआईटी गठित करने पर विचार करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने को कहा है। चुनाव के तुरंत बाद हम इस पर निर्णय लेंगे और न्याय सुनिश्चित करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''आपकी मेहनत की कमाई भाजपा नेताओं ने ले ली है। ऐसा नहीं होना चाहिए था।'' उन्होंने जमाकर्ताओं को आश्वासन दिया कि सरकार उनके हितों की रक्षा करने का प्रयास करेगी।

एससीओ रक्षा मंत्रियों की अस्ताना में बैठक, अरमाने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे

नयी दिल्ली, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की वार्षिक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और इस दौरान एससीओ के भीतर ''क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों'' की समीक्षा की जायेगी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह बैठक कजाखस्तान के अस्ताना शहर में हो रही है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अरमाने 25–26 अप्रैल को अस्ताना में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बयान के अनुसार रक्षा सचिव मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत की ओर से वक्तव्य देंगे। इसके अनुसार वह द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों पर चर्चा के लिए एससीओ के मित्र देशों के रक्षा मंत्रियों के साथ भी बैठक करेंगे। एससीओ की स्थापना 2001 में शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान द्वारा की गई थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसके स्थायी सदस्य बने थे।

संदेह के आधार पर चुनाव पर नियंत्रण नहीं कर सकते या निर्देश जारी नहीं कर सकते : न्यायालय

नयी दिल्ली, उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह केवल 'इलेक्ट्रॉनिंग वोटिंग मशीन' (ईवीएम) की कार्यप्रणाली को लेकर संदेहों के आधार पर चुनाव पर नियंत्रण नहीं कर सकता या निर्देश जारी नहीं कर सकता। न्यायालय ने ईवीएम में छेड़छाड़ करके परिणाम में हेरफेर के दावों वाली याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखा। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह मतदान मशीनों के फायदों पर संदेह करने वालों और फिर से मतपत्रों से मतदान कराने की वकालत करने वालों के सोचने के तरीके को नहीं बदल सकती। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाए गए सवालों के जवाबों का संज्ञान लेने के बाद ईवीएम के माध्यम से डाले गए सभी वोट का 'वोटर वेरिफियेबिल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) के साथ पूरी तरह मिलान करने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी से ईवीएम की कार्य–प्रणाली के संबंध में पांच प्रश्न पूछे थे जिनमें यह प्रश्न भी शामिल है कि ''क्या ईवीएम में लगे 'माइक्रोकंट्रोलर' को फिर से प्रोग्राम किया जा सकता है या नहीं।'' वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त नीतेश कुमार व्यास ने इससे पहले ईवीएम की कार्य–प्रणाली के बारे में अदालत में प्रस्तुतिकरण दिया था। पीठ ने उन्हें अपराह्न दो बजे प्रश्नों के उत्तर देने के लिए बुलाया था। व्यास ने 'माइक्रोकंट्रोलर' के बारे में प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि इन्हें विनिर्माण के समय ही एक बार 'प्रोग्राम' किया जा सकता है और इन्हें ईवीएम की सभी तीन इकाइयों–मतदान इकाई, वीवीपैट और नियंत्रण इकाई में लगाया जाता है। उन्होंने कहा कि इसके बाद इन्हें दोबारा 'प्रोग्राम' नहीं किया जा सकता। एनजीओ 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दावा किया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी का बयान पूरी तरह सही नहीं है। उन्होंने अपनी दलील के समर्थन में एक निजी संस्था की रिपोर्ट का उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया, ''रिपोर्ट में कहा गया है कि इन तीन इकाइयों में जिस तरह की 'मेमोरी' का इस्तेमाल किया गया है, उसे दोबारा 'प्रोग्राम' किया जा सकता है। 'सिंबल लोडिंग' के समय एक दुर्भावनापूर्ण 'प्रोग्राम' आसानी से अपलोड किया जा सकता है।'' भूषण ने कहा कि ईवीएम की पारदर्शिता को लेकर संशयों को दूर करने के प्रयास होने चाहिए। न्यायमूर्ति खन्ना ने भूषण से कहा कि अदालत को आयोग द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों और जानकारी पर निर्भर रहना होगा जिसका कहना है कि ईवीएम की 'मेमोरी' को केवल एक बार 'प्रोग्राम' किया जा सकता है। पीठ ने भूषण से कहा, ''अगर आपको किसी चीज को लेकर पूर्वाग्रह है तो हम इसमें मदद नहीं कर सकते। हम आपके सोचने के तरीके को नहीं बदल सकते।'' न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, ''क्या हम संदेह के आधार पर निर्देश जारी कर सकते हैं? आप जिस रिपोर्ट की बात कर रहे हैं, उसमें कहा गया है कि छेड़छाड़ की अभी तक कोई घटना नहीं हुई है। हम चुनावों पर नियंत्रण नहीं कर सकते।'' उन्होंने भूषण से कहा कि अगर ईवीएम में कुछ गलत होता है तो कानून इसे देखेगा।

त्रिपुरा रू लू के कारण सरकार ने 24 से 27 अप्रैल तक सभी विद्यालयों को बंद करने का आदेश दिया

अगरतला, (भाषा) त्रिपुरा में लू की स्थिति के मद्देनजर सरकार ने आदेश जारी किया है कि राज्य के सभी स्कूल 24 से 27 अप्रैल तक बंद रहेंगे। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक बुलेटिन के मुताबिक, त्रिपुरा में बुधवार को तापमान 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग तीन डिग्री सेल्सियस अधिक है। विभाग के मुताबिक, इस पूर्वोत्तर राज्य में चालू सप्ताह के अंत तक तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शिक्षा (स्कूल) विभाग के अतिरिक्त सचिव एन. सी. शर्मा ने बताया, ''सभी सरकारी, सरकार से सहायता प्राप्त और निजी विद्यालयों को 24 से 27 अप्रैल तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है।'' एक अन्य अधिकारी ने बताया, ''पूरा राज्य लू की चपेट में है और यह स्थिति कुछ और दिनों तक जारी रहेगी। इस लू और उमस भरे मौसम को देखते हुए त्रिपुरा सरकार ने इसे राज्य की दृष्टि से विशिष्ट आपदा घोषित किया है।'' उन्होंने बताया कि जिला–स्तरीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों को जनता के बीच जागरूकता फैलाने की सलाह दी गई है। अधिकारी ने बताया, ''जिला प्रशासन को आपात केंद्रों को सक्रिय करने व त्वरित प्रतिक्रिया दलों को अलर्ट रहने को कहा गया है।'' उन्होंने बताया कि राज्य के लोगों की सुरक्षा के लिए सभी क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को भी कहा गया है। अधिकारी ने बताया कि राजस्व विभाग ने एक परामर्श जारी कर लोगों को विशेषतौर पर, पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न तीन बजे तक धूप में बाहर नहीं निकलने को कहा है।

स्वामी गौतमानंदजी महाराज रामकृष्ण मठ और मिशन के नए अध्यक्ष चुने गए

कोलकाता, (भाषा) स्वामी गौतमानंदजी महाराज को रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के 17वें अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। स्वामी गौतमानंदजी महाराज, स्वामी स्मरणानंदजी महाराज का स्थान लेंगे, जिनका पिछले महीने कोलकाता में निधन हो गया था। स्वामी गौतमानंदजी महाराज (95) को बुधवार को बेलूर मठ में आयोजित मठ के न्यासी बोर्ड और मिशन के शासी निकाय की बैठक में चुना गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का 17वां अध्यक्ष चुने जाने पर स्वामी गौतमानंदजी महाराज को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, ''रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर परम पूज्य स्वामी गौतमानंदजी महाराज को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे यकीन है कि वह हमारे समाज को अधिक ज्ञान और करुणा की ओर मार्गदर्शन करेंगे।'' उन्होंने कहा, '' रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का अनगिनत भारतीयों के जीवन में बहुत ही विशेष स्थान है। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा देवी और स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों को और अधिक लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं।'' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी रामकृष्ण मिशन के नए अध्यक्ष को बधाई दी। ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, '' परम पूज्य स्वामी गौतमानंदजी महाराज को मेरा प्रणाम, जिन्हें आज बेलूर मठ में आयोजित मठ के न्यासी बोर्ड और मिशन के शासी निकाय की बैठक में रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन का अध्यक्ष चुना गया है। वह दोनों संगठनों के 17वें अध्यक्ष हैं। मठ तथा मिशन के और अधिक सशक्त होने की कामना करती हूं।''

संपादकीय

भारत में धार्मिक पर्यटन छू रहा नित नई ऊंचाइयां

हाल ही के समय में भारत के नागरिकों में "स्व" का भाव विकसित होने के चलते देश में धार्मिक पर्यटन बहुत तेज गति से बढ़ा है। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में श्रीराम लला के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात प्रत्येक दिन औसतन 2 लाख से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह तो केवल अयोध्या की कहानी है इसके साथ ही तिरुपति बालाजी, काशी विश्वनाथ मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक, जम्मू स्थित वैष्णो देवी मंदिर, उत्तराखंड में केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री एवं यमनोत्री जैसे कई मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ रही है। भारत में धार्मिक पर्यटन में आई जबरदस्त तेजी के बदौलत रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं, जो देश के आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो रहे हैं। जेफरीज नामक एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज कम्पनी ने बताया है कि अयोध्या में निर्मित प्रभु श्रीराम के मंदिर से भारत की आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने जा रही है। दिनांक 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में सम्पन्न हुए प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद स्थानीय कारोबारी अपना उज्जवल भविष्य देख रहे हैं। अयोध्या धार्मिक पर्यटन का हब बनाने जा रहा है तथा अब अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ क्षेत्र बन जाएगा। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बनने जा रहा है। जेफरीज के अनुसार अयोध्या में प्रति वर्ष 5 करोड़ से अधिक पर्यटक आ सकते हैं। अभी अयोध्या में केवल 17 बड़े होटल हैं इनमें कुल मिलाकर 590 कमरे उपलब्ध हैं। लेकिन, अब 73 नए होटलों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से 40 होटलों का निर्माण कार्य प्रारम्भ भी हो चुका है। अभी तक नए एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, टाउनशिप और रोड कनेक्टिविटी में सुधार जैसे कामों पर 85,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इस निवेश का स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर दिखाई देने जा रहा है। शीघ्र ही अयोध्या वैश्विक स्तर पर धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभरेगा। इससे होटल, एयरलाईन, हॉस्पिटलिटी, ट्रैवल, सिमेंट जैसे क्षेत्रों को बहुत बड़ा फायदा होने जा रहा है। भारत के विभिन्न शहरों से 1000 के आसपास नई रेल अयोध्या के लिए चलाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूरे देश से दिनांक 23 जनवरी 2024 के बाद से प्रतिदिन भारी संख्या में धार्मिक पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि पहिले दिन ही 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के दर्शन किये हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटेकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अतः अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। फिर अकेले अयोध्या नगर को होने वाली आय का अनुमान तो सहज रूप से लगाया जा सकता है। अभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अयोध्या में रूकते नहीं थे प्रातः अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर शाम तक वापिस चले जाते थे परंतु अब अयोध्या को इतना आकर्षक रूप से विकसित किया गया है कि श्रद्धालु 3 से 4 दिन रुकने का प्रयास करेंगे। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छतीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। केंद्र सरकार द्वारा भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम भी अब दिखाई देने लगा है। "मेक माई ट्रिप इंडिया ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट" के अनुसार, भारत के नागरिक अब पहले के मुकाबले अधिक यात्रा कर रहे हैं। भारत के नागरिकों द्वारा विशेष रूप से अयोध्या, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों के बारे में अधिक जानकारी हासिल की जा रही है। उक्त जानकारी "मेक माई ट्रिप" के प्लेटफार्म के 10 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामने आई है। वर्ष 2019 के बाद से भारत में एक वर्ष में तीन से अधिक यात्राएं करने वाले लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त रिपोर्ट के अनुसार, आध्यात्मिक पर्यटन सम्बंधी जानकारी हासिल करने की गतिविधियों में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2023 में 97 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से अयोध्या के सम्बंध में जानकारी हासिल करने सम्बंधी गतिविधियों में वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में 585 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे धार्मिक स्थलों के सम्बंध में भी जानकारी हासिल करने वाले नागरिकों की संख्या में क्रमशः 359 प्रतिशत और 343 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। भारत में अब पारिवारिक यात्रा की बुकिंग भी बहुत तेज गति से बढ़ रही है। इसमें वर्ष 2022 के तुलना में वर्ष 2023 में 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि इसी अवधि में एकल यात्रा की बुकिंग में केवल 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उक्त जानकारी को भारत के नागरिक विमानन मंत्रालय द्वारा जारी एक जानकारी से भी बल मिलता है कि भारत में घरेलू हवाई यातायात अब एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। दिनांक 21 अप्रेल 2024 (रविवार) को रिकार्ड 471,751 यात्रियों ने 6,128 उड़ानों के माध्यम से, भारत में हवाई सफर किया है।....

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

सुबह के नाश्ते में खाना हैं कुछ स्पेशल तो आप भी जरूर ट्राई करें

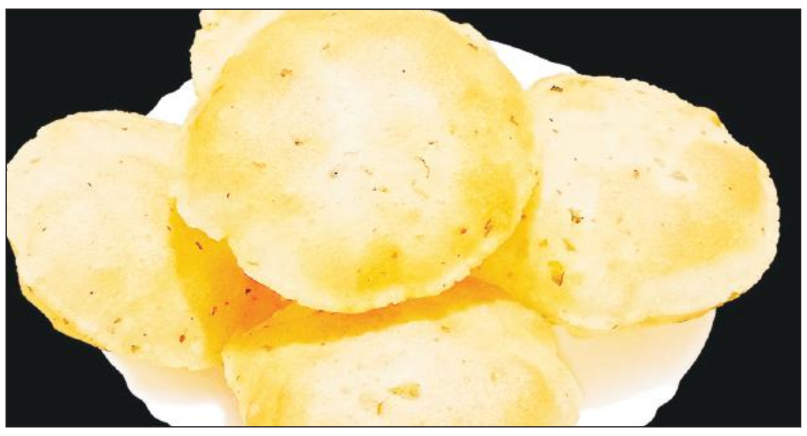

अगर आपके पास किसी त्योहार या छुट्टी पर बनाने के लिए कुछ मसालेदार और आसान रेसिपी हैं, तो दिन आसानी से बीत जाएगा। तो आज हम चावल के आटे की मसाला पूरी और आलू टमाटर की सब्जी बनाने जा रहे हैं. इन्हें बनाना बहुत आसान है और इनका स्वाद लाजवाब होता है. चावल के आटे की मसाला पूरी का स्वाद कचौरी जैसा होगा. तो आप भी इस आसान रेसिपी से चावल के आटे की पूरी और आलू टमाटर की सब्जी बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ स्वाद का आनंद उठा सकते हैं.

चावल के आटे की पूरी और आलू मसाला सब्जी के लिए सामग्री–

उबले आलू – 3, मध्यम आकार (275 ग्राम)
चावल का आटा – चावल का आटा – 1 कप
अदरक–हरी मिर्च– 2 चम्मच, पेस्ट
नमक – नमक – 1 चम्मच
हल्दी – हल्दी पाउडर – 1/4 छोटा चम्मच
जीरा – 1 चम्मच
अजवाइन – अजवायन – 1/4 छोटा चम्मच
कसूरी मेथी – मेथी – 1 बड़ा चम्मच
मिर्च के गुच्छे – मिर्च के गुच्छे – 1 चम्मच
धनिया पत्ती – 1–2 बड़े चम्मच
तेल – 1/2 छोटा चम्मच
आलू की सब्जी के लिए
तेल – 2–3 चम्मच
जीरा – 1/2 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर – 1 चम्मच
हल्दी – हल्दी पाउडर – 1/2 छोटा चम्मच
टमाटर – 2 (150 ग्राम)
हरी मिर्च – 1
अदरक – 1/2 इंच
कश्मीरी लाल मिर्च – 1/2 छोटा चम्मच
कसूरी मेथी – मेथी – 1 बड़ा चम्मच
आलू – उबले आलू – 3 (250 ग्राम)
नमक – 3/4 छोटी चम्मच
गरम मसाला – 1/4 छोटी चम्मच
हरा धनिया – धनिया की पत्तियां
तलने के लिए तेल

डौग बनाने की प्रक्रियाः एक बाउल में 3 उबले आलू को बारीक कद्दूकस कर लीजिए. – फिर इसमें 1 कप चावल का आटा, 2 चम्मच अदरक हरी मिर्च का पेस्ट, 1 चम्मच नमक, 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच जीरा (कुटा हुआ), 1/4 चम्मच अजवाइन (कुटा हुआ), 1 बड़ा चम्मच कसूरी मेथी (कुटा हुआ), 1 चम्मच चिली फ्लेक्स और 1–2 चम्मच हरा धनिया मिलाएं.

इन्हें अच्छे से मिलाकर गूंथ लीजिए. आटा न तो ज्यादा सख्त और न ही ज्यादा नरम होना चाहिए. – इसे 10 मिनट के लिए ढककर रख दीजिए

आलू टमाटर की सब्जी बनाने की प्रक्रिया

– एक पैन में 2–3 चम्मच तेल गर्म करें. गरम तेल में 1/2 छोटी चम्मच जीरा डाल कर हल्का सा भून लीजिये, आंच धीमी कर दीजिये. – फिर इसमें 1 चम्मच धनिया पाउडर, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर और टमाटर–हरी मिर्च–अदरक का पेस्ट (2 टमाटर, 1 हरी मिर्च और 1/2 इंच अदरक) मिलाएं. इन्हें हल्के से हिलाएं और आंच मध्यम कर दें. – फिर इसमें 1/2 छोटी चम्मच लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छे से मिला लीजिए और मसाले को भून लीजिए. मसाले को बीच–बीच में चलाते हुए तेल अलग होने तक भून लीजिए. हल्का भुन जाने पर इसमें 1 बड़ा चम्मच कसूरी मेथी (कुटी हुई) डाल कर अच्छे से भून लीजिए.
– जब मसाले से तेल अलग होने लगे तो इसमें 3 उबले हुए आलू तोड़ कर डाल दीजिए. इन्हें मसाले के साथ मिला लीजिए और इसमें 1.25 कप पानी, 3/4 छोटी चम्मच नमक और 1/4 छोटी चम्मच गरम मसाला डाल दीजिए और आंच तेज कर दीजिए. इन्हें अच्छे से मिलाएं और ढककर 3–4 मिनट तक पकाएं.
– ग्रेवी में उबाल आने पर हरा धनियां डालकर अच्छे से मिला लीजिए और 1–2 मिनिट तक पका लीजिए. – फिर आंच बंद कर दें और इसे एक बाउल में निकाल लें. इस तरह आलू, टमाटर की सब्जी बन कर तैयार हो जायेगी. इसे ढक कर रखें.

चावल के आटे की मसाला पूरी बनाने की प्रक्रियाः अपने हाथ में थोड़ा सा तेल लें और अपने सिर की मालिश करें। – फिर इसका आटा तोड़ लें. – अब एक पैन में तेल गर्म करें, तेल मीडियम–हाई और आंच मीडियम–हाई होनी चाहिए. आटे की एक लोई लीजिए और उसे दबाकर पेड़े जैसा बना लीजिए.

फिर इसे हल्का सा गूंथ लें. इसे बेल कर गर्म तेल में तल लें. इसे चाकू से हल्का सा दबा कर चपटा कर लें, फिर पलट कर दोनों तरफ से सुनहरा होने तक तल लें. तलने के बाद इसे निकाल लीजिए और बाकी सब भी इसी तरह तल लीजिए. इन्हें आलू और टमाटर के साथ परोसिये और इनके स्वाद का लुत्फ उठाइये.

बच्चों की पढ़ाई के लिए कौन सी दिशा है सबसे बेस्ट? जानें क्या कहता है वास्तु शास्त्र

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में काफी ज्यादा महत्व होता है. कहा जाता है अगर चीजें सही तरीके से की जाए तो उसके परिणाम काफी सकारात्मक होते हैं वहीं, अगर चीजों को करने के तरीके में कोई खराबी हो या फिर उसे गलत तरीके से किया जाए तो इसका काफी नकारात्मक असर हमारे जीवन पर पड़ता है. वास्तु शास्त्र में हर तरह की समस्या के लिए उपाय बताये गए हैं. इसमें आपको छोटी से छोटी समस्या से लेकर बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान मिल जाएगा. आज की यह आर्टिकल उन लोगों के लिए काम की साबित होने वाली है जिनके बच्चों का मन पढ़ाई में नहीं लगता है या फिर पढाई करने के दौरान उनका मन भटक जाता है. आज हम आपको बताने वाले हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार बच्चों की पढाई करने के लिए किस दिशा को सबसे बेस्ट माना जाता है. तो चलिए जानते हैं.

पढाई करने के लिए पॉजिटिव वातावरण जरूरीः वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो एक पॉजिटिव वातावरण में अगर बच्चे पढ़ाई करने बैठे तो ऐसे में वे ज्यादा बेहतर तरीके से फोकस कर पाते हैं केवल यहीं नहीं, उनमें उत्साह का भी संचार होता है. ऐसे में बच्चे किस जगह बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं इस बात का ख्याल माता–पिता के लिए रखना बेहद जरूरी हो जाता है. वास्तु शास्त्र की अगर माने तो बच्चे जिस जगह पढाई करने बैठ रहे हैं वह बिलकुल शांत और स्वच्छ होनी चाहिए. केवल यहीं नहीं, उनका स्टडी टेबल भी सही दिशा में होना चाहिए. वास्तु शास्त्र की अगर माने तो बच्चों के कमरे में अलग–अलग रंगों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. ऐसा करने से उनका ध्यान भटक सकता है. बच्चों के कमरे में शांत और मोटिवेटिंग रंगों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए.

पढाई करने के लिए कौन सी दिशा सबसे बेस्टः वास्तु शास्त्र के अनुसार बच्चों के पढाई करने के लिए पूर्व और उत्तर–पूर्व दिशाओं को सबसे बेस्ट माना गया है. लेकिन, इनके अलावा भी कुछ दिशाएं हैं जिनमें बच्चे पढाई कर सकते हैं.

पूर्व दिशा में क्यों करें पढाई : अगर आप सोच रहे हैं कि बच्चों को पढाई करने के लिए पूर्व दिशा किस तरह से शुभ हो सकता है तो बता दें, इस दिशा में ही सूर्योदय होता है जिस वजह से यह दिशा कंसंट्रेशन, एनर्जी और नॉलेज प्रोवाइड करती है. अगर आपका बच्चा सुबह उठकर पढाई करता है तो ऐसे में यह दिशा सबसे बेस्ट माना जाता है.

पश्चिम दिशा में पढाईः इस दिशा में सूर्यास्त होता हैं जिस वजह से अगर आपके बच्चे इस तरफ चेहरा करके पढाई करें तो उनमें सोचने की शक्ति और क्रिएटिविटी को बढ़ावा मिलता है. अगर आपके बच्चे को आर्ट्स या फिर म्यूजिक में दिलचस्पी है तो यह दिशा सबसे बेस्ट है.

उत्तर–पूर्व दिशा में पढाई : इस दिशा को बुध ग्रह का दिशा बताया गया है. इस दिशा में मुख करके पढाई करने से बुद्धि और चीजों को याद करने की क्षमता को बढ़ावा मिलता है. अगर आपके बच्चे चीजें याद नहीं रख पाते हैं तो ऐसे में इस दिशा में मुख करने पढाई करना सबसे बेस्ट है.

दक्षिण दिशा : यह बात तो आप सभी जानते ही होंगे कि दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा कहा गया है. यमराज मृत्यु के देवता हैं जिस वजह से पढाई करने के लिए इस दिशा को सबसे कम अनुकूल बताया गया है.

भारत में 85% तक लगता था इनहेरिटेंस टैक्स, राजीव गांधी सरकार ने इसलिए कर दिया खत्म

जब से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रौदा ने इनहेरिटेंस टैक्स को लेकर बयान दिया है, टैक्स को लेकर बवाल मच गया है. उन्होंने इनडायरेक्ट तौर पर अमेरिका में लगाए जाने वाले विरासत टैक्स की वकालत की है. यह आने वाले समय में वापस से इंडिया में अमेरिका की तरह लागू होगा या नहीं यह अलग विषय है, लेकिन इतिहास के पन्ने को जब पलटते हैं तो पता चलता है कि भारत में भी पहले इनहेरिटेंस टैक्स वसूला जाता था. इसे हटाने के पीछे एक बेहद दिलचस्प कहानी है. पहले यह जान लेते हैं कि इनहेरिटेंस टैक्स होता क्या है?

पहले भारत में भी वसूला जाता था इनहेरिटेंस टैक्सः इतिहास के पन्नों में इनहेरिटेंस टैक्स का जिक्र राजीव गांधी के सरकार में मिलता है. दरअसल तब एक ऐसा वाकया हुआ कि तब के तत्कालिन वित्त मंत्री वीपी सिंह ने उसे समाप्त कर दिया. तब यह कहा गया कि सरकार इनहेरिटेंस टैक्स के चलते काफी सारे मुकदमें में फंस गई थी, सरकार के तरफ से दूसरी दलील ये दी गई थी कि जिस उद्देश्य से इस टैक्स को लागू किया गया था. वह पूरा नहीं हो पाया. सरकार का ये कहना था कि उस टैक्स से हुई कमाई उसके प्रशासन में किए गए खर्च से कम थी. इसलिए उस टैक्स का कोई मतलब नहीं था. यही वजह थी कि 1985 में हटा दिया गया. तब इनहेरिटेंस टैक्स के तौर पर 85: का टैक्स वसूला जाता था.

क्या कहते हैं एक्सपर्टः देश के बड़े टैक्स एक्सपर्ट्स में शुमार बलवंत जैन ने टीवी9 हिन्दी से बात करते हुए बताया कि इनहेरिटेंस टैक्स नहीं होना चाहिए. इसलिए भारत में इसे हटाया गया, क्योकिं जिस उद्देश्य से इसे लाया गया था वो पूरा नहीं हो सका. राजीव गांधी सरकार को इसे इसलिए खत्म करना पड़ा कि इसमें खर्च ज्यादा था और कलेक्शन कम. जैन बताते हैं कि भारत जैसे देश में साल 1991 से पहले सोशिलिज्म था, टैक्स की चोरी ज्यादा होती है. इंदिरा गांधी सरकार की बात करें तो उस समय आम जनता को 100 रुपए की कमाई पर 97 रुपए टैक्स ही चुकाना होता है. किसी भी देश की तरक्की में टैक्स का बड़ा योगदान होता है. इनहेरिटेंस टैक्स राजीव गांधी की सरकार को इसलिए भी खत्म करना पड़ा कि सरकार खुद इसे लेकर कई तरह के मुकदमें में फंस गई. टैक्स से होने वाले आय उसके प्रशासन की लागत से काफी कम थी.

क्या होता है इनहेरिटेंस टैक्सः अमेरिका में विरासत टैक्स लगता है. अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो केवल 45: ही उसके बच्चों को दी जाती है जबकि 55: सरकार रख लेती है. विरासत टैक्स एक तरह से संपत्ति पर एक टैक्स है, जिसमें किसी मृत व्यक्ति से पैसा या घर किसी को विरासत में मिला है तो जिस व्यक्ति को संपत्ति विरासत में मिलती है, वह टैक्स का भुगतान करता है. टैक्स की दरें विरासत में मिली संपत्ति और मृतक के साथ उत्तराधिकारी के रिश्ते के पर अलग–अलग होती है. नियम के मुताबिक, अमेरिका में सिर्फ छह राज्यों में विरासत टैक्स लगाया जाता है और आयोवा ने टैक्स रेट कम करके 5: करने को कहा है. रिपोर्ट कहती है कि 2025 में इसको खत्म करने की घोषणा की गई है. टैक्स की दरें राज्य के आधार पर अलग–अलग होती हैं, लेकिन 1: से कम से लेकर 20: तक भी होती हैं और आमतौर पर छूट सीमा से ऊपर की राशि पर लागू होती हैं. टैक्स दरें आपकी विरासत के आकार, राज्य टैक्स कानूनों और मृतक के साथ आपके संबंधों पर निर्भर करती हैं.

गर्मी के दिनों में घर के नलों से निकल रहा गर्म पानी? छत पर रखी पानी की टंकी को ठंडा रखने के लिए करें ये उपाय

गर्मियों का मौसम आते ही पानी की टंकी का पानी गर्म हो जाना एक आम समस्या है. ऐसे में दोपहर के समय में नहाने या हाथ पैर धोने के लिए पानी को बाल्टी में निकाल कर कई घंटे छोड़ना पड़ जाता है. क्योंकि कई बार पानी नल से पानी बिल्कुल उबला हुआ सा आता है. ऐसे आज हम आपको इस लेख में ऐसे स्मार्ट तरीकों के बारे में आपको बता रहे हैं जिनकी मदद से आप गर्मियों में अपनी पानी की टंकी को ठंडा रख सकते हैं. खास बात यह है कि ये तरीके सरल, किफायती और कारगर हैं.

टंकी को ढक देंः गर्मियों के दौरान, सूरज की रोशनी टैंक के पानी को गर्म कर देती है. इसे रोकने के लिए, अपने टैंक को एक मोटे कपड़े या एक उचित टैंक कवर से ढक दें. यह धूप को अवरुद्ध कर देगा और पानी को लंबे समय तक ठंडा रखेगा. **टंकी के बाहर चुना लगाएंः** टंकी के बाहर की ओर चूने या मिट्टी की परत लगाएं. यह एक अवरोध बनाता है जो पानी की टंकी धूप से बचाकर रखता है और पानी को ठंडा रखने में मदद करता है.

टंकी के चारों ओर गीली मिट्टी लगाएंः गीली मिट्टी एक प्राकृतिक अवरोधक के रूप में काम करती है. ऐसे में टंकी के आधार के चारों ओर गीली मिट्टी लगाने से पानी को ठंडा रखने में मदद मिल सकती है. **टंकी को सफेद रंग से पेंट करेंः** यदि आपकी पानी की टंकी सफेद कलर की नहीं है तो इसे सफेद रंग से पेंट करें. दरअसल सफेद रंग सूर्य की किरणों को एब्जॉर्ब नहीं करता है जिससे स्टोर हुआ पानी तुलनात्मक रूप से ठंडा रहता है.

गर्मी में नकसीर फूटने या नाक से खून आने के क्या हैं कारण, डॉक्टर से जानिए इससे कैसे बचें

नाक से खून आना यानि नोज ब्लीडिंग की समस्या गर्मियों में अक्सर हो जाती है। हालांकि कुछ लोगों के साथ ये समस्या अक्सर होती रहती है, जिससे परेशानी हो सकती है। गर्मी के दिनों में नाक से खून आने की समस्या और अधिक बढ़ जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो इसका इलाज जरूर करा लें। कई बार नाक से खून आने के गंभीर कारण भी हो सकते हैं। डॉक्टर से जानते हैं कि नाक से खून आने की वजह क्या हैं और इसे कैसे रोका जा सकता है?

गर्मी में क्यों आता है नाक से खून?: शारदा हॉस्पिटल के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ भुमेश त्यागी का कहना है कि कई बार गर्मी में ड्राईनेस की वजह से नाक से खून आने की समस्या बढ़ जाती है। तेज गर्मी की वजह से ब्लड वेसल्स फट जाते हैं। ऐसा तब होता है जब ड्राई और गर्म हवाओं की वजह से छोटी ब्लड वेसल्स फट जाती हैं। कई बार नाक में सूखे बलगम के जमा होने के कारण भी ब्लीडिंग होने लगती है।

नोज ब्लीडिंग को कैसे कंट्रोल करें?: अगर आपको अचानक से नाक से खून आने लगे तो इसे घर पर भी कंट्रोल किया जा सकता है।

खून को गले में जाने से रोकने के लिए तुरंत आगे की ओर झुक जाएं, जिससे खून अंदर मुंह में न जाए।
अब सीधे बैठ जाएं यानि आपका सिर हार्ट से ऊंचा रहे। इससे खून आना कम हो जाता है।
बैठने पर मुंह से सांस लेते हुए नाक के मुलायम वाले हिस्से को तेजी से दबाएं।
नाक पर दबाव डालते रहें और मुंह को आगे की ओर झुकाकर ही रखें। इसी तरह बैठे रहें जब तक कि खून का थक्का न जम जाए। अगर ब्लीडिंग होते हुए 20–25 मिनट हो गए हैं और रुक नहीं रही तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं

नाक से खून आने के अन्य कारणः कई बार चेहरे पर या नाक पर चोट लगने से भी ब्लीडिंग शुरू हो जाती है। नाक साफ करने या फिर एलर्जी के कारण भी ऐसा हो सकता है। कम ह्यूमिडिटी वाली जगहों पर भी नाक से खून आने की संभावना रहती है। किसी दवा, ड्रग या रेडिएशन थेरेपी के कारण भी नाक से खून आने लगता है। ऊंचाई वाले क्षेत्र में वायु दबाव के कारण में नाक से खून आ सकता है।

भोजपुरी क्वीन रानी चटर्जी को हुआ प्यार! वीडियो शेयर कर एक्ट्रेस ने सुनाई अपनी लव स्टोरी

नई दिल्ली। रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं। रानी के लाखों–करोड़ों चाहने वाले हैं। हर कोई एक्ट्रेस की एक झलक पाने को बेताब नजर आता है। रानी चटर्जी को इंस्टाग्राम पर 1.8 मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। रानी भी अक्सर अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलकियां अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हर कोई रानी चटर्जी से उनकी लव लाइफ के बारे में जानना चाहता है। ऐसे में आज रानी चटर्जी ने अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देते हुए अपनी लव स्टोरी पर से पर्दा उठाया है। तो चलिए बताते हैं इसके बारे में विस्तार से–

रानी चटर्जी ने सुनाई अपनी लव स्टोरी : भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की है। इस रील के साथ रानी ने लिखा है– "हर कोई मेरी प्रेम कहानी के बारे में पूछ रहा था, तो लो जी सुन लो मेरी प्रेम कहानी और बताओ कैसी लगी?" अब आप भी सोच रहे होंगे की रानी की प्रेम कहानी कैसी है? कौन है उनके सपनो का राजकुमार? तो ज़रा अपनी सोच को कंट्रोल कीजिये क्योंकि रानी ने अपनी प्रेम कहानी सुनाने के बजाय अरबी गाने पर रील वीडियो बना डाली है। अब आप सोच रहे होंगे कि अरबी गाने का रानी की प्रेम कहानी से क्या संबंध है? तो अरे भाई जैसे अरबी गाने हमें समझ नहीं आते हैं वैसे ही रानी की प्रेम कहानी भी समझ नहीं आ सकती। क्योंकि कोई प्रेम कहानी है ही नहीं और रानी भी व्यंगात्मक तरीके से यही अपने फैंस को बता रही हैं।

रानी का लुक : रानी चटर्जी ने ये रील वीडियो कार में बनाई है। वीडियो में रानी ग्रीन कलर की सैटिन शर्ट में नजर आ रही हैं। नो मेकअप और खुले फ़्रीजी हेयर में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। रानी खुद कार ड्राइव करती हुई नजर आ रही हैं। रानी के इस वीडियो पर उनके फैंस जमकर रिएक्ट करते हुए नजर आ रहे हैं।

जंगल की सैर पर निकलीं करीना कपूर, हिरण देख बेकाबू हुए लाडले तैमूर

करीना कपूर खान बॉलीवुड में जिस कदर छाई रहती हैं, ठीक उसी अंदाज में उनका जलवा सोशल मीडिया पर भी देखने को मिलता है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपने फैंस का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। करीना अपनी पार्टीज से लेकर अपने ट्रेवल डेज की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उनका अंदाज और स्टाइल इनमें बिल्कुल हटके देखने को मिलता है। इन दिनों एक्ट्रेस वेकेशन पर हैं और वो भी अपने बड़े बेटे तैमूर के साथ। इसकी तस्वीरें एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं।

करीना कर रहीं छुट्टियां एंजॉय: बॉलीवुड डीवा करीना कपूर खान इन दिनों अपने बेटे तैमूर के साथ तंजानिया में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। करीना ने इंस्टाग्राम पर अपने वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में करीना जंगल सफारी के लिए कार में बैठी नजर आ रही हैं। फोटो में उन्हें स्नीकर्स और धूप के चश्मे के साथ डेनिम आउटफिट में देखा जा सकता है। एक अन्य तस्वीर में तैमूर जीप में बैठे हैं और वो कुछ ही दूरी पर खड़े हिरणों को देख रहे हैं। वो हिरणों को देखकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। हालांकि, किसी भी तस्वीर में तैमूर के छोटे भाई जेह और उनके पिता सैफ अली खान नहीं दिख रहे हैं। करीना ने तस्वीरों को कैप्शन दिया, 'सवाना गर्ल एंड बॉय, तंजानिया 2024।' एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर लगातार फैंस के रिएक्शन आ रहे हैं। लोगों को उनकी ये तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं। फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफें कर रहे हैं। करीना कपूर के इस पोस्ट पर एक फैन ने रिएक्ट करते हुए लिखा, 'थेक्यू हमें इतने देशों के दर्शन कराने के लिए।' एक और शख्स ने लिखा, 'करीना के चेहरे पर हमेशा ही चमक रहती है।' करीना की तारीफ में एक और शख्स ने लिखा, 'ये एक अच्छी मां हैं।'

इस फिल्म में नजर आएंगी करीना : बता दें, करीना को हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' में देखा गया था। इसमें उनके साथ तब्बू और कृति सेनन भी हैं। अब एक्ट्रेस जल्द ही मल्टी स्टारर फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमाक, अजय देवगन, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रोहिट शेट्टी कर रहे हैं।

अमिताभ बच्चन को मिला लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार

मुंबई (भाषा) अभिनेता अमिताभ बच्चन को बुधवार को लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पांच मंगेशकर भाई–बहनों में सबसे बड़ी लता की 2022 में मृत्यु हो जाने के बाद परिवार और ट्रस्ट ने सुर सम्राज्ञी की याद में पुरस्कार की स्थापना की थी। बच्चन (81) को यह सम्मान 24 अप्रैल को रंगमंच–संगीत के दिग्गज और मंगेशकर भाई–बहनों के पिता दीनानाथ मंगेशकर के स्मृति दिवस पर मिला। 'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'चुपके–चुपके', 'मोहब्बतें', और 'पीकू' जैसी फिल्मों में उत्कृष्ट अभिनय से किरदार में जान डाल देने वाले अभिनेता ने कहा कि वह आज यह पुरस्कार पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। पुरस्कार ग्रहण करते हुए अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "मैंने कभी खुद को इस तरह के पुरस्कार के लायक नहीं समझा, लेकिन हृदयनाथ (मंगेशकर) जी ने बहुत कोशिश की कि मैं यहां आऊं। पिछले साल उन्होंने मुझे इस समारोह के लिए आमंत्रित भी किया था।" उन्होंने कहा, "हृदयनाथ जी, मैं आपसे पिछली बार के लिए माफी मांगता हूं। मैंने तब आपको बताया था कि मैं अस्वस्थ हूं। मैं स्वस्थ था लेकिन यहां आना नहीं चाहता था। इस साल मेरे पास कोई बहाना नहीं था, इसलिए मुझे यहां आना पड़ा।"

मंगेशकर भाई–बहनों में तीसरे नंबर की गायिका उषा मंगेशकर ने बच्चन को पुरस्कार प्रदान किया। पहले, मंगेशकर की दूसरी बहन और प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले को पुरस्कार प्रदान करना था लेकिन वह अस्वस्थ होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सकीं। लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार के नाम से जाना जाने वाला यह पुरस्कार हर साल उस व्यक्ति को दिया जाता है जिसने राष्ट्र, उसके लोगों और समाज के प्रति अग्रणी योगदान दिया हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके पहले प्राप्तकर्ता थे, उसके बाद 2023 में आशा भोंसले को यह पुरस्कार दिया गया था। समारोह की अध्यक्षता मंगेशकर के सबसे छोटे भाई, संगीतकार हृदयनाथ मंगेशकर ने की।

विजय देवरकोंडा–मृणाल ठाकुर की 'द फैमिली स्टार' ओटीटी पर धूम मचाने को तैयार, जानें कब और कहां देख सकेंगे

विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'द फैमिली स्टार' हाल ही में 5 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से मिला–जुला रिस्पांस मिला था। 19 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर मूवी ने कुछ खास कमाई नहीं की थी, लेकिन विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री लोगों को बहुत पसंद आई। 'द फैमिली स्टार' 20 दिनों बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐसे में जो लोग ये फिल्म थिएटर में नहीं देख पाए हैं वो इसे अब घर बैठे किसी भी समय देख सकते हैं। फिल्म 'द फैमिली स्टार' के ओटीटी रिलीज का एलान हो चुका है और अगर आप भी विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर के बीच की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री देखना चाहते हैं तो आप ओटीटी पर देख सकते हैं। साउथ के फेमस फिल्म क्रिटिक्स सुरेश ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर विजय देवरकोंडा की फिल्म 'फैमिली स्टार' का पोस्टर शेयर करते हुए ओटीटी रिलीज को लेकर अपडेट शेयर किया है। विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की 'द फैमिली स्टार' 26 अप्रैल को तेलुगु और तमिल में अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग होगी। इस फिल्म में आप एक बार फिर मृणाल ठाकुर और विजय देवरकोंडा की खूबसूरत केमिस्ट्री देख सकते हैं। सोशल मीडिया पर फैंस के बीच इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर जबरदस्त बज देखने को मिल रहा है। विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'द फैमिली स्टार' दिव्यांशा कौशिक, अजय घोष और वासुकी जैसे एक्टर्स नजर आने वाले हैं। ये फिल्म 5 अप्रैल 2024 को थिएटर में रिलीज हुई थी। इसमें एक मिडिल क्लास फैमिली की कहानी दिखाई गई है। निर्देशक परसुराम की विजय देवरकोंडा के साथ ये दूसरी फिल्म है इसके पहले एक्टर को 'गीता गोविंदम' में देखा गया था,

किस्मत हाथों से नहीं, पैरों से लिखी जाती है

मैदान में एक संवाद है वो ये कि फुटबाल पूरी दुनिया में ऐसा खेल है जिसमें किस्मत हाथों से नहीं, पैरों से लिखी जाती है। यकीनन इसमें कोई दो राय भी नही है। इस बात को साल 1962 के एशियन खेलों में भारतीय फुटबाल टीम ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को हराकर सच भी साबित किया था। इतना भर नही बल्कि साल 1950 से 1963 तक भारतीय फुटबाल टीम के कोच रहे सैयद अब्दुल रहीम के नेतृत्व में टीम को ब्राजील ऑफ एशिया का दर्जा मिला था। उन्हीं की जिंदगी पर फिल्म मैदान बनी है। हमारे सिनेमा उद्योग में लंबे समय से देखा जा रहा है कि खेलों और खिलाडियों की कहानी, किस्से और उन पर बनने वाली ड्रामेबाजी बंबईयां फिल्मकारों का पुराना और पसंदीदा सगल रहा है। गर ये स्पोर्ट्स ड्रामा किसी खिलाड़ी के जीवन पर बनाना हो तो फिर तो सोने पे सुहागा हो जाता है। ऐसी फिल्में हमारे निर्माताओं के लिए बिना रिस्क के कमाई का आसान जरिया बन जाती है। दर्शक इस तरह की फिल्में देखकर देशभक्ति के जज्बे के साथ ही जोश ए जूनून से भर जाते है। इधर पिछले कुछ सालों से निर्माता दर्शकों को इस तरह की फिल्में परोसने में कुछ ज्यादा ही रूचि भी दिखा रहे है। सच तो यह है कि जब दर्शक भी इस तरह की फिल्मों का दिल से स्वागत करते है तो फिर निर्माता क्यूं न परोसे। इसी कारण अतीत से अब तक हॉकी पर चक दे इंडिया, दौड पर भाग मिल्खा भाग, बॉक्सिग पर मैरी कॉम, कुश्ती जैसे ठेठ देहाती खेल पर दंगल और कबड्डी जैसे विषय पंगा जैसी फिल्में बनी। इन सभी फिल्मों ने दर्शकों का खूब प्यार बटोरा। आपको बता दूं कि अजय देवगन की इस मैदान फिल्म की घोषणा पहली बार 2019 में की गई थी। पहले पोस्टर में अजय को नीली शर्ट–काली पैंट में हाथ में ऑफिस बैग के साथ दिखाया गया था, इस पोस्टर ने फैंस की उत्सुकता भी बढ़ा दी थी। अजय के चाहने वाले इस फिल्म का इंतजार बड़ी बेसब्री से कर रहे थे। फिल्म 11 अप्रैल को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यह हिंदी में बनी है।

स्रोतः चलो करें मतदान कॉमिक

असली राजा कौन?

राजा अजीत सिंह बहुत ही दयालु, दानवीर एवं रहमदिल इंसान था। उसके पास जो भी कोई मांग लेकर आता, वह यथासंभव मुक्त हस्त से उसकी मदद करता। यही वजह थी कि उसकी ख्याति दूर–दूर तक फैली हुई थी। कभी–कभी राजा की भलमनसाहत एवं उदार मन प्रवृत्ति का कुछ चालबाज लोग गलत फायदा उठाते, परंतु राजा था कि इस सबकी परवाह किए बगैर अपने कर्म के प्रति निष्ठङ्कावान था। कल्लू नाई जो नित्य राजा की हजामत बनाने आता था, वह राजा की सहज प्रवृति से वाकिफ था तथा आये दिन कोई नया दुखड़ा रोकर राजा का विश्वास एवं सहानुभूति प्राप्त कर सोने चांदी का उपहार ऐंठकर ले जाता। ऐसा हाल कल्लू नाई का ही नही वरन्ङ्क मंत्री–संतरी सहित आने वाले उन याचकों का भी होता था जो राजा के पास याचना लेकर आते और राजा निःस्वार्थ भावना से उनकी मांगें पूर्ण करते चला जाता था। लोग–बाग राजा द्वारा दिये गए धन सोने–चांदी की चमक देखते ही फूले नहीं समाते थे। राजा द्वारा दिये गये धन से संपन्न होने के बाद भी कल्लू नाई के लालच में कमी नही आई थी। अब तो उसके मन में राजा के प्रति कुछ और ही कुचक्र पनपने लगा था।

उसने सर्वप्रथम राजा का विश्वास अर्जित करने के लिये राजभवन में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों जैसे भ्रष्टङ्काचार, अन्याय एवं राजद्रोह जैसे मामलों से राजा को अवगत कराना शुरू किया। प्रत्येक मामले में वास्तविकता होने पर धीरे–धीरे वह राजा का अति विश्वासी व्यक्ति होता चला गया। विश्वसनीयता का आलम यह हो गया था कि राजा अपनी व्यक्तिगत एवं निजी मामलों से कल्लू नाई को अवगत कराता एवं उससे सलाह लेने लगा। एक प्रकार से अब कल्लू नाई राजा की आंख का तारा हो गया था। वहीं कुछ लोगों की नजरों में वह उनकी आंख की किरकिरी भी हो गया, परंतु उसे उन सबकी कोई परवाह नही थी, बस उसे तो एक उचित अवसर की तलाश थी जो शीघ्र मिल गया।

एक दिन राजा एकांत में बैठा था कि कल्लू नाई ने कक्ष में प्रवेश किया। राजा को चिंतामग्न देख कल्लू नाई ने कहा– राजन आप किस चिंता में डूबे हैं। राजा ने कहा कल्लू, रोज–रोज की राजनीति, प्रपंच एवं बखेड़ों से मुझे अब ऊब सी होने लगी है, सोचता हूं कुछ महीनों के लिये मैं रानी के साथ अज्ञातवास चला जाऊं, परंतु मेरे जाने से राज–काज पर इसका बुरा असर पड़ेगा। राजा के विचार सुन कल्लू नाई ने फौरन गरम लोहे पर चोट मारते हुए कहा– राजन तो इसमें चिंतित होने की क्या आवश्यकता है? आप राजदरबार में घोषणा करा दें कि मेरी अनुपस्थिति में संपूर्ण राजकाज का कार्य कल्लू यानि कि मैं देखूगां। बस, आपके आने तक मैं सब सम्हाल लूंगा। राजा को भी कल्लू नाई की बात उचित लगी, क्योंकि कल्लू नाई मंत्रियों के विरूद्घ पहले ही राजा के कान भर चुका था अतएव उन पर विश्वास करने का प्रश्न ही नही उठता था। एक दिन राजा ने राजदरबार में कल्लू नाई को कार्यवाहक राजा बनाने की घोषणा की एवं कुछ माह के लिए रानी के साथ अज्ञातवास को निकल पड़ा। लगभग छः साल का लंबा समय व्यतीत होने के पश्चात राजा अपनी रानी के साथ राज्य में वापिस पहुंचा, लेकिन इन छः साल के अंतराल में राज्य में परिवर्तन हो चुका था। कल्लू नाई ने राज्य का कार्य सम्हालने के पश्चात सर्वप्रथम मंत्रियों और अधिकारियों को भ्रष्टाचार की खुली छूट दे दी, जिससे वे असंतुष्टङ्क जो कल्लू नाई से मन में मैल रखते थे, खुश हो गए एवं कल्लू को अपना वास्तविक राजा मानने लगे। स्वभाविक था ऐसी स्थिति में राजा को महल में प्रवेश ही नहीं दिया गया। राजा के लाख जतन के बावजूद उसे प्रवेश न मिलने पर वह भी अपना सा मुंह लिए चला गया एवं राज्य के अंतिम छोर पर एक कुटिया बनाकर रानी सहित जिंदगी गुजारने लगा। धीरे–धीरे समय गुजरता गया। गरीबी और चिंता में राजा अजीत सिंह दुबला होता चला गया और इधर कल्लू नाई, जो अब राजा कमलसिंह के नाम से जाना जा रहा था, रात–दिन शराब एवं अय्याशी में डूबा रहता। राज्य के कर्मचारी भी भ्रष्टङ्काचार में लिप्त थे एवं प्रजाजन में एक प्रकार से अंसतोष व्याप्त था। इधर केंद्र सरकार को भी कर के रूप में मिलने वाला धन प्राप्त नही हो रहा था, सो एक दिन महाराज इंद्रजीत सिंह अपने लाव–लश्कर के साथ रवाना हुए। इसकी खबर जब वर्तमान राजा कमलसिंह उर्फ कल्लू नाई को लगी तो उसने भी महाराज की अगवानी हेतु संपूर्ण राज्य को रंग–बिरंगी पताकाओं एवं तोरण द्वारों से सजा दिया। महाराज इंद्रजीत के आगमन की सूचना जब राजा अजीत सिंह को लगी तो उन्होनें भी सीमांत के पूर्व एक स्थान पहुंचकर महाराजा से मिलने का निश्चय किया। निश्चित तिथि पर महाराज इंद्रजीतसिंह की सवारी पहुंची। राजधानी में प्रवेश के पूर्व ही राजा अजीत सिंह ने किसी तरह महाराज से भेंट की तथा वस्तुस्थिति से उन्हें अवगत कराया। राजा अजीत सिंह की बात सुनकर पहले महाराज इंद्रजीतसिंह चौंके फिर उन्हें राजा अजीतसिंह की सहजता पर बड़ा ही तरस आया। उन्होनें उनसे दूसरे दिन दरबार में उपस्थित होने का वादा लेकर राजधानी में प्रवेश किया। दूसरे दिन राजा अजीत सिंह ने खचाखच भरे राजदरबार में प्रवेश किया। राजा की कृशकाया एवं साधारण वेशभूषा देखकर किसी को उसके राजा होने की शंका भी नहीं हुई। इधर कल्लू नाई महाराज की जी–हुजूरी करते नही थक रहा था। संपूर्ण कर्म निपटाने के बाद महाराज ने प्रजा को संबोधित किया तथा प्रजा से उसके दुखों के निवारण हेतु खुला आमंत्रण दिया, परंतु वर्तमान राजा के भय से किसी ने साहस नही दिखाया, लेकिन राजा अजीत सिंह ने आगे बढ़कर कहा– महाराज मुझे आपसे कुछ कहना है। इतना सुनना था कि वर्तमान राजा के रूप में बैठा कल्लू नाई उर्फ राजा कमल सिंह चौंक पड़ा। उसने गौर से महाराज अजीत सिंह को देखा तो उसके तेवर फौरन बदल गए। उसने तुरंत लाल–पीली आंखें करते हुए सिपाहियों को आदेश दिया, ये कौन गुस्ताख है, इसे फौरन यहां से ले जाओ। इसके पूर्व सिपाही कोई हरकत में आते महाराज इंद्रजीत सिंह ने हस्तक्षेप किया। ठहरो, इसे अपनी बात कहने दो। तब अजीत सिंह ने कहा–महाराज मुझे इंसाफ चाहिए मैं यहां का असली राजा हूं, परंतु इस धूर्त नाई ने बड़ी चालाकी के साथ मेरे संपूर्ण राज्य में अपना आधिपत्य जमा रखा है। कहते हुए राजा ने एक बार पुनः संपूर्ण वृतांत उपस्थित जन समूह के समक्ष महाराज इंद्रजीत सिंह को सुना दिया। इस पर कल्लू नाई ने भी मनगढ़ंत कहानी गढ़कर महाराज को सुनायी तथा असली राजा होने की प्रबल दावेदारी पेश की। महाराज ने दोनों की बात सुनकर अगले दिन फैसला देने का निर्णय कर राजसभा को बर्खास्त किया।

आज महाराज इंद्रजीत सिंह सुबह काफी देर से सोकर उठे, वजह थी रात भर वह सोचते रहे कि राजा अजीत सिंह की वास्तविकता जनता के समक्ष कैसे लाएं। स्नान आदि से निवृत्त होकर वस्त्र धारण किये तथा सर में मुकुट धारण कर उन्होनें जूता पहनने के लिये सेवक को देखा, जो नदारद था। उन्होनें क्रोध भरे लहजे में सेवक को आवाज दी पर वह उपस्थित नहीं हुआ। इस पर वे खीझकर आसन पर बैठ गए। कुछ क्षण पश्चात सेवक ने घबराकर भागते हुए कक्ष में प्रवेश किया तथा अपनी विवशता बताकर क्षमा मांगने लगा। महाराज ने भी उसे कुछ नही कहा। जब सेवक उन्हें जूता पहना रहा था, सहसा उन्हें एक युक्ति सूझी– वे तत्काल अधिकारियों को राजदरबार में दो सिंहासनों सहित राजसी वेशभूषा, मुकुट तथा दो जोड़ी जूता रखने का आदेश देकर राजसभा की ओर चल पड़े। असली राजा कौन है इस उत्सुकता को लेकर भी राजसभा में खचाखच भीड़ उपस्थित थी। उन्होनें जनता एवं उपस्थित विशिष्टङ्कजनों से रूबरू होते हुए कहा– यह हमारे जीवन का बड़ा ही पेचीदा प्रकरण है कि एक पद के लिये दो दावेदार है। इसलिये हमने यह युक्ति निकाली है कि यहां रखे गये राजसी वेशभूषा को ग्रहण कर जो जल्दी आसन पर विराजमान होगा वही असली राजा माना जाएगा। इसके पश्चात उन्होने दोनों को राजसी वेशभूषा धारण करने की आज्ञा दी। कल्लू नाई झटपट वेशभूषा धारण कर आसन पर बैठकर मुस्कुराने लगा, परंतु राजा अजीत सिंह ने वस्त्र, मुकुट आदि तो धारण कर लिया, लेकिन जूता पहनने के वक्त वह इधर–उधर देखने लगे। तब कल्लू नाई बोला– देख लिया महाराज, असली राजा मैं ही हूं, मैं सर्वप्रथम राजसी वस्त्रादि धारण कर आसन में बैठा हूं, और इस धूर्त को जूता पहनने का सलीका भी नहीं है तो ऐसा व्यक्ति कैसे राजा हो सकता है? तब महाराजा इंद्रजीत सिंह ने कहा– धूर्त!

धूर्त ये नही बल्कि तुम हो, क्योंकि खानदानी राजा का गुण यह होता है, वह कभी झुककर जूता नही पहनता, उसे पहनाने के लिए एक सेवक होता है और तुम लोभी कहीं के, राजा की सहजता का अनुचित लाभ उठाकर राजाओं की बराबरी करने लगे। उन्होने कहा यदि अब भी तुमने झूठ का सहारा लेकर अपनी वास्तविकता छुपाने की चेष्टा की तो तुम्हे कठोर दंड भोगना पड़ेगा। महाराज की गुर्राहट का प्रभाव फौरन पड़ा। कल्लू नाई ने मिमियाते हुए वास्तविकता उगल दी तथा भविष्य में ऐसा न करने की कसम खाकर राज्य से दूर चला गया। इस प्रकार जनता को उनका असली राजा मिल गया एवं राजा ने इस घटना के पश्चात किसी पर भी सहजतापूर्वक विश्वास न करने का व्रत लिया।

उत्तर प्रदेश के 12 जिलों में दूषित जल के शोधन के लिये कोई सुविधा नहीं : एनजीटी

नयी दिल्ली, उत्तर प्रदेश के 22 जिलों में गंगा और उसकी सहायक नदियों में दूषित जल के शोधन में व्यापक अंतर है, जबकि 12 जिलों में कोई शोधन सुविधा मौजूद नहीं है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) यह टिप्पणी करते हुए संबंधित अधिकारियों से 'शीघ्रतापूर्वक' सुधारात्मक उपाय करने को कहा। एनजीटी ने गंगा और उसकी सहायक नदियों में प्रदूषण कम करने के मामले पर सुनवाई की। इससे पहले उसने उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड से नदी के प्रदूषण पर विशेष जानकारी मांगी थी। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश द्वारा एक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, जिसमें 23 जिलों की जानकारी दी गई थी। इनमें बागपत, बुलन्दशहर, बलिया, मथुरा, सहारनपुर, ललितपुर, गोंडा, हमीरपुर, हाथरस, मऊ, अलीगढ, बरेली, एटा, जालौन, कासगंज, अंबेडकर नगर, शाहजहांपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, अमेठी, हरदोई, गाजीपुर और अयोध्या शामिल है। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति सुधीर अग्रवाल और न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, ''जिला कासगंज को छोड़कर सभी 23 जिलों में दूषित जल शोधन में व्यापक अंतर है, जिसे सत्यापित किया जाना बाकी है।'' एनजीटी ने 16 अप्रैल के आदेश में कहा, ''बलिया, ललितपुर, गोंडा, हमीरपुर, हाथरस, जालौन, मऊ, अंबेडकर नगर, शाहजहांपुर, अमेठी, हरदोई और गाजीपुर में सीवेज शोधन की कोई सुविधा मौजूद नहीं है।'' अधिकरण ने पाया कि गंगा के प्रदूषण में सबसे अधिक योगदान देने वाले वाराणसी, प्रयागराज, फर्रुखाबाद, कानपुर, उन्नाव और मिर्ज़ापुर जिलों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। एनजीटी ने कहा कि गंगा की प्रदूषित सहायक नदियां काली (पूर्व और पश्चिम), कृष्णा, हिंडन, बेतवा, सहजवाल, बिशुई, मनहरण, रामगंगा, अरिल, पश्चिम और पूर्व बेगुल, किच्छा, करवन, पहुज, तमसा, सरयू, गर्रा, सई, खन्नौत और गोमती हैं।

भारत में पशुओं में लंपी बीमारी के लिए जिम्मेदार वायरस का विश्लेषण किया गया: आईआईएससी

बेंगलुरु, (भाषा) भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) ने कहा है कि एक बहु–संस्थागत टीम ने मवेशियों में लंपी बीमारी के प्रसार वाले वायरस के उपस्वरूपों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की है। मई 2022 में, भारत में बड़ी संख्या में लंपी बीमारी से पशुओं की मौतें हुई थीं। इस बीमारी में मवेशियों की त्वचा पर गांठ की तरह के बड़े–बड़े दाने निकल आते हैं। बेंगलुरु स्थित आईआईएससी ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि लंपी बीमारी के प्रसार के बाद से लगभग 1,00,000 गायों की बीमारी से मौत हुई है। आईआईएससी के जैव रसायन विभाग के प्रोफेसर उत्पल टाटू ने कहा, ''यह कुछ मायनों में एक आपदा थी।'' टाटू उस बहु–संस्थागत टीम का हिस्सा हैं, जिसने रोग के प्रकोप के कारण की जांच करने का फैसला किया। आईआईएससी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि उनका अध्ययन 'बीएमसी जीनो. मिक्स' में प्रकाशित हुआ था। लंपी स्किन डिजीज वायरस (एलएसडीवी) वायरल संक्रमण है, जो मक्खियों और मच्छरों जैसे कीट–पतंगों द्वारा फैलता है। यह बुखार और त्वचा पर गांठों का कारण बनता है और मवेशियों के लिए जानलेवा हो सकता है। पहली बार 1931 में जाम्बिया में एलएसडीवी का पता चला था और 1989 तक यह उप–अफ्रीकी क्षेत्र तक ही सीमित रहा। मध्य पूर्व, रूस और अन्य दक्षिण–पूर्व यूरोपीय देशों में फैलने के बाद इसका प्रसार दक्षिण एशिया में हुआ। विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारत में इस बीमारी के दो बड़े प्रकोप हुए हैं, पहला 2019 में और 2022 में अधिक गंभीर प्रकोप, जिससे 20 लाख से अधिक गायें संक्रमित हुईं। वर्तमान प्रकोप की जांच करने के लिए, टीम ने पशु चिकित्सा संस्थानों के सहयोग से गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों में संक्रमित मवेशियों से त्वचा की गांठें, रक्त और नाक के नमूने एकत्र किए। उन्होंने 22 नमूनों से निकाले गए डीएनए की उन्नत संपूर्ण–जीनोम अनुक्रमण का विश्लेषण किया। आईआईएससी में पीएचडी छात्र और अध्ययन के सह लेखक अंकित कुमार ने कहा, ''सबसे बड़ी चुनौती एक स्थापित एलएसडीवी जीनोम अनुक्रमण और विश्लेषण की कमी थी। हमें कोविड–19 अनुसंधान से तकनीकों को अपनाना था।''

इस आम चुनाव में बदलाव की 'खामोश लहर' चल रही है : सचिन पायलट

जयपुर, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को कहा कि इस आम चुनाव में लोगों में परिवर्तन की टीस दिख रही है और बदलाव की 'खामोश लहर' चल रही है। पायलट ने टोंक में संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव में पिछड़ रही है। राजस्थान में पहले चरण में कम मतदान से जुड़े एक सवाल के जवाब में पायलट ने कहा, ''मैं राजस्थान के कई जिलों में गया हूं...देश के कई राज्यों में गया हूं...हर जगह मुझे लोगों में एक बदलाव की टीस दिख रही है और जो सुगबुगाहट चल रही है...खामोश लहर चल रही है.. वो बदलाव की है। भाजपा जो दावे कर रही है, उससे वह बहुत पीछे रह जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''पहले चरण के मतदान के बाद जो प्रतिक्रिया मिल रही है उसे देखकर और भाजपा नेताओं के भाषणों को देखकर मुझे लग रहा है कि कहीं न कहीं भाजपा आज पिछड़ रही है। जनता संतुष्ट नहीं है और मैं मानता हूं यह चुनाव एक बदलाव का चुनाव है।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''ना सिर्फ राजस्थान में बल्कि समूचे देश में जहां भी 'इंडिया' गठबंधन चुनाव लड़ रहा है वहां पर हमारे उम्मीदवारों को बढ़त मिल रही है।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा, ''पिछले दो तीन दिन में जो धारणा बनी है वह बड़ी अचंभे वाली है और मुझे लगता है जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को इस प्रकार की शब्दावली का... इस प्रकार की भाषा का उपयोग नहीं करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हमें तो किसान, नौजवान, विकास, उन्नति, उद्योग, निवेश और एक बेहतर भारत बनाने की बात करनी चाहिए। हम चर्चा अगर करते हैं तो वही मंदिर–मस्जिद और मंगलसूत्र...इस तरह की बातें करके मुझे लगता है कि भावनाओं को भड़काने का काम हो रहा है। कहीं ना कहीं इस चीज से परहेज करना चाहिए।'' राजस्थान के बांसवाड़ा में रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि कांग्रेस की योजना लोगों की गाढ़ी कमायी और संपत्ति ''घुसपैठियों'' तथा ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले लोगों को देने की है। मोदी ने कहा था, ''ये अर्बन नक्सल वाली सोच.... मेरी माताओ– बहनों ये आपका मंगलसूत्र भी बचने नहीं देंगे।

रैपिडो मतदान के दिन कर्नाटक में वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग मतदाताओं को देगी मुफ्त सेवाएं

नयी दिल्ली, (भाषा) ऑनलाइन टैक्सी बुकिंग की सुविधा देने वाली कंपनी रैपिडो ने अपनी 'सवारी जिम्मेदारी की' पहल के तहत कर्नाटक में मतदान के दिन दिव्यांग तथा वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को मुफ्त बाइक टैक्सी, ऑटो और कैब मुहैया कराने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, बेंगलुरु, मैसूरु और मंगलुरु में मतदाता 'वीओटीई एनओडब्ल्यू (वोट नाउ) कोड का इस्तेमाल करके 26 अप्रैल को मतदान केंद्रों तक मुफ्त यात्रा का लाभ उठा सकेंगे। रैपिडो ने एक बयान में कहा, '' भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) और बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के सहयोग से रैपिडो बेंगलुरु में दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं को मुफ्त ऑटो तथा कैब की सवारी प्रदान करके आम चुनाव 2024 में नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।'' रैपिडो के सह–संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने कहा कि इस कदम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांग तथा वरिष्ठ मतदाताओं को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने के लिए समान अवसर मिल पाए।

मैंने 14 साल तक खेत में मजदूरी की, 'पद्मश्री' जैसे सम्मान के बारे में सोचा भी नहीं था: बामनिया

इंदौर (मध्यप्रदेश), (भाषा) 'पद्मश्री' से अलंकृत लोक गायक कालूराम बामनिया कभी खेतिहर मजदूर थे और तब उन्होंने यह कल्पना तक नहीं की थी कि उन्हें यह प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान मिल सकता है। बामनिया उन हस्तियों में शामिल हैं जिन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में सोमवार को आयोजित समारोह में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। बामनिया ने इंदौर प्रेस क्लब में मंगलवार को संवाददाताओं से कहा,''मैंने 14 साल तक एक खेत में मजदूरी की है। मैं तो अपनी मस्ती में डूबकर गाता रहता था। तब मैंने कल्पना तक नहीं की थी कि मुझे पद्मश्री जैसा कोई बड़ा सम्मान मिल सकता है।'' बामनिया, इंदौर के पड़ोसी देवास जिले के रहने वाले हैं। वह पश्चिमी मध्यप्रदेश की मालवी बोली में कबीर वाणी गाने के लिए मशहूर हैं। उनके प्रशंसक उन्हें ''मालवा का कबीर'' भी कहते हैं। बामनिया ने कहा,''पद्मश्री मिलने से मेरे जीवन में जैसे नया सूरज उगा है। मैं खुश हूं कि मुझे पद्मश्री के रूप में मेरे काम का प्रतिफल मिला। यह सम्मान समूचे मालवा अंचल का सम्मान है।'' उन्होंने बताया कि जब वह खेत में मजदूरी करते थे तब उनके पास साइकिल भी नहीं थी। बामनिया याद करते हैं,''उस जमाने में इंदौर के क्षिप्रा कस्बे में हर महीने की दो तारीख को भजनों का कार्यक्रम होता था। मुझे भी इस कार्यक्रम में गाने का न्योता मिलता था। मैं अपने घर से साढ़े पांच किलोमीटर पैदल चलकर इसमें गाने के लिए जाता था।'' बामनिया ने बताया कि वह अपनी पत्नी को इतनी दूर पैदल नहीं ले जा सकते थे जिन्हें घर में अकेले रहने में डर लगता था। उन्होंने कहा,''३इसलिए मैं अपने घर के दरवाजे की बाहर से कुंडी लगाकर कार्यक्रम में जाता था। इस दौरान मेरी पत्नी घर में ही रहती थीं और मैं दो भजन गाकर जल्द से जल्द घर लौट आता था।'' बामनिया ने एक सवाल पर कहा,''सांप्रदायिक माहौल तो आदिकाल से चल रहा है, लेकिन मुझ जैसे कबीर अनुयायी इससे कतई नहीं डरते और अपना काम करते रहते हैं। हम हमेशा निर्भीकता से अपनी बात कहते हैं।'' उन्होंने यह भी कहा,''कबीर ने हमेशा जातियों, धर्मों और सम्प्रदायों से ऊपर उठकर बात की। उन्होंने मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने की बात की। मौजूदा वक्त में कबीर वाणी के प्रसार की बहुत जरूरत है।''

गहलोत के पूर्व ओएसडी ने कहा, आडियो क्लिप तत्कालीन मुख्यमंत्री ने दी थीं

जयपुर, (भाषा) पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के तत्कालीन विशेषाधिकारी (ओएसडी) और कांग्रेस नेता लोकेश शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि पार्टी की पिछली सरकार को गिराने की साजिश के संबंध में गजेंद्र सिंह शेखावत और कांग्रेस नेताओं के बीच टेलीफोन पर कथित बातचीत के तीन ऑडियो क्लिप तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उन्हें मीडिया में प्रसारित करने के लिए एक पेन ड्राइव में दिए थे। लोकेश ने इस मुद्दे को लेकर यहां पत्रकारों से बात की और कथित पेन ड्राइव और लैपटॉप दिखाया। उन्होंने दावा किया कि गहलोत ने उन्हें एक पेन ड्राइव दी थी जिसमें तीन ऑडियो क्लिप थी । लोकेश के अनुसार इन क्लिप को लैपटॉप के जरिए अपने मोबाइल फोन में डाला और मीडिया में प्रसारित किया। जालोर लोकसभा सीट पर अपने बेटे वैभव गहलोत के लिए प्रचार कर रहे पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत से टिप्पणी के लिए तुरंत संपर्क नहीं किया जा सका। लोकेश ने मीडिया को पेन ड्राइव दिखाते हुए दावा किया,"मुझे सोशल मीडिया से ऑडियो क्लिप नहीं मिली। तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस पेन ड्राइव के माध्यम से मुझे ये सभी ऑडियो क्लिप दिए थे और इसे मीडिया में प्रसारित करने के लिए कहा था। मैंने उनके निर्देशों का पालन किया।श्श अब तक लोकेश यह कहते रहे हैं कि उन्हें ये कथित क्लिप सोशल मीडिया के जरिए मिली थी, जिसे उन्होंने आगे मीडिया को भेज दिया था। अब उन्होंने क्लिप उपलब्ध कराने के लिए सीधे तौर पर गहलोत को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की शिकायत पर 25 मार्च 2021 को लोकेश शर्मा के खिलाफ आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात और गैरकानूनी तरीके से बातचीत को रिकॉर्ड करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी।

लोकेश ने प्राथमिकी रद्द करने की मांग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने तीन जून 2021 को शर्मा के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी जो अभी जारी है। लोकेश पूछताछ के लिए दिल्ली पुलिस के समक्ष पेश हो चुके हैं। लोकेश ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने गहलोत के निर्देशों का पालन करना अपना कर्तव्य समझा और अपराध शाखा द्वारा पूछताछ के बावजूद ऑडियो क्लिप के स्रोत का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था तो उन्हें गहलोत ने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया था, लेकिन उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया और मामले और पूछताछ के कारण उन्हें मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, "16 जुलाई 2020 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जयपुर–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित होटल फेयरमोंट आए जहां राजनीतिक संकट के बाद उनके खेमे के कांग्रेस विधायक ठहरे हुए थे। वह शाम करीब चार बजे होटल से निकले। बाद में मुझे गहलोत के पीएसओ रामनिवास का फोन आया कि गहलोत मुझे मुख्यमंत्री आवास पर बुला रहे हैं। शर्मा ने दावा किया, "जब मैं मुख्यमंत्री आवास पहुंचा, तो गहलोत ने मुझे यह पेन ड्राइव दी जिसमें तीन ऑडियो क्लिप थे और एक कागज दिया जिसमें ऑडियो क्लिप की प्रतिलिपि थी। उन्होंने मुझसे इसे मीडिया में प्रसारित करने के लिए कहा।"

एडीडी और एडीएचडी में क्या अंतर है?

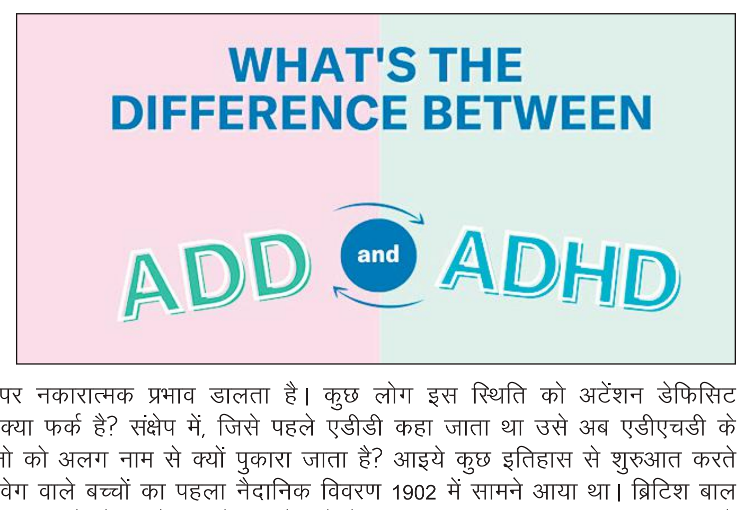

मेलबर्न, (द कन्वरसेशन) लगभग 20 लोगों में से एक को अटेंशन–डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) होता है। यह बचपन में सबसे आम न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों में से एक है और अक्सर बड़े होने पर भी बना रहता है। एडीएचडी का निदान तब किया जाता है जब लोगों को असावधानी और/या अतिसक्रियता और आवेग की समस्याओं का अनुभव होता है जो स्कूल या काम, सामाजिक ढांचे और घर पर उन पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। कुछ लोग इस स्थिति को अटेंशन डेफिसिट डिसआर्डर या एडीडी कहते हैं। तो क्या फर्क है? संक्षेप में, जिसे पहले एडीडी कहा जाता था उसे अब एडीएचडी के नाम से जाना जाता है। तो फिर दोनो को अलग नाम से क्यों पुकारा जाता है? आइये कुछ इतिहास से शुरुआत करते हैं असावधानी, अतिसक्रियता और आवेग वाले बच्चों का पहला नैदानिक विवरण 1902 में सामने आया था। ब्रिटिश बाल रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर जॉर्ज स्टिल ने 43 बच्चों के अपने अवलोकन के बारे में व्याख्यान की एक श्रृंखला प्रस्तुत की, जो उद्दंड, आक्रामक, अनुशासनहीन और बेहद भावुक या संवेदनशील थे। तब से, स्थिति के बारे में हमारी समझ विकसित हुई और इसने मानसिक विकारों के निदान और सांख्यिकीय मैनुअल में अपना स्थान बनाया, जिसे डीएसएम के रूप में जाना जाता है। मानसिक स्वास्थ्य और न्यूरोडेवलपमेंटल स्थितियों का निदान करने के लिए चिकित्सक डीएसएम का उपयोग करते हैं। 1952 में प्रकाशित पहले डीएसएम में किसी विशिष्ट संबंधित बच्चे या किशोर श्रेणी को शामिल नहीं किया गया था। लेकिन 1968 में प्रकाशित दूसरे संस्करण में युवा लोगों में व्यवहार संबंधी विकारों पर एक खंड शामिल था। इसने एडीएचडी–प्रकार की विशेषताओं को ''बचपन या किशोरावस्था की हाइपरकिनेटिक प्रतिक्रिया'' के रूप में संदर्भित किया। इसमें विकार वाले बच्चों की अत्यधिक, अनैच्छिक गतिविधियों का वर्णन किया गया है।

1980 के दशक की शुरुआत में, तीसरे डीएसएम ने ''अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर'' नामक एक शर्त जोड़ी, जिसमें दो प्रकारों को सूचीबद्ध किया गयारू हाइपरएक्टिविटी (एडीडीएच) के साथ अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर और हाइपरएक्टिविटी के बिना उपप्रकार के रूप में अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर। हालाँकि, सात साल बाद, एक संशोधित डीएसएम (डीएसएम–प्प्प्–आर) ने एडीडी (और इसके दो उप–प्रकार) को एडीएचडी से बदल दिया और आज हमारे पास तीन उप–प्रकार हैं–

मुखर रूप से लापरवाहः

मुखर रूप से अतिसक्रिय–आवेगी

दोनो।

एडीडी को एडीएचडी में क्यों बदलें?: एडीएचडी ने कई कारणों से 1987 में डीएसएम–प्प्प्–आर में एडीडी को प्रतिस्थापित कर दिया। सबसे पहले अतिसक्रियता की उपस्थिति या अनुपस्थिति पर विवाद और बहस थीरू एडीएचडी में ''एच''। जब प्रारंभ में एडीडी को नाम दिया गया था, तो दो उप–प्रकारों के बीच समानताएं और अंतर निर्धारित करने के लिए बहुत कम शोध किया गया था। अगला मुद्दा ''ध्यान–कमी'' शब्द के आसपास था और क्या ये कमी दोनों उप–प्रकारों में समान या भिन्न थी। इन अंतरों की सीमा के बारे में भी प्रश्न उठेरू यदि ये उप–प्रकार इतने भिन्न थे, तो क्या वे वास्तव में भिन्न स्थितियाँ थीं? इस बीच, असावधानी पर एक नए फोकस (''ध्यान की कमी'') ने माना कि असावधान व्यवहार वाले बच्चे आवश्यक रूप से विघटनकारी और चुनौतीपूर्ण नहीं हो सकते हैं, लेकिन उनके भुलक्कड़ और दिवास्वप्न देखने वाले होने की अधिक संभावना है।

कुछ लोग एडीडी शब्द का उपयोग क्यों करते हैं?: 1980 के दशक में निदान में वृद्धि हुई थी। तो यह समझ में आता है कि कुछ लोग अभी भी एडीडी शब्द पर कायम हैं। कुछ लोग इसे आदत के कारण एडीडी के रूप में पहचान सकते हैं, क्योंकि मूल रूप से उनका यही निदान किया गया था या क्योंकि उनमें अतिसक्रियता/आवेग के लक्षण नहीं हैं। अन्य लोग जिन्हें एडीएचडी नहीं है, वे उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं जो उन्होंने 80 या 90 के दशक में देखा था, बिना यह जाने कि शब्दावली बदल गई है।

वर्तमान में एडीएचडी का निदान कैसे किया जाता है? :

डीएसएम–5 में उल्लिखित एडीएचडी के तीन उप–प्रकार हैं– मुखर रूप से असावधान। असावधान उप–प्रकार वाले लोगों को एकाग्रता बनाए रखने में कठिनाई होती है, वे आसानी से विचलित और भुलक्कड़ हो सकते हैं, अक्सर चीजें खो देते हैं, और विस्तृत निर्देशों का पालन करने में असमर्थ होते हैं। मुखर रूप से अति सक्रिय–आवेगी। इस उप–प्रकार वाले लोगों को स्थिर रहना कठिन लगता है, संरचित स्थितियों में टिक कर नहीं बैठते हैं, बार–बार दूसरों को बाधित करते हैं, बिना रुके बात करते हैं और इन्हें खुद पर कोई काबू नहीं होता है। इन दोनो के संयुक्त उप–प्रकार वाले लोग उन दोनो तरह के लोगों की विशेषताओं का अनुभव करते हैं जो असावधान और अतिसक्रिय–आवेगी होते हैं। बच्चों और वयस्कों में एडीएचडी का निदान लगातार बढ़ रहा है। और जबकि एडीएचडी का निदान आमतौर पर लड़कों में किया जाता था, हाल ही में हमने इसके निदान वाली लड़कियों और महिलाओं की संख्या में वृद्धि देखी है।

(कैथी गिब्स, बैचलर ऑफ एजुकेशन में कार्यक्रम निदेशक, ग्रिफिथ यूनिवर्सिटी)

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर रविशंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा

नयी दिल्ली, सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी रविशंकर का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, केंद्र सरकार ने टी रविशंकर को तीन मई, 2024 से एक साल की अवधि के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर के रूप में फिर से नियुक्त किया है। रविशंकर को मई, 2021 में तीन साल के लिए आरबीआई का डिप्टी गवर्नर बनाया गया था। वह 1990 में आरबीआई में शामिल हुए थे और उन्होंने बीते वर्षों के दौरान केंद्रीय बैंक में विभिन्न पदों पर काम किया। डिप्टी गवर्नर के पद पर पदोन्नत होने से पहले वह रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक थे। उन्होंने सरकारी बॉन्ड बाजार और ऋण प्रबंधन के संबंध में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के सलाहकार (2005–11) के रूप में भी काम किया। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एमफिल की उपाधि हासिल की हुई है।

अमेरिका, चीन की नौसेना के अधिकारियों ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र की चुनौतियों पर चर्चा की

बीजिंग, ताइवान और दक्षिण चीन सागर को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और चीन की नौसेना के शीर्ष अधिकारियों ने बुधवार को चीन में एक बैठक की और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में ''बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों'' पर चर्चा की। अमेरिकी पैसिफिक फ्लीट के कमांडर एडमिरल स्टीफन कोहलर ने तटीय शहर किंगदाओ में चीनी नौसेना द्वारा आयोजित की जा रही 19वीं पश्चिमी प्रशांत नौसेना संगोष्ठी के मौके पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) के राजनीतिक आयुक्त एडमिरल युआन हुआजी से मुलाकात की। अमेरिकी पैसिफिक फ्लीट के एक बयान में कहा गया है कि कोहलर ने युआन से मुलाकात कर हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की। बयान के अनुसार दो दिन पहले कोहलर ने चीन की नौसेना के कमांडर एडमिरल हू झोंगमिंग से मुलाकात की थी। हांगकांग के अखबार 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने एक बयान के हवाले से अपनी खबर में कहा कि चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के अधिकारियों के साथ बैठक में कोहलर ने क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को लेकर चर्चा की। चीन दक्षिण चीन सागर के ज्यादातर हिस्से पर अपना दावा करता है। फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान भी दावा करते हैं। शीर्ष अमेरिकी और चीनी अधिकारियों के बीच बैठक उस वक्त हुई जब अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन वाशिंगटन और बीजिंग के बीच कई विवादित मुद्दों पर चीनी नेतृत्व के साथ बातचीत करने के लिए चीन पहुंचे।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत घटकर 665.5 करोड़ रुपये

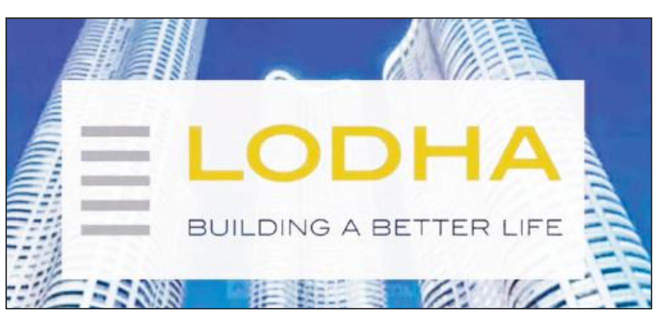

नयी दिल्ली, रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स का जनवरी–मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 665.5 करोड़ रुपये रहा। श्लोढ़ाश ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। हालांकि, कंपनी का समूचे वित्त वर्ष 2023–24 में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर तीन गुना होकर 1,549.1 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का 2022–23 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 744.4 करोड़ रुपये और पूरे वित्त वर्ष 2022–23 में 486.7 करोड़ रुपये रहा था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,083.9 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,271.7 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी की कुल आय बढ़कर 10,469.5 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2022–23 में यह 9611.2 करोड़ रुपये थी।

बाइडन ने यूक्रेन, इजराइल और ताइवान को युद्ध सहायता भेजने संबंधी विधेयक पर हस्ताक्षर किए

वाशिंगटन, (एपी) अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन, इजराइल और ताइवान को युद्ध सहायता के तौर पर 95 अरब अमेरिकी डॉलर भेजने संबंधी विधेयक पर बुधवार को हस्ताक्षर कर दिए। यूक्रेन को सहायता भेजने को लेकर संसद में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों के विरोध के बीच इस विधेयक को मंजूरी मिली थी। बाइडन ने हस्ताक्षर की घोषणा करते हुए व्हाइट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''इस समय ऐसा करना जरूरी था। हमने साथ आकर ऐसा कर दिया। अब, हमें तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है और हम बढ़ रहे हैं।''हालांकि, अगस्त में वित्तपोषण को लेकर गतिरोध के चलते रूस का सामना करने के लिये यूक्रेन को मदद भेजने के बाइडन प्रशासन के प्रयासों को काफी नुकसान पहुंचा है। उस समय डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता बाइडन ने यूक्रेन को सहायता पहुंचाने के लिए पहले आपात पैकेज का अनुरोध किया था। नए हथियारों और गोला–बारूद मिलने के बावजूद, यह संभावना नहीं है कि यूक्रेन महीनों की असफलताओं के बाद अब जल्द ही युद्ध में बढ़त हासिल कर पाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, बाइडन ने कहा कि सहायता राशि का हस्तांतरण "कुछ ही घंटों" में शुरू हो जाएगा,

भारत का औषधि निर्यात 2023–24 में 10 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब डॉलर पर

नयी दिल्ली, देश का औषधि निर्यात वित्त वर्ष 2023–24 में सालाना आधार पर 9.67 प्रतिशत बढ़कर 27.9 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022–23 में निर्यात 25.4 अरब डॉलर था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च माह में दवा निर्यात 12.73 प्रतिशत बढ़कर 2.8 अरब डॉलर हो गया। वित्त वर्ष 2023–24 में इस क्षेत्र के लिए शीर्ष पांच निर्यात बाजार अमेरिका, ब्रिटेन, नीदरलैंड, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील थे। भारत के कुल औषधि निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 31 प्रतिशत से अधिक रही। एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि अमेरिका जैसे देशों में बढ़ते बाजार अवसरों और मांग से निर्यात को मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज करने में मदद मिल रही है।

विशेषज्ञों ने कहा कि भारत का दवा उद्योग का कारोबार 2030 तक 130 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। बाजार के अवसरों के विस्तार तथा विदेशी बाजारों में बढ़ती मांग के दम पर यह हो पाएगा। वित्त वर्ष 2022–23 में कारोबार 50 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा था। भारत औसतन हर महीने दो से तीन अरब डॉलर के औषधि उत्पादों का निर्यात करता है। देश का दवा उद्योग दुनिया में मात्रा के हिसाब से तीसरा सबसे बड़ा और मूल्य के हिसाब से 13वां सबसे बड़ा उद्योग है, जो 60 चिकित्सीय श्रेणियों में 60,000 से अधिक जेनेरिक दवाओं का उत्पादन करता है।

अमेरिकी संसद से यूक्रेन, इजराइल,ताइवान और हिंद प्रशांत क्षेत्र के लिए 95.3 अरब डॉलर का पैकेज मंजूर

वाशिंगटन, (भाषा) अमेरिकी संसद ने यूक्रेन और इजराइल को मदद देने तथा ताइवान समेत हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए 95.3 अरब अमेरिकी डॉलर का सहायता पैकेज देने के पक्ष में बड़ी संख्या में मतदान किया। संसद में मंगलवार रात को सहायता पैकेज को मिली मंजूरी से महीनों से जारी उस अनिश्चितता की स्थिति समाप्त हो गई कि क्या अमेरिका रूस के आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन की मदद जारी रखेगा या नहीं। विधेयक के पक्ष में 79 और विरोध में 18 वोट पड़े। प्रतिनिधि सभा द्वारा पारित किया गया विधेयक राष्ट्रपति जो बाइडन के पास भेजा गया है। बाइडन ने एक बयान में कहा,'' मैं विधेयक पर हस्ताक्षर करूंगा जिससे यह कानून बने ताकि हम इसी सप्ताह से यूक्रेन को हथियार तथा साजो सामान भेज सकें।''

एलआईसी ने उसके ब्रांड नाम, प्रतीक चिन्ह वाले भ्रामक विज्ञापनों को लेकर किया आगाह

नयी दिल्ली, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीर, कंपनी के ब्रांड नाम तथा प्रतीक चिन्ह का दुरुपयोग करके सोशल मीडिया मंचों पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन देने में शामिल कुछ लोगों/संस्थाओं के खिलाफ लोगों को बुधवार को आगाह किया। एलआईसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पॉलिसीधारकों और जनता से सावधानी बरतने और ऐसी हर चीज की प्रामाणिकता की जांच करने को कहा है। निगम ने सार्वजनिक नोटिस में कहा, '' यह हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ लोग और संस्थाएं हमारी सहमति के बिना हमारे वरिष्ठ अधिकारियों या पूर्व अधिकारियों की तस्वीर, हमारे ब्रांड नाम तथा प्रतीक चिन्ह का दुरुपयोग करके विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर धोखाधड़ी वाले विज्ञापन दे रहे हैं। हम ऐसी भ्रामक गतिविधियों को लेकर जनता को सचेत करना चाहते हैं।'' नोटिस में जनता से एलआईसी के आधिकारिक सोशल मीडिया खातों पर ऐसे धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों के 'यूआरएल लिंक' की जानकारी देने को भी कहा गया। एलआईसी ने कहा, '' हम बिना अनुमति के हमारे ब्रांड का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे।'' निगम ने कहा कि यह सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध हैं कि पॉलिसीधारक और आम जनता ऐसे भ्रामक विज्ञापनों से गुमराह न हों।

निप्पॉन लाइफ का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 73 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड का जनवरी–मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 73 प्रतिशत बढ़कर 343 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का अभी तक का यह सबसे अधिक मुनाफा है। कंपनी का पिछले साल समान तिमाही में शुद्ध लाभ 198 करोड़ रुपये था। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 560.57 करोड़ रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2022–23 की चौथी तिमाही में यह 388.03 करोड़ रुपये थी। इस मजबूत बढ़त के बाद कंपनी के शेयर बीएसई में दिन में कारोबार के दौरान 11 प्रतिशत बढ़कर 623.40 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड का परिसंपत्ति प्रबंधक है। कंपनी की मार्च 2024 तक प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) 5.24 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड का 4.31 लाख करोड़ रुपये का परिसंपत्ति आधार शामिल है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में घटकर 2,561 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली, (भाषा) दैनिक उपभोग का सामान बनाने वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. (एचयूएल) का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की जनवरी–मार्च तिमाही में 1.53 प्रतिशत घटकर 2,561 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022–23 की समान तिमाही में 2,601 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एचयूएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आलोच्य तिमाही में शुद्ध बिक्री लगभग स्थिर होकर 15,013 करोड़ रुपये रही। कुल खर्च मार्च तिमाही में 1.15 प्रतिशत बढ़कर 12,100 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले 11,962 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि बीती तिमाही में उसकी कुल आय 15,441 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले की इसी तिमाही में 15,375 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2023–24 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 10,282 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2022–23 में 10,143 करोड़ रुपये था। कंपनी की कुल आय बीते वित्त वर्ष 62,707 करोड़ रुपये रही जो एक साल साल पहले 2022–23 में 61,092 करोड़ रुपये थी। इस बीच, एचयूएल के निदेशक मंडल ने बुधवार को हुई बैठक में एक रुपये के अंकित मूल्य वाले शेयर पर 24 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए साधारण आमसभा में शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। बयान के मुताबिक, '' प्रति शेयर 18 रुपये के अंतरिम लाभांश के साथ वर्ष के लिए कुल लाभांश 42 रुपये प्रति शेयर हो गया। यह वित्त वर्ष 2022–23 की तुलना में आठ प्रतिशत अधिक है।'' एचयूएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक रोहित जावा ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023–24 में ''जुझारू प्रदर्शन'' किया। उन्होंने कहा, ''हम परिचालन उत्कृष्टता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ब्रांड और दीर्घकालिक क्षमताओं में निवेश को बढ़ाते हुए हमने अपने सकल मार्जिन को बढ़ाना जारी रखा है। सामान्य मानसून और बेहतर व्यापक–आर्थिक संकेतकों से भविष्य में उपभोक्ता मांग में धीरे–धीरे सुधार की आशा है।''

रीट, इनविट ने चार साल में 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए : आरबीआई आंकड़े

नयी दिल्ली, (भाषा) रियल्टी और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के निवेश साधनों – रीट और इनविट – ने मार्च के अंत तक पिछले चार साल में 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक रिपोर्ट में कहा कि इन निवेश साधनों में और अधिक निवेश आने की उम्मीद है। विशेषज्ञों और संबंधित पक्षों का मानना है कि भारत की तेज गति से वृद्धि के साथ, रीट और इनविट वैकल्पिक निवेश साधनों के रूप में उभर रहे हैं। खासकर अधिक धनी व्यक्तियों के बीच इनकी लोकप्रियता बढ़ रही है। आरबीआई के अप्रैल बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थितिश विषय पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है, भारत ने रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) को देर से अपनाया, हालांकि अब इनका बाजार बढ़ रहा है। लेख के मुताबिक, रीट और इनविट ने 2019–20 से (मार्च 2024 तक) 1.3 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। इस साल मार्च में एक इनविट सूचीबद्ध हुआ, जिसने सार्वजनिक निर्गम के जरिए 2,500 करोड़ रुपये जुटाए।

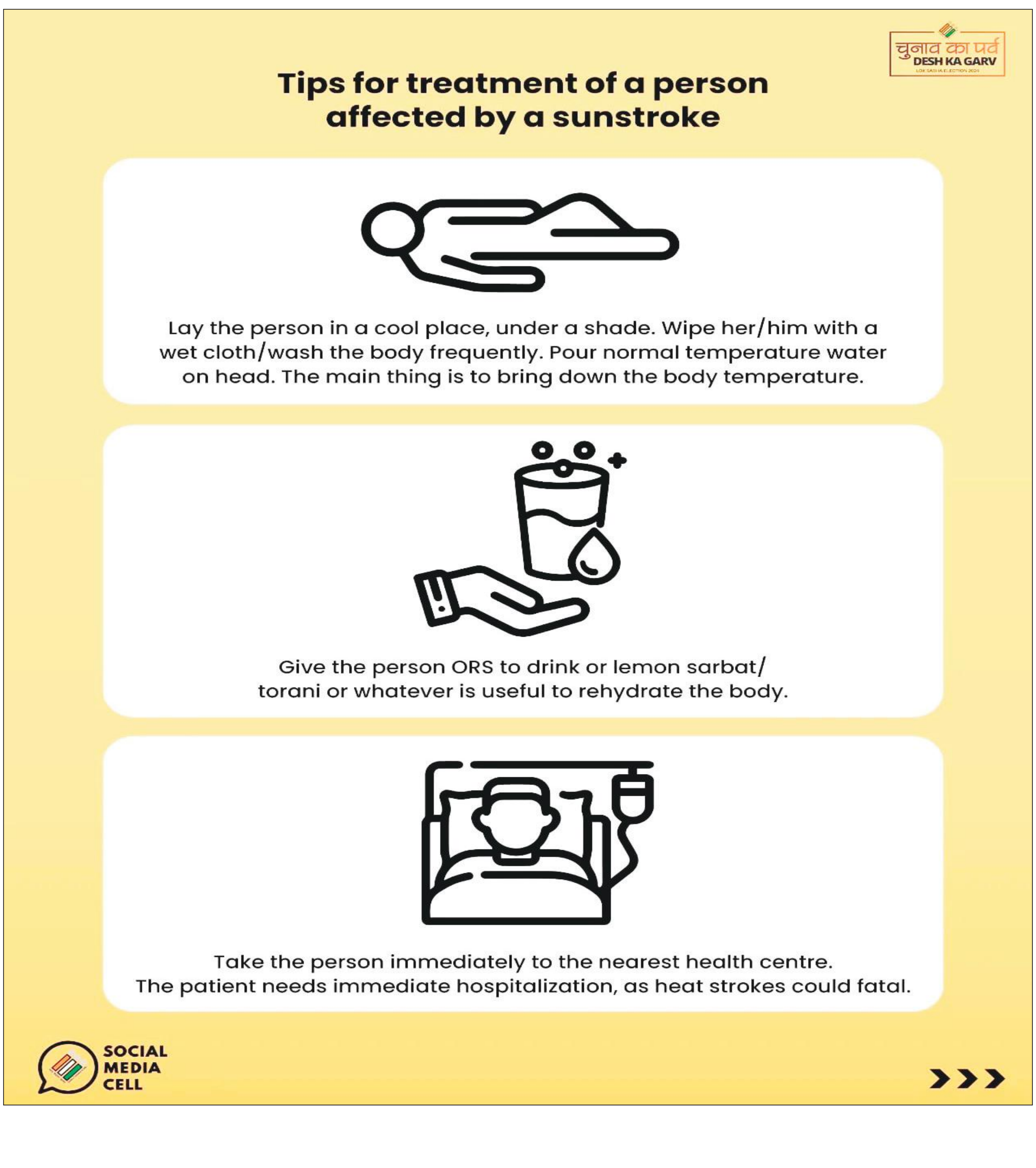

AJIO unveils Exclusive Ethnic Collection Inspired by Netflix and Sanjay Leela Bhansali's series Heeramandi: The Diamond Bazaar

Launched under AJIO's House of Ethnics, the limited-edition collection will have over 250+ styles

Mumbai, Focus News: India's premier fashion e-tailer AJIO announced the exclusive unveiling of an ethnic collection inspired by Netflix and Sanjay Leela Bhansali's Heeramandi: The Diamond Bazaar. Launched under AJIO's House of Ethnics, this limited-edition collection will offer customers over 250 styles of ethnic outfits inspired by the series. The highly anticipated collection takes inspiration from the colours, silhouettes, fabrics and embellishments used in Heeramandi: The Diamond Bazaar. The range encompasses fabrics like pure silk, tissues, georgettes, and brocades among others, that represent the opulence of the world that Netflix and Sanjay Leela Bhansali have recreated in the series. It includes skillfully crafted traditional dabka hand embroidery, Parsi embroidery, beadwork as well as digital prints inspired by the series. The women-focused collection consists of shararas, kurta suit sets, lehengas and saris, and starts at INR 4,000/- going up to INR 1,50,000/-. Moreover, the collection will also include official recreations of select attire that are adorned by the leading ladies in the show and designed by Sanjay Leela Bhansali's team. The idea of this partnership between AJIO and Netflix is to bring to a slice of that world and make it accessible to fans at scale. The opportunity here is to fuel fandom by giving fans a chance to own and flaunt the distinctive style, inspired by the series.

Vineeth Nair, CEO, AJIO, said, "Fashion plays a very important role in Sanjay Leela Bhansali's creations that often explore themes rooted in Indian culture, tradition and heritage. It serves as a means of representing and celebrating these cultural elements on screen. So, when we thought of this collaboration with Netflix for Heeramandi, it made a lot of sense. AJIO's House of Ethnics was the perfect launchpad for this limited-edition collection, enabling access to the fashion that customers adore and helping them create that dreamy Bollywood-inspired look." Heeramandi: The Diamond Bazaar, which marks the series debut of the celebrated filmmaker Sanjay Leela Bhansali, is one of the most awaited series in 2024. Set in pre-independent India against a burgeoning freedom movement, the final thread holding the art of tawaifs (courtesans) is put to the test. Prepare to be adorned with an epic saga of love, power, revenge and freedom; the series promises to be a profound celebration of art, culture, beauty, and Bhansali's legacy.

Shilpa Singh, Senior Director, Marketing Partnerships, APAC at Netflix, said, "Costumes in Sanjay Leela Bhansali's stories are characters in their own right, adding depth to the storyline. Heeramandi: The Diamond Bazaar will have some never before seen ethnic styles and fashion. This collaboration to bring the new and exclusive collection from the AJIO House of Ethnics inspired by Heeramandi is an incredible opportunity for fans to own the exquisite designs worn by the leading ladies in the show."

NS Venkatesh to spearhead Athachi Finserv

Chennai, Focus News: NS Venkatesh, who headed the Association of Mutual Funds in India (AMFI) as its CEO from 2017 to 2023, besides holding top positions in prestigious banks and financial institutions, is now embarking on a new chapter in his illustrious career. He now takes charge as the chairman of Athachi Finserv – a bespoke investment services organisation that offers long-term wealth creation solutions to discerning investors. Athachi Finserv, part of Athachi Group, is a second-generation organisation, involved in nature-based farm produce, ultra luxury skin and personal care, premium wellness products, investment management, financial advisory, renewable energy etc. Venkatesh brings a great wealth of experience spanning over four decades to Athachi. During his tenure as AMFI CEO, he oversaw the remarkable growth of the mutual fund industry, with Assets Under Management (AUM) rising from Rs 22 lakh crore to cross Rs 50 lakh crore, while the SIPs jumped manifold - from Rs 3,500 crore to Rs 18,000 crore. The fact that these feats were achieved when two major disruptions of our times happened - demonetisation and COVID – says a lot about his leadership and vision, as per a release. He envisions Athachi Finserv expanding its footprint and becoming a prominent player not only regionally but also nationally, while contributing significantly to expansion of the investor universe.

Reliance Jewels unveils Vindhya Collection marking Akshaya Tritiya Celebrations

Mumbai, Focus News: Reliance Jewels, India's leading jewellery brand, continues its tradition of celebrating festivals with unique and exquisite collections, by introducing the Vindhya collection on Akshaya Tritiya this year. Ninth in its iconic 'Jewels of India' collection series, Vindhya is inspired by the rich artistic traditions of Madhya Pradesh. Fashion icon and Bollywood diva Disha Patani unveiled the exclusive festive collection at a special event at the Reliance Jewels' store in Varanasi. Akshaya Tritiya, an auspicious festival signifying prosperity and abundance in the Hindu culture, is considered to be the perfect occasion for buying jewellery. Celebrating the occasion, the Reliance Jewels Vindhya Collection offers a stunning array of jewellery pieces that pay tribute to the rich cultural heritage and architectural splendour of Madhya Pradesh. Each piece is intricately crafted with designs inspired by famous monuments of Madhya Pradesh such as the Gwalior Fort, the Stupa of Sanchi, the Mahakaleshwar Temple of Ujjain, and the Mitaoli and Bateshwar Temples.

Commenting on the launch, Mr. Sunil Nayak, CEO, Reliance Jewels, said, "The launch of the Vindhya Collection this Akshaya Tritiya marks our commitment to celebrating India's diverse cultural heritage. Inspired by the rich traditions of Madhya Pradesh, this collection is the ninth in our 'Jewels of India' series and stands as our testament to showcasing Indian art and craftsmanship." He further added: "Akshaya Tritiya is the ideal occasion for buying jewellery as it symbolises wealth and prosperity, and this year, we offer our customers a unique opportunity to bring home prosperity through the Vindhya collection! The exquisite collection symbolises not just prosperity and elegance but also the enduring celebratory spirit of Akshaya Tritiya and our brand, Reliance Jewels."

Actress Disha Patani, while unveiling the collection at Reliance Jewels' Varanasi store, expressed her excitement, stating, " Each piece in this collection is a masterpiece reflecting the rich cultural heritage and architectural splendour of Madhya Pradesh. Personally, I am in love with the diamond necklace design, which beautifully amalgamates elements from various temples in Ujjain. It isn't just jewellery; it's a true symbol of tradition and beauty that is a must have in every wardrobe." Crafted with precision, the Vindhya collection offers a diverse range of jewellery pieces, from finely crafted chokers to intricately designed bangles available in gold and diamond variants. The Vindhya Collection is not just jewellery; it is a celebration of tradition, elegance, and timeless beauty. Perfect for adorning a traditional saree for a festive occasion or adding a touch of glamour to a contemporary ensemble, as well as to your daily wear, each piece exudes elegance and sophistication, making it ideal for celebrating Akshaya Tritiya in style.

The Vindhya collection marks the latest addition to Reliance Jewels extraordinary series 'Jewels of India', highlighting India's diverse regions, traditions, architecture and craftsmanship. While Vindhya draws inspiration from Madhya Pradesh's artistic finesse and timeless elegance, the eight previous collections in the series have been a testament to the beauty of India:

- Swarn Banga collection pays homage to Bengal's poetic beauty and cultural heritage
- Thanjavur collection found inspiration in the historical richness of Thanjavur, the capital of the Chola Empire.
- Mahalaya collection idolised the grandeur of Maharashtra
- Rannkaar collection captures the stark beauty of the Rann of Kutch
- Kaasyam collection gleams with the splendour of Banaras
- Utkala collection evokes the vibrancy of coastal OdishaThe Atulyaa collection showcases Rajasthan's royal heritage and Mughal-era opulence
- And the Apurvam collection portrays the architectural magnificence of Hampi.

The Vindhya Collection is now available at all Reliance Jewels stores. Customers can explore and adorn themselves with these captivating pieces, ushering in prosperity and abundance, this Akshaya Tritiya season.

BML Munjal University institutes School of Liberal Studies Conversations; organizes the Inaugural Edition on 'Hindi: Vaad-Vivaad-Samvaad'

New Delhi, Focus News: BML Munjal University, a Hero Group initiative, instituted a prestigious forum the School of Liberal Studies (SoLS) Conversations - a forum for deliberating and engaging with complex issues and evolving situations in the contemporary world. On the occasion, BML Munjal University organized the inaugural session of SoLS Conversations on the topic, 'Hindi: Vaad-Vivaad-Samvaad,' at the Kamladevi Complex of the India International Centre (IIC) in Delhi, triggering a nuanced discussion on Hindi language, its Evolution, Contestations and Multiplicity. The forum was inaugurated by Ms. Swati Munjal, President, BML Munjal University and Sunil Kant Munjal, BMU Chancellor. Shyam Menon, Vice Chancellor, BML Munjal University stated, "With Law and Liberal Studies, we were keen that the university should make its presence felt in the intellectual sphere of the city of Delhi.SoLS is looking to create public for this purpose. Conversation is a dying art form in the midst of today's polemics and television debates. We have forgotten the skill of deep listening as unhurried listening, thoughtful interventions, without certitudes and loud assertions but with the hope of attaining a higher equilibrium when something creative emerges." Reflecting on the importance of SoLS Conversations, Arindam Banerjee, Dean, School of Liberal Studies, BML Munjal University commented, "The SoLS Conversations represents a forum for deliberating and engaging with complex issues and evolving situations in the contemporary world. In an increasingly polarized and fast world that we live in, it is felt that there is need to nurture spaces where one can patiently engage with the nuances of various social and human issues. Needless to say, an ethos of dialogue and respectful disagreements form the core values of any democratic civilization." The session of 'Hindi: Vaad-Vivaad-Samvaad was embellished by the presence of distinguished panelists and experts of the subject. Moderated by renowned historian of Indian national movement, partition and language, Salil Mishra, the esteemed panelists for the session included Hindi poet-critic and editor-translator Ashok Vajpeyi, veteran journalist, television personality and author Mrinal Pande, and Hindi poet, critic and translator Asad Zaidi. In an insightful and engaging discussion, the esteemed panelists deep dived into various complexities around the Hindi language, discussing the self-image and internal diversity of the language; its journey since the 19th century, including various alliances, rivalries, inclusions and exclusions; Hindi's relationship with other languages; and issues pertaining to pedagogy and Hindi journalism over the past few decades. Conceptualized with the intention to nurture spaces for open discussion, the SoLS Conversations intends to emerge as a key forum that fosters the ethos of dialogue and respectful disagreements, which form the core-values of any democratic civilization. In a rapidly changing world with novel challenges for humankind and nature, SoLS Conversations aims to participate and contribute to public discourses on the most important issues of our times. The SoLS Conversations forum will continue to explore diverse themes and issues, providing a platform for insightful discussions, exchange of ideas, and collective learning. The platform is envisioned as an effort by BML Munjal University to foster informed and balanced conversations on public discourses on the most important issues of our times.

HP govt notifies standardised norms on packing of apples

Shimla, Focus News: Apple growers in Himachal Pradesh will only use universal cartons size of 20 kilogram capacity for packaging from the upcoming apple season, the state government issued a notification on Wednesday. The state government had implemented the decision to sell apples by weight and not by boxes during the 2023 apple season and promised to use only universal cartons from this season. The decision in this regard has been implemented, officials said on Thursday. In his budget speech in February, Himachal Pradesh Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu announced that universal cartons will be introduced for apple packaging in the state for this season. The apple season commences in July in the state. The use of universal cartons would help ensure freshness and quality and help the growers get remunerative prices, officials said. The apples have been graded into six categories - extra large, large, medium, small, extra small and pittu, and the number of apples and size has been clearly mentioned and the maximum ceiling for RSC (Regular Slotted Container)/CFB (Corrugated Fiber Board) /universal carton would be 20 kg. The size of an extra large apple has been put between 221-280 grams and the number of apples in the carton would be 80 while the size of an apple in the pittu (smallest) category is between 90-110 grams and the number of apples in the carton would be 200. Earlier, the Arhtiyas and commission agents were accepting apples in boxes and the total weight was between 30 to 35 kg and growers suffered losses. The government had implemented the decision to sell apples by weight in the teeth of opposition by Arhtiyas and commission agents and even took punitive action against the defaulters.

BJP strives to retain Rajnandgaon LS seat in Chhattisgarh as ex-CM from Cong poses challenge

Rajnandgaon, The Rajnandgaon Lok Sabha seat in Chhattisgarh, which showed the influence of an erstwhile royal family in electoral politics and the journey of several powerful politicians in the state, is witnessing an interesting fight this time, with the sitting MP locking horns with a former chief minister. BJP's Santosh Pandey is seeking his second straight term from Rajnandgaon, while the opposition Congress has fielded its firebrand leader and former chief minister Bhupesh Baghel against him. Rajnandgaon is among three seats in Chhattisgarh which will go to polls on Friday. This Lok Sabha seat derived its name from Rajnandgaon district, which is popularly known as 'sanskardhani' (cultural capital) of Chhattisgarh. But this seat has also been a witness to a member of Parliament losing his membership after being found guilty in the infamous 2005 cash-for-query scandal. Members of the erstwhile Khairagarh royal family have won the Rajnandgaon seat seven times as candidates of the Indian National Congress since the formation of the parliamentary constituency in 1957. So far, the Congress has won this seat in general elections eight times and once in a bypoll, while the BJP has won the poll seven times and the Janata Party once. Raja Virendra Bahadur Singh won the election from this seat in 1957 and 1962, followed by Rani Padmavati of the same family in 1967 as Congress candidates. However, in 1971, Congress sprung a surprise and fielded Ramsahai Pandey, then a businessman from Mumbai (then Bombay), prompting Padmavati Devi to rebel. But Pandey won the election.

The equation changed in the 1977 Lok Sabha elections as Madan Tiwari of the Janata Party emerged victorious in this seat. Tiwari defeated Shivendra Bahadur Singh, a scion of the Khairagarh royal family. In 1980, the Khairagarh royal family made a comeback with Shivendra Bahadur Singh winning the seat, and retaining it in 1984. In the 1989 elections, BJP fielded Dharamlal Gupta, a financially-sound businessman from Durg district, in this seat against Congress' Shivendra Bahadur Singh. The slogan of 'Paise se paisa takrayega' (money will take on money) was famous during the electioneering. Gupta won that election. In the Lok Sabha elections in 1991, Shivendra Bahadur again grabbed this seat. In 1996, BJP's Ashok Sharma emerged victorious and in 1998, Congress' influential leader and former chief minister Motilal Vora was elected as the MP from Rajnandgaon. BJP fielded Raman Singh, then a low-profile leader and a former MLA, against Vora in the 1999 elections. Singh defeated Vora, following which he was made union minister of state in the Atal Bihari Vajpayee-led government at the Centre. Later, Singh served as the chief minister of Chhattisgarh thrice (2003, 2008 and 2013) and he is presently the speaker of state assembly. Since then, the BJP has also never lost the Rajnandgaon Lok Sabha seat in the last four general elections after formation of the state. But in 2007, the Congress won this seat in a bypoll. BJP's Pradeep Gandhi won this seat in 2004, Madhusudan Yadav in 2009, Abhishek Singh (son of Raman Singh) in 2014 and Santosh Pandey in 2019. Gandhi lost his membership after he was found guilty in the 2005 cash-for-query scam. A sting operation against the then MPs was conducted by two journalists which was telecast on a private news channel on December 12, 2005.

Contribution, sharing, collaboration and fostering are key to achieve Sustainable Development Goals (SDG): Justice Anish Dayal

New Delhi, Focus News: Hon'ble Justice Anish Dayal, Delhi High Court, today while addressing the run-up event to 'World IP Day 2024', on the theme – 'IP and the SDGs: Building Our Common Future with Innovation and Creativity', organized by FICCI, said that Intellectual Property (IP) is synonymous with innovation and the soul of innovation is creativity. "Contribution, sharing, collaboration and fostering are the key to achieving SDG goals and make life better for future generations. There is no better time than now when we are at tipping point of climate change to work towards these SDGs," he added. Justice Dayal stated that the theme of this year's World IP Day the Sustainable Development Goals (SDGs) give us a recognizable visible target for 2030 and the role of IP is crucial in it. "Today, most of the innovations are driven by the market and consumers," he added. Speaking on the innovation in Intellectual Property cases, Justice Dayal further stated that the Intellectual Property Division (IPD) at Delhi High Court has now become an adjudicatory institution and 1,000 cases were filed since its inception 2 years back and 1300 cases in 2022 including trademarks, copyrights and patents. We have appointed technical advisors to deal with issues related to patents and the IPD is working to ensure resolution through the mediation process, he highlighted.

Daren Tang, Director General, World Intellectual Property Organization while addressing virtually said, "At a time when the world urgently needs ideas and inspiration to overcome common challenges, Intellectual Property will encourage them to strengthen the existing solution and creating new ones. This makes IP integral, not just to handful of goals of SDGs but across all 17 SDGs. As per analysis of WIPO, only 15 per cent of goals are on track. Indian startups, entrepreneurs and business of all sizes must use IP to grow, develop and move to changing needs of the market."

Lee Cooper Eco Denim Launch

Mumbai, Focus News: Lee Cooper is elated to announce its dedicated line focused on sustainable fashion called Lee Cooper ECO collection. As part of this exciting initiative, they're introducing a groundbreaking innovation: the **World's First Jeans made from recycled cigarette butts!** Through this, Lee cooper aims to return glory to Mother Nature .This launch is dedicated to the content creators of India as we believe they are not just influencers but Ecofluencers. Sustainable but stylish, Karan Kundra unveiled the exciting new collection at the exclusive store in Thane alongside 60+ content creators and lovely host Anushka Mitra.

Congress determined to steal from OBC quota to give religion-based reservation: PM Modi

Agra (UP), Prime Minister Narendra Modi on Thursday said his government was working to end "appeasement" while charging that the Congress was determined to steal from the OBC quota to provide reservation based on religion. Addressing an election rally in Uttar Pradesh's Agra, Modi also targeted the Congress-Samajwadi Party alliance in the state, saying it was based on "politics of appeasement". "They have their eyes on women's property, I am here as the 'chowkidar' (watchman)," Modi said. "Indian Constitution doesn't allow reservation on the basis of religion but the Congress insults the constitution by advocating this. The Congress is determined to steal from the OBC quota to provide reservation based on religion," Modi said. "The policy of appeasement divided the country but we are ending 'tushtikaran' (appeasement) and working for 'santushtikaran' (satisfying people)," he added. "The friendship between two boys in UP is based on politics of appeasement," the prime minister said attacking the alliance between Rahul Gandhi-Akhilesh Yadav alliance.

आतंकवादियों की तरफ से प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा भारत : डोभाल

मास्को, फोकस न्यूज, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक खुले, स्थिर, सुरक्षित, विश्वसनीय और समावेशी ढांचे के वास्ते अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 'एनश्योरिंग इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी इन द पॉलीसेंट्रिक वर्ल्ड' विषय पर पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए डोभाल ने समावेशी आर्थिक विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की भारत की नीति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवादियों और अपराधियों द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग तथा आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए सहयोग जारी रखेगा। सुरक्षा मामलों के लिए जिम्मेदार उच्चस्तरीय अधिकारियों की 12वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक में भाग लेते हुए डोभाल ने कहा कि इस तरह के सहयोग की रूपरेखा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम समझ विकसित करने में मदद के लिए सरकारों से लेकर निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, तकनीकी समुदायों और सिविल सोसायटी तक सभी हितधारक और नियमित संस्थागत संवाद शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण, शिक्षा, जागरूकता कार्यक्रमों और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए सुरक्षा मानकों के विकास के माध्यम से समान विचारधारा वाले देशों की क्षमता निर्माण और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग के लिए तंत्र का निर्माण भी ऐसे सहयोग का हिस्सा होना चाहिए।

दूरसंचार सेवा क्षेत्र का एजीआर दिसंबर तिमाही में 1.8 प्रतिशत बढ़ाः ट्राई

नयी दिल्ली, (भाषा) दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) अक्टूबर–दिसंबर, 2023 में तिमाही आधार पर 1.88 प्रतिशत बढ़कर 67,835 करोड़ रुपये हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2023 तिमाही में दूरसंचार क्षेत्र का एजीआर एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले 7.84 प्रतिशत बढ़ गया। दूरसंचार सेवाओं और अन्य निर्धारित वस्तुओं की बिक्री से दूरसंचार कंपनियों द्वारा अर्जित राजस्व को एजीआर कहा जाता है। दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का सकल राजस्व (जीआर) 84,500 करोड़ रुपये, लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) 81,101 करोड़ रुपये और एजीआर 67,835 करोड़ रुपये रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़े बताते हैं कि आलोच्य तिमाही में सितंबर तिमाही की तुलना में जीआर में 2.13 प्रतिशत, एपीजीआर में 1.70 प्रतिशत और एजीआर में 1.88 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में एक्सेस सेवाओं का हिस्सा 82 प्रतिशत था। एक्सेस सेवा श्रेणी में दिसंबर तिमाही में भारती एयरटेल का एजीआर तिमाही आधार पर 3.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 20,480.6 करोड़ रुपये हो गया।

अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया

वाराणसी (उप्र) केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र में चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया । शाह ने कार्यालय उद्घाटन के बाद आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यहां प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदी के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात है। भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा ताकि हम 400 पार करने के लक्ष्य को पूरा कर सकें। उन्होंने कहा, हमें नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास का संदेश हर घर तक पहुंचाना है। हमें नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकसित भारत के वादे का भी प्रचार करना है।" शाह ने कहा कि मोदी ने बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी की विरासत को संवारने के साथ–साथ विश्व स्तीय विकास भी किया है। मोदी ने 2014 में वाराणसी लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी और प्रधानमंत्री बने थे। वह 2019 के चुनाव में इस सीट से फिर से जीते थे। वाराणसी में मतदान लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण में एक जून को मतदान होगा।

कब शुरू होगी अहमदाबाद से मुंबई की बुलेट ट्रेन? रेलवे का जवाब आप भी जान लीजिए

पिछले दिनों मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि रेलवे मंत्रालय दिल्ली से अहमदाबाद के रूट पर बुलेट ट्रेन चलाने की प्लानिग कर रहा है. यह भी दावा किया गया कि इस रूट पर बुलेट ट्रेन शुरू होने के बाद दिल्ली से अहमदाबाद के बीच की दूरी को साढ़े तीन घंटे में पूरा किया जा सकेगा. इसके साथ ही रेल यात्रियों को मुंबई से अहमदाबाद के बीच शुरू होने वाली बुलेट ट्रेन का भी इंतजार है. इसके शुरू होने की जानकारी और किराये को लेकर भी लोगों के बीच काफी उत्सुकता है. दरअसल, यह देश की पहली बुलेट ट्रेन है जिसे अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलाया जाना है. एक आरटीआई में नेशनल हाई–स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड से बुलेट ट्रेन शुरू होने की टाइमिग के बारे में पूछा गया. इस पर एनएचएसआरसीएल की तरफ से दिये गए जवाब में बताया गया कि 508 किमी लंबे बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के पूरा होने की तारीख का अंदाजा सभी कामों से जुड़े टेंडर मंजूर होने के बाद ही लगाया जा सकता है. आपको बता दें NHSRCL ही इस कॉरिडोर के निर्माण कार्य को देख रही है.

निर्माण का ठेका मार्च 2023 में ही दिया गयाः हालांकि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रोजेक्ट अभी भी योजना के हिसाब से चल रही है. अधिकारी ने बताया कि 163 किमी लंबे पुल, 302 किलोमीटर लंबे खंभे और 323 किमी लंबी नींव का काम पूरा हो चुका है. एनएचएसआरसीएल के सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र में जमीन की दिक्कत के कारण वहां के पहले हिस्से का निर्माण का ठेका मार्च 2023 में ही दिया गया. मध्य प्रदेश के रहने वाले चंद्र शेखर गौर ने आरटीआई के तहत यह जानने की कोशिश की कि क्या एनएचएसआरसीएल बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को पूरा करने की आखिरी तारीख बता सकती है. बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण करने वाली कंपनी एनएचएसआरसीएल की तरफ से जवाब दिया कि मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल प्रोजेक्ट के पूरे होने का समय सभी कामों के टेंडर होने के बाद ही पता चल पाएगा. यह प्रोजेक्ट 2017 में शुरू हुआ था और दिसंबर 2023 तक पूरा होने वाला था. लेकिन जमीन लेने में दिक्कत और कोरोना की वजह से इसमें काफी देरी हो गई.

व्हाट्स ऐप के जरिये दाखिल और सूचीबद्ध मुकदमों की जानकारी देगा न्यायालय : चंद्रचूड़

नयी दिल्ली, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को वाद सूची और मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने से संबंधित जानकारी साझा करना शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं से उत्पन्न एक जटिल कानूनी सवाल पर सुनवाई शुरू करने से पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह घोषणा की। याचिकाओं से यह सवाल निकलकर सामने आया कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत 'समुदाय के भौतिक संसाधन' माना जा सकता है, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) का एक हिस्सा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''75वें वर्ष में उच्चतम न्यायालय ने एक पहल की है, जिसमें न्यायालय की आईटी सेवाओं के साथ व्हाट्स ऐप संदेशों को एकीकृत कर न्याय तक पहुंच को और मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है।'' उन्होंने कहा कि अब अधिवक्ताओं को मुकदमा दाखिल करने के बारे में ऑटोमेटेड संदेश प्राप्त होंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह भी कहा कि वाद सूची के प्रकाशित होने के बाद बार सदस्यों को उनके मोबाइल फोन पर सूची प्राप्त होगी। वाद सूची का मतलब एक तय तिथि पर अदालत द्वारा मुकदमे पर होनी वाली सुनवाई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, ''यह एक क्रांतिकारी कदम है।'' प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत का आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर भी साझा किया और कहा कि इस पर कोई संदेश और कॉल प्राप्त नहीं होगा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''इससे हमारी कामकाजी आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा और कागजात बचाने में काफी मदद मिलेगी।'' प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ के नेतृत्व में शीर्ष अदालत न्यायपालिका के कामकाज को डिजिटल बनाने के लिए कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ई–कोर्ट परियोजना के लिए सात हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश की पुलीवेंदुला सीट से दाखिल किया नामांकन

अमरावती (आंध्र प्रदेश), वाईएसआरसीपी प्रमुख एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने पुलीवेंदुला विधानसभा सीट से बृहस्पतिवार को नामांकन दाखिल किया। जगन मोहन रेड्डी के साथ कडप्पा लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार वाई एस अविनाश रेड्डी और अन्य लोग मौजूद थे। एक विज्ञप्ति के अनुसार, '' मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने पुलीवेंदुला में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, आधिकारिक तौर पर पुलीवेंदुला के निर्वाचन अधिकारी को उम्मीदवारी का पर्चा सौंपा।'' इससे पहले सोमवार को पुलीवेंदुला के स्थानीय वाईएसआरसीपी नेताओं ने सत्तारूढ़ पार्टी प्रमुख की ओर से नामांकन पत्रों का एक सेट दाखिल किया था। राज्य में 13 मई को विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव एकसाथ होंगे।

आंध्र प्रदेश चुनाव : कांग्रेस ने तीन लोकसभा, छह विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की

अमरावती (आंध्र प्रदेश), (भाषा) कांग्रेस ने बुधवार को आंध्र प्रदेश की तीन लोकसभा और छह विधानसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। कांग्रेस की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, के.बी.आर. नायडू नरसापुरम लोकसभा क्षेत्र से, एस.के. बशीद राजमपेट से और एम. जगपति चित्तूर से चुनाव लड़ेंगे। विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने जी. तिरुपति को श्रृंगवारापुकोटा से, जी. अंजी बाबू को बापतला से और सी. चंद्र पॉल को सत्तेनपल्ले से मैदान में उतारा है। इसी तरह, कांग्रेस ने शेख जेलानी बाशा को कुरनूल विधानसभा सीट से, एम. कासिम वली को येम्मिगनूर से और पी.एस. मुरली कृष्णराजू को मंत्रालयम से टिकट दिया है।